3 राजधानी
बर्फीली हवाओं से बढ़ी ठिठुरन

6 अभिमत
ओटीटी मंचों की बढ़ती लोकप्रियता

11 विदेश
दक्षिण अफ्रीका के संसद भवन में लगी आग

12 विविध
2021: शिक्षा और कोविड-19

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 58
नई दिल्ली, सोमवार, 3 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

पिछले बीस दिन में असाधारण रहे कोहली

स्पोर्ट्स-10

घनी आबादी वाले शहरों में बहुत तेजी से बढ़े केस

● केंद्र ने कहा- तीसरी लहर से बचाव के लिए स्वास्थ्य ढांचा मजबूत करें राज्य

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुंबई, दिल्ली और कोलकाता जैसे घनी आबादी वाले शहरों में तीसरी लहर की शुरुआत हो चुकी है। इनमें कोविड-19 मामलों में बहुत तेज वृद्धि देखी जा रही है। पिछली दो लहरों की तुलना में इस बार कहीं अधिक लोगों के संक्रमित होने का खतरा बढ़ रहा है। मुंबई में रविवार को 8,063 नए केस आए हैं और यह एक दिन पहले की तुलना में 27 प्रतिशत अधिक हैं। इसी तरह दिल्ली में 3191 और कोलकाता में लगभग 3194 मामले दर्ज किए गए। भारत में रविवार को 24 घंटों में 27,553 नए मामले सामने आए हैं। लगातार पांचवें दिन संक्रमण में यह उछाल देखने को मिला है। एक दिन पहले 22,775 नए मामले सामने आए थे।

इससे पहले 20 दिसंबर को देश में 5326 कोविड मामले आए थे। केवल 13 दिन में ही दैनिक नए मामलों में लगभग पांच गुना का उछाल आया है। रायगढ़ और रायपुर जैसे बड़े शहरों में भी केस बढ़ रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने रविवार को चेताया कि भारत समेत

नई दिल्ली में रविवार को कोरोना की जांच कराती एक युवती

वैश्विक स्तर पर फैल रहे कोरोना से स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे पर बोझ बढ़ सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों को अतिरिक्त आइसोलेशन बेड, अस्थायी अस्पताल, फील्ड अस्पताल और बाल चिकित्सा देखभाल इकाइयां बनाने के लिए लिखा है। शनिवार के मुकाबले रविवार को 21 प्रतिशत मामले अधिक आए हैं और कुल केसलोड अब 3,48,89,132 हो गया है। कोरोना वायरस के हाइपर-म्यूटेटेड वैरिएंट ओमीक्रोन भी तेजी से फैल रहा है और अब इन मामलों की संख्या बढ़कर 1,525 हो गई है, जिनमें महाराष्ट्र में इस वैरिएंट के सबसे ज्यादा 460 मरीज हैं। इस बीच, महाराष्ट्र में 24 घंटों में 11,877 केस आए हैं। राज्य में ओमीक्रोन के भी 50 नए मामले दर्ज किए गए। इनमें अधिकांश मामले (38) पुणे से सामने आए हैं। ओमीक्रोन से सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में दूसरे नंबर पर दिल्ली है जहां 351 मामले अब तक आए हैं।

इसके बाद गुजरात (136), तमिलनाडु (117) और केरल (109) का नंबर है। अब तक कुल 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों जैसे तेलंगाना, राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तराखंड, चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर, उत्तर प्रदेश, गोवा, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, मणिपुर और पंजाब में नए वैरिएंट ओमीक्रोन के मामले दर्ज किए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि राज्य हालात के मद्देनजर अतिरिक्त आइसोलेशन बेड, अस्थायी अस्पताल, फील्ड अस्पताल और बाल चिकित्सा देखभाल इकाइयां तैयार करें। राज्यों को होम आइसोलेशन में रहने वालों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई करने और अपने नियंत्रण कक्षों को तैयार करने के लिए कहा गया है, जो एक बिस्तर और एक एम्बुलेंस की आवश्यकता वाले लोगों के साथ समन्वय करेंगे।

राजधानी में तीन दिन में तीन गुना बढ़े कोरोना मामले

● मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा- लोग डरें नहीं, तीसरी लहर से बचने के सभी उपाय कर रही सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में पिछले तीन से चार दिनों में कोरोना संक्रमण तीन गुना बढ़ गया है। बीते 29 दिसंबर को जहां 923 केस थे, वहीं दो जनवरी को यह संख्या बढ़कर 3194 हो गई। हालांकि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों से कहा है कि वे घबराएं नहीं, यह लहर मामूली है और इससे निपटने के लिए सरकार पूरी तरह तैयार है। वर्तमान में दिल्ली में 6300 एक्टिव केस हैं और केवल 82 बेड भरे हैं।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उनकी सरकार राजधानी में 37 हजार ऑक्सीजन बेड तैयार कर रही है। केजरीवाल ने कहा कि 29 दिसंबर को करीब 2 हजार एक्टिव केस थे और 262 बेड भरे थे, जबकि एक जनवरी को 6 हजार एक्टिव केस थे और 247 बेड भरे थे।

सीएम ने बताया कि 29 दिसंबर को 923 केस आए थे, जबकि 30 दिसंबर को 1313 केस आए। इसी तरह, 31 दिसंबर को 1796 और 1 जनवरी को 2796 कोरोना मरीज आए। इसी तरह मरीज बढ़ रहे हैं, क्योंकि 2 जनवरी को यह संख्या 3194 तक पहुंच गई। इस वक्त दिल्ली में एक्टिव केस 6360 हैं, जबकि तीन दिन पहले ये 2191 थे। इस तरह इन तीन दिनों में लगभग तीन गुना (शेष पेज 9)

संक्रमण बढ़ने पर कोलकाता में लॉकडाउन जैसी पाबंदियां

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

लगातार कोरोना मामले बढ़ने के कारण पश्चिम बंगाल सरकार ने रविवार को कोलकाता में लॉकडाउन जैसी कड़ी पाबंदियां लागू कर दी हैं। इस वक्त राज्य में मरीजों की संख्या 4500 से अधिक हो गई और राजधानी में संक्रमण दर 33 प्रतिशत पहुंच गई है। राज्य के मुख्य सचिव एचके द्विवेदी ने शिक्षण संस्थानों को बंद करने, रात्रि कर्फ्यू लगाने और सभी पर्यटक स्थलों, जिम, सैलून, स्विमिंग पूल और स्पा को बंद करने का आदेश दिया है। सिनेमाघर और अन्य मनोरंजन स्थल आधी क्षमता के साथ संचालित होंगे। मेट्रो रेल समेत लोकल ट्रेनें भी 50 फीसदी के साथ चलेंगी। इसी तरह सरकारी और निजी कार्यालय भी अपनी कुल क्षमता के आधे कर्मचारियों से काम चलाएंगे। सभी प्रशासनिक बैठकें वर्चुअल होंगी। लोकल ट्रेन (स्टाफ स्पेशल को छोड़कर) सेवा शाम 7 बजे (शेष पेज 9)

बच्चों और बड़ों की वैक्सीन का न होने पाए मिश्रण: केंद्र

● देश में 15+ किशोरों को आज से लगेगा टीका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 के खिलाफ 15 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के देशव्यापी टीकाकरण अभियान से एक दिन पहले केंद्र ने राज्य सरकारों से बच्चों और वयस्क आबादी को दिए जाने वाली वैक्सीन के मिश्रण के प्रति सावधानी बरतने के प्रति आगाह किया है। बच्चों को केवल कोवैक्सीन का टीका लगेगा, जबकि वयस्कों को कोवैक्सीन के अलावा कोविशील्ड और स्पुतनिक वी भी लगाई जा रही है। ये वैक्सीन स्कूलों, अस्पतालों और विशेष शिविरों के माध्यम से लगाई जा रही हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राज्यों के साथ हुई ऑनलाइन बैठक में 15-18 आयु वर्ग के किशोरों को वैक्सीन डोज देने के दौरान टीकों के मिश्रण से बचने के लिए अलग टीकाकरण केंद्र स्थापित करने सहित आवश्यक उपाय करने के लिए कहा। कोविन डैशबोर्ड के आंकड़ों के अनुसार शनिवार रात 11.30 बजे तक इस आयु वर्ग के 3,15,416 लोगों ने टीकाकरण के लिए पंजीकरण करा लिया था। मंडाविया ने अभिभावकों से अपने पात्र बच्चों का पंजीकरण कराने की अपील की। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि बच्चे सुरक्षित हैं तो देश का भविष्य सुरक्षित है। प्रधानमंत्री की घोषणा के एक हफ्ते बाद 3 जनवरी को किशोरों के लिए टीकाकरण शुरू हो रहा है। मंडाविया ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों और प्रमुख सचिवों व स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिवों के साथ एक ऑनलाइन बातचीत कर टीकाकरण के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए दिशा निर्देश दिए।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने उन्हें 15-18 आयु वर्ग के लोगों के लिए टीकाकरण अभ्यास और लाभार्थियों की इस श्रेणी के लिए समर्पित टीकाकरण सत्र स्थलों की पहचान के लिए टीकाकरण और टीकाकरण टीम के सदस्यों प्रोत्साहित करने की बात कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 दिसंबर, 2021 को घोषणा की थी कि 15-18 वर्ष की आयु के लिए टीकाकरण सोमवार से शुरू होने वाला है, जबकि कमजोर श्रेणियों के लिए बूस्टर डोज 10 जनवरी, 2022 से शुरू होना है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार जिनका जन्म वर्ष 2007 है या उससे पहले है वे सभी लोग टीकाकरण के लिए पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 19.81 करोड़ से अधिक शेष और अप्रयुक्त कोविड-19 वैक्सीन डोज राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास उपलब्ध हैं।

केंद्र ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आठ लाख की आय सीमा स्वीकारी

● सुप्रीम कोर्ट से कहा, ईडब्ल्यूएस के लिए यह सीमा ओबीसी क्रीमी लेयर की तुलना में अधिक कठोर

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय को सूचित किया है कि उसने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के तहत लाभ हासिल करने के लिए पारिवारिक आय की सीमा आठ लाख रुपए सालाना या इससे कम को कायम रखने के तीन सदस्ईय समिति की सिफारिश को स्वीकार करने का फैसला किया है।

सरकार ने कहा कि समिति ने सिफारिश की है कि ईडब्ल्यूएस को परिभाषित करने के लिए परिवार का आय व्यवहारिक मापदंड है और मौजूदा परिस्थिति में परिवार की आठ

लाख रुपए तक वार्षिक आय ईडब्ल्यूएस तय करने के लिए तार्किक प्रतीत होता है। नीट-पीजी प्रवेश के मामले में दाखिल हलफनामे में केंद्र ने कहा कि समिति ने अनुशंसा की है केवल उन्हीं परिवारों को ईडब्लयूएस कोटे के तहत आरक्षण का लाभ मिले जिनकी पारिवारिक सालाना आय आठ लाख रुपए तक है। केंद्र ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के निर्धारण के लिए आठ लाख रुपए आय का मापदंड ओबीसी क्रीमी लेयर की तुलना में कहीं अधिक सख्त है। सरकार ने कहा कि सबसे पहले ईडब्ल्यूएस की शर्त आवेदन के वर्ष से पहले के वित्तीय वर्ष से संबंधित है जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में क्रीमी लेयर के लिए आय मानकों की शर्तें लगातार तीन वर्षों के लिए सकल वार्षिक आय पर लागू होती है। सरकार ने हाल ही में ईडब्ल्यूएस निर्धारण के मापदंडों पर पुनर्विचार के लिए गठित तीन-सदस्ईय समिति की रिपोर्ट स्वीकार की है।

पैनल ने कहा, समिति, इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि ईडब्ल्यूएस के लिए 8 लाख रुपए के कट-ऑफ का मानदंड ओबीसी क्रीमी लेयर की तुलना में बहुत अधिक कठोर हैं। पैनल की रिपोर्ट शीर्ष अदालत को सौंपी गई है, जो मौजूदा शैक्षणिक वर्ष से नीट-पीजी में प्रवेश में ईडब्ल्यूएस कोटा लागू करने के सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली छात्रों की याचिका पर सुनवाई कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, दूसरी बात, ओबीसी क्रीमी लेयर तय करने के मामले में, वेतन, कृषि और पारंपरिक कारीगरों के व्यवसायों से (शेष पेज 9)

पेगासस का निशाना बने लोग अपने मोबाइल के साथ संपर्क करें

भाषा। नई दिल्ली

● तकनीकी समिति ने नागरिकों से कहा

उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त तकनीकी समिति ने रविवार को एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर नागरिकों से कहा कि यदि उन्हें संदेह है कि उनके मोबाइल फोन में पेगासस मालवेयर से सेंध लगाई गई है, तो वे आगे आएं और समिति से संपर्क करें। सार्वजनिक नोटिस में ऐसे नागरिकों से यह कारण भी बताने को कहा है कि उन्हें ऐसा क्यों लगता है कि उनके उपकरण में पेगासस मालवेयर से सेंध लगाई गई होगी, और क्या वे तकनीकी समिति को इन उपकरणों की पड़ताल करने की अनुमति देने की स्थिति में हैं।

रविवार को प्रमुख समाचार पत्रों में जारी किए गए सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है, जिन लोगों को यह संदेह है कि उनके उपकरण में सेंध लगाई गई है, उन्हें तकनीकी समिति को सात जनवरी 2022 से पहले एक ईमेल भेजना चाहिए। नोटिस में कहा गया है, यदि समिति को प्रतीत होगा कि संदेह के लिए आपके कारण को लेकर आगे की जांच की जरूरत है तो समिति आपसे आपके उपकरण की जांच करने देने का अनुरोध करेगी। इसमें कहा गया है, समिति ने अनुरोध किया है कि भारत के किसी नागरिक को, जिसे एनएसओ ग्रुप इजराइल के पेगासस सॉफ्टवेयर के विशेष उपयोग के चलते अपने मोबाइल फोन में सेंध लगाए जाने का संदेह है, तो उन्हें उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त तकनीकी समिति से संपर्क करना चाहिए...।

नोटिस में कहा गया है, साथ ही, यह कारण बताना होगा कि आपको ऐसा क्यों लगता है कि आपके उपकरण में पेगासस मालवेयर से सेंध लगाई गई, और क्या आप तकनीकी समिति को अपने उपकरण की जांच करने की अनुमति देने की स्थिति में हैं। समिति उपकरण प्राप्त करने की एक पावती देगा और उपयोगकर्ता को उनके रिकार्ड के लिए एक डिजिटल तस्वीर देगा। नोटिस में कहा गया है कि मोबाइल (शेष पेज 9)

पहले अपराधी खेलते थे अवैध कब्जों के खेल अब योगी सरकार उनके साथ खेल रही जेल-जेल

● मोदी ने मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का किया शिलान्यास

भाषा। मेरठ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि इस पार्टी की पिछली सरकार के कार्यकाल में अपराधी और माफिया राज्य में अवैध कब्जों का टूर्नामेंट खेलते थे, मगर मौजूदा भाजपा सरकार अब उनके साथ जेल-जेल खेल रही है। मोदी ने मेरठ के सरधना में 700 करोड़ रुपए की लागत से बनने जा रहे उत्तर प्रदेश के पहले मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास करने के बाद अपने सम्बोधन में पूर्ववर्ती सपा सरकार पर हमला करते हुए कहा, उत्तर प्रदेश में जब पहले की सरकार थी तब यहां अपराधी और माफिया अपना खेल

प्रधानमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर बोला हमला

मेरठ में खेल विश्वविद्यालय की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में उप्र की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

खेलते थे। पहले यहां अवैध कब्जों के टूर्नामेंट होते थे। उन्होंने कहा, बेटियों पर फब्तियां कसने वाले लोग खुलेआम घूमते थे हमारे मेरठ और आसपास के क्षेत्रों के लोग कभी भूल नहीं सकते कि लोगों के घर जला दिए जाते थे और पहले की सरकार अपने खेल में लगी रहती थी। उन्होंने आरोप लगाया, पहले की सरकारों के खेल का ही नतीजा था कि लोग अपना पुश्तैनी घर छोड़कर पलायन के लिए मजबूर हो गए थे। पहले क्या-क्या खेल खेले जाते थे। अब योगी जी की सरकार ऐसे अपराधियों के साथ जेल-जेल खेल रही है। मोदी ने खेल विश्वविद्यालय का जिक्र करते हुए कहा अब उत्तर प्रदेश में असल तरीके से खेल (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	58,254	
निफ्टी	17,354	
सोना	47,840	/10g
चांदी	62,210	/kg

क्विक न्यूज

उच्चतम न्यायालय अगले दो हफ्ते वर्चुअल माध्यम से सुनवाई करेगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कोविड-19 के ओमीक्रोन स्वरूप के मामले बढ़ने के मद्देनजर दो हफ्तों के लिए सभी सुनवाई वर्चुअल माध्यम से करने का रविवार को फैसला किया। शीर्ष न्यायालय प्रशासन ने रविवार शाम फैसले की घोषणा करते हुए एक परिपत्र जारी किया। इसमें कहा गया है कि शारीरिक उपस्थिति के साथ सुनवाई (हाईब्रिड सुनवाई) के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित करने वाला पहले जारी किया गया एक परिपत्र इस अवधि के लिए निलंबित रहेगा। उल्लेखनीय है कि एसओपी सात अक्टूबर 2021 को अधिसूचित किया गया था। परिपत्र में कहा गया है, ...तीन जनवरी से दो हफ्तों के लिए अदालतों में सभी सुनवाई सिर्फ वर्चुअल माध्यम से होगी। उच्चतम न्यायालय सर्दियों के अवकाश के बाद सोमवार से फिर से खुलने जा रहा है।

नवाब मलिक ने एनसीबी पर फिर बोला हमला

● कहा, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो अधिकारी ने पूर्व तारीख के कागजात पर हस्ताक्षर करने के लिए पंच को बुलाया

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने रविवार को स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) पर फिर से हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि एक एनसीबी अधिकारी ने एक मामले में पूर्व की तारीख के पंचनामा कागजातों पर हस्ताक्षर कराने के लिए एक पंच को बुलाया था।

मलिक की यह टिप्पणी तब आई है जब एनसीबी ने मादक पदार्थ के एक मामले में उनके दामाद को दी गई जमानत को रद्द करने के लिए बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। संपर्क करने पर, एनसीबी के एक अधिकारी ने मलिक के आरोपों का

खंडन किया और उन्हें 'झूठा और निराधार' करार दिया। मलिक ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए दो ऑडियो क्लिप भी जारी किए - एक ऑडियो एनसीबी अधिकारी द्वारा एक मामले से संबंधित पुराने कागजात पर हस्ताक्षर करने के लिए एक पंच (गवाह) मैडी को बुलाए जाने के बीच की कथित बातचीत से जुड़ा था।

एक अन्य ऑडियो पंच और एनसीबी के मुंबई संभागीय निदेशक समीर वानखेड़े के बीच कथित फोन कॉल का था, जिनका केंद्रीय मादक पदार्थ रोधी एजेंसी के साथ कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो गया था। मलिक ने कहा, एनसीबी का झूठ थमने का नाम नहीं ले रहा है...जिस तरह से अधिकारियों ने कोरे कागजों पर गवाहों के दस्तखत करवाकर लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाते हुए फर्जी मामले बना दिए है, और अब, मामलों को ठीक करने के लिए, वे पंचों को पिछली तारीख के पंचनामा पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए बुला रहे हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रवक्ता ने कहा, मैं इस मामले में अदालत का दरवाजा खटखटाने जा रहा हूं।

मलिक ने कहा कि उनके दामाद समीर खान- जिन्हें पिछले साल मादक पदार्थ के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था- को उन पर दबाव बनाने के लिए चुना गया, लेकिन वह एनसीबी अधिकारियों के 'झूठ का पर्दाफाश' करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, एजेंसी को उच्च न्यायालय में अपील करने का अधिकार है यदि वे आदेश से संतुष्ट नहीं हैं, लेकिन (अभिनेत्री) रिया और शोविक चक्रवर्ती के मामले (अभिनेता सुशांत (शेष पेज 9)

मुस्लिम महिलाओं के अपमान पर घमासान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● राजनीतिक हल्कों से लेकर सोशल मीडिया तक भड़के लोग, केंद्र ने विवादित ऐप पर लगाया प्रतिबंध

● सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, असदुद्दीन ओवैसी व शशि थरूर ने जताया था कड़ा ऐतराज

सोशल मीडिया पर मुस्लिम महिलाओं को लक्षित कर फोटो पोस्ट करने और उनके खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने को लेकर राजनीति से लेकर सामाजिक हलकों में घमासान छिड़ गया। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने कड़ा ऐतराज जताया और कई महिलाओं ने इस हरकत के खिलाफ पुलिस में शिकायत की। विवाद बढ़ता देख केंद्र सरकार ने विवादित बुल्ली बाई ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया है।

केंद्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि होस्टिंग प्लेटफॉर्म गिटहब ने उपयोगकर्ता को ब्लॉक कर दिया है और कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी) आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस के साथ समन्वय कर रही है। मुस्लिम महिलाओं के प्रति अपमानजक व अशोभनीय शब्दों से हमला करने पर शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, असदुद्दीन ओवैसी और शशि थरूर ने बुल्ली बाई ऐप से सांप्रदायिक स्तर पर निशाना साधने को गलत बताते हुए सरकार से दोषियों पर कार्रवाई का आग्रह किया था। मुस्लिम महिलाओं को लक्षित कर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले सुली डील्स साइट के सामने आने के छह माह बाद बुल्ली बाई के नाम से नया ऐप 1 जनवरी को सामने आया, जिसमें पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और प्रसिद्ध हस्तियों सहित महिलाओं की अपमानजनक सामग्री के साथ कई तस्वीरें पोस्ट की गई थीं। इस तरह की पोस्ट से देश और विदेश में व्यापक आक्रोश फैल गया। इसके बाद दिल्ली और मुंबई पुलिस ने इसे होस्ट करने वाले ऐप डेवलपर गिटहब के खिलाफ मामले दर्ज किया है।

कई मुस्लिम महिलाओं ने शुक्रवार को ट्विटर व सोशल मीडिया पर अपनी गिटहब पर साझा तस्वीरों के स्क्रीनशॉट शेयर किए, जिसमें कथित तौर पर उपयोगकर्ताओं को नीलामी में भाग लेने की अनुमति दी गई थी। बुल्ली बाई ऐप पर साझा तस्वीरें पिछले साल जुलाई में सुल्ली डील्स की तरह ही हैं। बुल्ली बाई खोलने पर मुस्लिम महिला का चेहरा बेतरतीब ढंग से अपमानजक सामाग्री के साथ प्रदर्शित किया गया था। ट्विटर पर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने वाले पत्रकारों सहित मुस्लिम महिलाओं ने इन तस्वीरों को अपलोड कर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। वैष्णव ने शनिवार देर शाम एक ट्वीट में कहा कि गिट हब ने रविवार सुबह ही यूजर को ब्लॉक करने की पुष्टि की। सीईआरटी और पुलिस अधिकारी समन्वय कर आगे की कार्रवाई कर रहे हैं। भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी) साइबर सुरक्षा खतरों से निपटने वाली नोडल एजेंसी है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में विस्तार से नहीं बताया। वैष्णव ने ट्वीट किया कि भारत सरकार इस मामले में दिल्ली और मुंबई में पुलिस संगठनों के साथ काम कर रही है।

शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शनिवार को दोषियों की गिरफ्तारी सहित कार्रवाई के लिए मुंबई पुलिस और केंद्रीय आईटी मंत्री वैष्णव को टैग करते हुए ट्वीट किया था। कुछ लोगों ने कहा कि उन्हें दिल्ली पुलिस पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई पर बहुत कम (शेष पेज 9)

अब सजावट में होगा कूड़े का इस्तेमाल

ग्रेनो प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण ने रखी मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी की नींव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने शहर से निकलने वाले सूखे कूड़े का निस्तारण करने के लिए मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी की नींव रखवा दी है। यह ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-12 में बनाया जा रहा है। आगामी 4.5 महीने में यह बनकर तैयार हो जाएगा। इस प्लांट में हर माह करीब 300 मीट्रिक टन सूखे कूड़े का निस्तारण हो सकेगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण की तरफ से एमआरएफ केंद्र का भूमि पूजन हुआ। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर, गांवों, मोहल्ले और सभी घरों से निकलने वाला सूखा कूड़ा यहीं पर जाएगा। जिसके बाद इसका निस्तारण होगा, यह ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, यूएनडीपी और एचडीएफसी बैंक के संयुक्त प्रयास से बन रहा पहला एमआरएफ केंद्र है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ दीप चंद्र, यूएनडीपी इंडिया की प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट प्रोग्राम की प्रमुख सलोनी गोयल और एचडीएफसी बैंक के क्लस्टर हेड संजय ठाकुर ने भूमिपूजन कर नींव रखी है।

इस कूड़े से निकलने वाले प्लास्टिक वेस्ट से घरेलू उत्पाद भी बनाए जाएंगे। इसके निर्माण में करीब 2.5 करोड़ रुपए खर्च होंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अफसरों ने बताया कि प्राधिकरण शहर को साफ बनाने में लगा हुआ है। एनसीआर का सबसे हरित शहर ग्रेटर नोएडा है। इस सूखा कूड़ा प्रबंधन स्वच्छता केंद्र से हर माह करीब 300 मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण हो सकेगा। कलेक्शन सेंटर्स से कूड़ा उठाने से लेकर दैनिक उपयोग के उत्पाद बनाने तक का प्रोसेस पूरा किया जाएगा। इससे बेंच, लैंप और अन्य सजावटी उत्पाद बन सकेंगे, जिसके बाद इन उत्पादों का इस्तेमाल घरों, पार्कों आदि में हो सकेगा। इस प्लांट को तैयार होने में 4 से 5 माह लगेंगे।

आंदोलनकारी किसानों पर दर्ज मुकदमें वापस लेने की तैयारी

अफसरों-किसानों के बीच हुआ समझौता

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में 81 गांव को किसानों ने 122 दिनों तक प्राधिकरण का प्रदर्शन किया था। इस दौरान किसानों और अफसरों के बीच काफी बाद नोकझोंक भी हुई थी, जिसके कारण इन किसानों पर काफी मुकदमे दर्ज हुए थे। अब नोएडा के इन किसानों पर दर्ज हुए मुकदमों को निस्तारित किया जाएगा। किसानों और अफसरों के बीच समझौता होने के बाद यह फैसला लिया गया है।

किसान आंदोलन के समय प्राधिकरण पर पुलिस और अधिकारियों की तरफसे किसानों पर मुकदमे दर्ज किए गए थे। शुक्रवार को किसानों और नोएडा प्राधिकरण समझौता हो गया है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने किसानों की मांगों को पूरा करने का आश्वासन देते हुए समझौता पत्र भी दे दिया है। किसान वापस अपने घर लौट गए हैं। किसान आंदोलन के समय किसानों की अधिकारियों के साथ काफी नोकझोंक हुई थी।

किसानों ने नोएडा चिल्ला बॉर्डर, जिले के सांसद डॉ महेश शर्मा, नोएडा के विधायक पंकज सिंह और दादरी के विधायक तेजपाल नागर का घेराव किया था। इस दौरान किसानों ने काफी बार रोड जाम भी किया था। जिसके कारण इन किसानों पर एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज किए गए थे।

एडिशनल डीजीपी रणविजय सिंह ने बताया कि किसानों और प्राधिकरण के किसानों के बीच समझौता हो गया है। प्रदर्शन के दौरान किसानों पर काफी मुकदमे दर्ज किए गए थे। इनको निस्तारित किया जाएगा। पुलिस किसानों पर दर्ज किए गए मुकदमों को निस्तारित करवाएगी।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य शिविर में भाजपा नेता का स्वागत करते पदाधिकारी।

स्वास्थ्य जांच शिविर में 250 मरीजों की जांच

गाजियाबाद। मेरठ रोड स्थित आरोग्यम फार्मा क्लिनिक पर एक बजे तक स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्धघाटन भाजपा नेता रुद्र प्रताप त्यागी ने किया। इस अवसर पर 250 लोगों के स्वास्थ की जांच की गई। शिविर का उद्घाटन भाजपा नेता रूद्र प्रताप सिंह त्यागी कहा कि समाज सेवा से बड़ी कोई सेवा नही है। देश भाजपा ऐसा राजनीतिक दल है जो स्वच्छ राजनीति के साथ समाजहित में भी कार्य करती है। शिविर का आयोजन डॉ. अरविंद वत्स 'अकेला' एवं डॉ. प्रमोद गुप्ता के संयोजन में किया गया।

डॉ.पीएन अरोड़ा हुए कोरोना पॉजिटिव

गाजियाबाद। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी गाजियाबाद के प्रबंध निदेशक डॉक्टर पी एन अरोड़ा कोरोना संक्रमित हो गए। हालांकि उन्होंने शहर के लोगों से अपील की है कि ओमिक्रोन से घबराने की नहीं बल्कि सजग रहने की जरूरत है। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुज अग्रवाल ने बताया कि डॉक्टर अरोड़ा यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी में ही भर्ती हैं और उनका इलाज रेस्पिरेट्री एवं क्रिटिकल केयर टीम के वरिष्ठ डॉक्टर, डॉ आर के मणि, डॉ के के पांडे, डॉ अर्जुन खन्ना एवं डॉ अंकित सिन्हा कर रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार उनकी सघन निगरानी की जा रही है और उनकी हालत अभी स्थिर है। अस्पताल के मीडिया प्रभारी गौरव पांडेय ने बताया कि कोविड आइसोलेशन वार्ड में भर्ती डॉ अरोड़ा ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि इस वेव के कोरोनावायरस संक्रमण में सर्दी, खांसी और बुखार के लक्षण ज्यादा देखे जा रहे हैं। ऐसा होने पर उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से अनुरोध किया कि वह अपना कोविड-19 का टेस्ट जरूर करा लें जिससे कि औरों को संक्रमण फैलने से रुक सके।

बच्चों के लिए सुरक्षित है टीका : डॉ. डीके गुप्ता

नोएडा। बच्चों को कोरोना वैक्सीन का टीका लगवाने में कुछ अभिभावकों को हिचक महसूस हो रही होगी। उन्हें यह समझ नहीं आ रहा कि टीका लगवायें अथवा कुछ समय इन्तज़ार करें। इसपर फेलिक्स अस्पताल के चेयरमैन व बाल रोग विशेषज्ञ डॉ डीके गुप्ता ने वैक्सीन को पूरी तरह से सुरक्षित बताया है। उनका कहना है कि फिलहाल बच्चों को कोविड जैसी संक्रामक बीमारी से बचाने का सबसे सही तरीका कोरोना की वैक्सीन ही है। विश्व स्तर पर देखें तो इस इंफेक्शन के खतरे को कम करने का एकमात्र रास्ता वैक्सीनेशन है।

सांसद और विधायक की गुमशुदगी के लगे पोस्टर

मंडोला गांव के किसान हैं जनप्रतिनिधियों से है नाराज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

आवास विकास की मंडौला विहार योजना से प्रभावित मुआवजे की मांग को लेकर मंडोला के धरनारत किसानों ने गांव में सांसद वी.के सिंह और विधायक नंदकिशोर गूर्जर की गुमशुदगी के पोस्टर लगा दिए है।

किसान नेता नीरज त्यागी का कहना है कि सपा शासन काल में धरने की शुरूआत की गई थी जिसमें भाजपा नेताओं ने शिरकत की थी और कहा था कि भाजपा सरकार आने पर वे किसानों की समस्या को सबसे पहेले हल कराएंगे, वही वर्तमान विधायक ने कहा था कि जमीने हमारी है। इन्हे हम से कोई नहीं छीन सकता, और आवास विकास की फ्लैटो में हम भूसा भरेगें और अपन गाय भैंस बांधगें। लेकिन भाजपा सरकार बनने के बाद सांसद और विधायक गायब हो गए न तो उनकी मांगे मानी गई और न ही किसानों की समस्यों का कोई समाधान कराया गया ।

इसलिये गांव के धरनारत किसानों ने उनकी गूशुदगी के पोस्टर लगाये है। वही आगामी चुनावों में किसान भाजपा कार्यकर्ताओं को गांवों में धुसने नही देगें । गौरतलब है कि पिछले पांच सालों से आवास विकास की मंडोला विहार योजना से प्रभावित 6 गांवों के किसान अपनी मुआवजे की मांग को लेकर धरनारत है। 2 दिसंबर 2016 से सरकार का ध्यान अपनी मांगों की तरफ आकर्षित कराने के उद्देश्य से पांच वर्षो में चार बार आमरण अनशन ,अर्धनग्न प्रदर्शन,सिर मुंडन कराकर प्रदर्शन, लोनी तहसील तक मानव श्रंखला बनाकर प्रदर्शन, घुटनों के बल चलकर प्रदर्शन ,जिंदा समाधि जैसे प्रदर्शन कर चुके हैं। किसान नेता महेन्द्र त्यागी का कहना है। कि प्रशासन ने हर बार झूठे आश्वासन देकर उनके प्रदर्शन को समापत कराया गया। अब किसानों का कहना है कि वे मंगलवार से आमरण अनशन के साथ ही सैकड़ों किसान ठिठुरन भरी सर्दी में अर्धनग्न रहेंगे , इसके अलावा उनके दुधारू पशु व कृषि उपकरण जैसे कुट्टी काटने की मशीन आदि भी अब आवास विकास के परिसर में अंदर रहेंगे।

किसानों का कहना है कि उन्हे आश्वासन नहीं समाधान चाहिए। मंगलवार से सैकड़ों किसान आंदोलनरत किसानों द्वारा अपने धरना स्थल के आस पास व प्रभावित गांव मंडोला, नानू, पंचलोक आदि गांव में प्रभावित गांव में भाजपा नेताओं का प्रवेश वर्जित एवं सांसद व विधायक की गुमशुदगी के बैनर लगा रहे है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण रोजाना एसटीपी से शोधित 500 किलो लीटर पानी खरीदेगा

एनटीपीसी से साथ हुआ समझौता, हजारों लोगों को मिलेगा फायदा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भूजल बचाने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और एनटीपीसी ने मिलकर एक अच्छी पहल की है। सूरजपुर के पास ईकोटेक-टू स्थित एनटीपीसी का रिसर्च केंद्र अब ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसटीपी से शोधित 500 किलोलीटर पानी रोज खरीदेगा। इससे प्राधिकरण को हर माह निश्चित आमदनी भी होगी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसटीपी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से शोधित पानी खरीदने के लिए एनटपीसी के साथ करीब एक साल से बातचीत चल रही थी। प्राधिकरण के ईकोटेक-टू स्थित एसटीपी से सीवर को शोधित करके स्वच्छ जल बनाने में आ रही लागत की भरपाई करने में एनटीपीसी को निर्णय लेना था। सीवर विभाग के अधिकारी वरिष्ठ प्रबंधक कपिलदेव सिंह, प्रभारी प्रबंधक प्रभात शंकर आदि एनटीपीसी के साथ लगातार संपर्क में थे। एनटीपीसी ने सहमति दे दी। एसटीपी से एनटीपीसी तक पाइपलाइन डालने और पंप आदि लगाने का काम एनटीपीसी खुद से करेगा। करीब 20 मीटर लंबी पाइपलाइन डाली जानी है। इसका खर्च भी एनटीपीसी खुद से वहन करेगा। एक माह में यह काम पूरा हो जाएगा।

फरवरी 2022 से एनटीपीसी पानी लेना शुरू कर सकता है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण ने भूजल संचय की राह में बड़ा कदम बताया।

सीईओ ने ग्रेटर नोएडा की और भी कंपनियों और संस्थाओं से सिंचाई व नॉन ड्रिंकिंग वाटर के लिए एसटीपी से शोधित पानी के इस्तेमाल की अपील कीए ताकि भूजल को सुरक्षित किया जा सके। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से चार एसटीपी बनाए गए हैं। सबसे बड़ा एसटीपी कासना में है।

वर्तमान में इस एसटीपी से रोजाना करीब 85 एमएलडी सीवर शोधित हो रहा है। इकोटेक दो स्थित एसटीपी से करीब 15 एमएलडी सीवर रोजाना शोधित हो रहा है। ईकोटेक तीन स्थित एसटीपी से रोजाना करीब पांच एमएलडी और बादलपुर स्थित एसटीपी से डेढ़ एमएलडी सीवर शोधित हो रहा है। शोधित पानी का इस्तेमाल सिंचाई व निर्माण आदि कार्यों के लिए किया जा रहा है। जेवर में निर्माणाधीन नोएडा एयरपोर्ट के पानी की जरूरत कासना स्थित एसटीपी से पूरी होगी।

गौतमबुद्धनगर में 27 केंद्रों पर आज से किशोरों को लगेंगे टीके

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिले में 15 से 18 वर्ष के किशोर-किशोरियों को आज से कोरोना वैक्सीन लगाई जाएगी। शनिवार को पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हुइ थी। इसके लिए विभाग की ओर से नोएडा व ग्रेटर नोएडा में वैक्सीन के लिए 27 सेंटर बनाए गए है। बच्चों के अभिभावकों को वैक्सीन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। बच्चों को वैक्सीन लगाने के लिए स्कूलों में सेंटर बनाए गए है। जिला टीकाकरण अधिकारी डा नीरज त्यागी ने बताया कि 15 से 18 साल के किशोर-किशोरियों के लिए शनिवार से कोविन एप पर टीके के लिए पंजीकरण की सुविधा शुरू हो गई। इसे देखते हुए विभाग ने टीकाकरण की तैयारी शुरू कर दी है। बीमार किशोरों को प्राथमिकता के आधार पर टीका लगाया जाएगा। 18 साल के कम उम्र के किशोरों के वोटर कार्ड नहीं होता है।

कमिश्नरेट सिस्टम के 2 वर्ष पूरे, संगठित अपराध की कमर टूटी

गौतमबुद्ध नगर में 5 कुख्यातों पर हुआ बड़ा एक्शन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू हुए 2 वर्ष पूरे होने वाले हैं। इस दौरान पुलिस ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें ऑर्गेनाइज्ड क्राइम को काबू करना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

बीते साल 2021 के दौरान गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा के पांच कुख्यात अपराधियों पर सबसे बड़ा एक्शन किया है।

1. सुंदर भाटी

इस फेहरिस्त में सबसे पहला और बड़ा नाम ग्रेटर नोएडा के कासना थाने का गैंगस्टर हिस्ट्रीशीटर सुंदर भाटी है। घंघोला गांव के रहने वाले सुंदर भाटी को पहली बार हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

2. अनिल दुजाना

अनिल दुजाना ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र में दुजाना गांव का रहने वाला है। अनिल उत्तर प्रदेश पुलिस के हार्डकोर क्रिमिनल्स की लिस्ट में है। उसके खिलाफ गुंडा एक्ट, गैंगस्टर एक्ट और नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत कई बार कार्रवाई की जा चुकी है।

3. रणदीप भाटी

सुंदर भाटी और अनिल दुजाना के बाद तीसरा सबसे बड़ा गैंग रणदीप भाटी का है। भाटी फिलहाल जेल में बंद है। रणदीप और उसके चार साथियों के खिलाफ गौतमबुद्ध नगर के अलग.अलग स्थानों में 25 मुकदमे दर्ज हैं।

4. संजय भाटी

देशभर के लाखों निवेशकों को संजय भाटी और उसके गुर्गों ने मिलकर अरबों रुपए का चूना लगाया है। संजय भाटी और उसकी कंपनी के निदेशकोंए साझेदारों और मैनेजमेंट के सदस्यों पर 93 मुकदमे दर्ज हैं।

5. जसवीर सिंह मान

शाहबेरी कांड में 169 अवैध फ्लैटों को बेचने वाले बिल्डर जसवीर सिंह मान पर एनएसए के तहत कार्रवाई की गई। जसवीर सिंह मान ने शाहबेरी इलाके में सबसे ज्यादा लोगों को अवैध फ्लैट बनाकर बेचे थे।

रिटायर्ड विंग कमांडर बने साइबर अपराधियों के शिकार

केवाईसी के नाम पर एक लाख रुपए निकाले

नोएडा। नोएडा में रिटायर्ड विंग कमांडर के खाते से एक लाख रुपए निकाल लिए है। पीड़ित व्यक्ति ने इस मामले में पुलिस को शिकायत दी है। नोएडा साइबर क्राइम पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। नोएडा में स्थित सेक्टर-47 के रहने वाले सेना के रिटायर्ड विंग कमांडर अरुणेंद्र नाथ वर्मा ने बताया कि गुरुवार को उनके पास एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपने आप को बैंक कर्मी बताया। यह कॉल केवाईसी अपडेट कराने के लिए उनके पास आया। ठग ने उन्हें एक बैंक के खाते के बारे में जानकारी दी। इस पर वह ठग की बातों में आ गए। वर्मा ने बताया कि ठग ने उनको काफी देर तक बातों में उलझाए रखा। आरोपी ने केवाईसी अपडेट कराने के लिए उनसे मोबाइल पर एप डाउनलोड कराया। आरोपी ने पीड़ित की नेटबैंकिंग को हैक कर लिया और कई बार में उनके बैंक खाते से एक लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित को ठगी का अहसास तब हुआ, जब उनके मोबाइल पर रुपए कटने का मैसेज आया।

पति के दोस्त पर लगाया अपहरण करने का आरोप

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर में रहने वाले एक व्यक्ति की पत्नी ने पुलिस को अपने पति के अपहरण की शिकायत दी है। व्यक्ति की पत्नी ने पुलिस को शिकायत देते हुए बताया कि उसके पति का अपहरण हो गया है। इस अपहरण की वारदात को अंजाम देने वाला कोई और नहीं बल्कि उसके पति के दोस्त ही हैं।

जानकारी के अनुसार आंध्र प्रदेश के ग्वालियर का रहने वाला रमेश काफी समय से ग्रेटर नोएडा के जेवर में स्थित एक किराए के मकान में रहता है। पत्नी चंदा देवी ने बताया कि बीते 11 दिसंबर को उसके पति रमेश के दोस्त संदीप ने अपहरण कर लिया।

महापौर ने रेलवे स्टेशन पर लोगों से मांगे सुझाव

गाजियाबाद। भाजपा उत्तर प्रदेश सरकार के घोषणा पत्र में जनता के सुझाव लेने का कार्यक्रम किया जा रहा है। इसी क्रम में महापौर आशा शर्मा ने राज नगर मण्डल न्यू गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर जनता से संकल्प पत्र के लिए सुझाव पेटी में डलवाए । वह सुझाव सरकार तक पहुंचा सकें। रेलवे स्टेशन पर महापौर ने जनता से बात की और उनको बताया कि हम सब आपके पास आए है ताकि आपके मन मे कोई ऐसी बात है जो सरकार को करनी चाहिए। यह इस समय कोई ऐसी बात है जिसमे सरकार को संशोधन करना चाहिए तो आप इस पत्र में लिख कर पेटी में डाल सकते है। यह सब सुझाव हम सरकार तक पहुंचने का काम करेंगे। इस दौरान मंडल अध्यक्ष विनीत शर्मा, ओम दत्त शर्मा, एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक में निकाली समाजवादी जनसंदेश यात्रा

गाजियाबाद। धौलाना विधायक असलम चौधरी ने समाजवादी जनसंदेश यात्रा निकाली। रैली को समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी साजिद हुसैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली पिपलैडा गांव से शुरू हुई, जो धौलाना विधान सभा के विभिन्न गांवों में होती हुई मसूरी में जाकर संपन्न हुई। इस अवसर पर साजिद हुसैन ने कहा कि आने वाला समय समाजवादी पार्टी का है चूंकि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के कारनामों से आजिज आ चुकी है। उन्होंने कहा कि सपा के शासन में ही प्रदेश की जनता सुरक्षित रह सकती है। विधायक असलम चौधरी ने कहा कि गठबंधन की 300 से ज्यादा सीटें प्राप्त होंगी। रैली में नाज़िम मेवाती, सिकरोडा के ग्राम प्रधान मुकम्मिल चौधरी, सपा नेता हारून चौधरी समेत सैकड़ों की तादाद में लोग शामिल थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत अटोर विकास खण्ड रजापुर गाजियाबाद

पत्रांक मीमो /पंचायत/केन्द्र-राज्य वित्त आयोग/2021-22 दिनांक 01-01-2022

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत अटोर विकास खण्ड रजापुर (गाजियाबाद) में वित्त आयोग के अन्तर्गत वर्श 2021-22 के लिए सरकारी विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से निम्नलिखित निर्माण कार्यो की निविदाएँ दिनांक 10-01-2022 के अपराहन 3:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 08-01-2022 तक कार्यालय समय में ग्राम पंचायत कार्यालय अटोर विकास खण्ड रजापुर से निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त की जा सकती है। निविदा खोले जाने के समय निविदादाता भी उपस्थित रह सकते है। यदि नियत समय पर निविदादाता उपस्थित नही हुऐं तो भी निविदाऐं खोल दी जायेगी। जिसके लिऐ ग्राम पंचायत अटोर उत्तरदायी नही होगी। निविदा खोलने का दिनांक 10-01-2022 समय अपराहन 3 बजे।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	अरनेस्ट मनी	निविदा मूल्य	कार्य अवधि
1	ग्राम अटोर में चरणी के फार्म हाऊस से विजयपाल सैकेटरी के खेत तक इण्टरलाकिंग टाईल्स निर्माण कार्य।	291728	5835	200	15 दिन
2	ग्राम अटोर में राजवीर के मकान से पवन के प्लाट तक इण्टरलाकिंग टाईल्स व नाली निर्माण कार्य।	330356	6607	250	15 दिन

1- अरनेस्ट मनी निविदा डालने के समय एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0 के रूप मे जमा की जा सकती है। जो सचिव ग्राम पंचायत अटोर के नाम से बन्धक होगी अथवा नकद के रूप में भी जमा की जा सकती है।
2-कार्य पी0डब्लू0डी0 की विशिष्ठियों के अनुरूप होगा।
3-नियमानुसार सभी शासकीय कटौतियॉ की जायेगी।
4-निविदा बिना कारण बताऐं निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
5-कार्य के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी अवर अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विकास खण्ड रजापुर से ली जा सकती है।

सचिव,
ग्राम पंचायत अटोर
विकास खण्ड रजापुर गा0बाद।

प्रधान
ग्राम पंचायत अटोर
विकास खण्ड रजापुर गा0बाद।

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर -23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली -110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	दिनेश अरोड़ा/ चेतना अरोड़ा/ LBDEL00005332891/ LBDEL00002016940	फ्लैट नंबर- 182 पहली मंजिल, एलआईजी डीडीए पॉकेट जीएच 5 और 7, पश्चिम विहार दिल्ली/ 28 दिसंबर, 2021	सितंबर 25, 2021 ₹ 7,03,377/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	जितेंद्र प्रसाद/ सुरेंद्र प्रसाद/ LBDEL00001789772	फ्लैट नंबर- ए-16- एस, दूसरी मंजिल दिल्ली पुलिस सीजीएचएस लिमिटेड प्लॉट नंबर-9, मयूर विहार, फेज-I, दिल्ली/ 29 दिसंबर, 2021	जुलाई 06, 2021 ₹ 7,69,480/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: जनवरी 03, 2022
स्थान: दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

ककराला में लगी सपा की चौपाल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सपा नोएडा ग्रामीण द्वारा पुस्ता पार ककराला गांव में समाजवादी चौपाल का आयोजन किया गया।

अल्पसंख्यक सभा अध्यक्ष हाजी अली शेर के संयोजन में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ग्रामीण महेंद्र यादव एवं संचालन जिला महासचिव राघवेंद्र दुबे ने किया। कार्यकर्ताओं द्वारा नोएडा ग्रामीण के पदाधिकारियों का फूल मालाओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कॉलोनी वासियों ने एक स्वर में समाजवादी पार्टी को जिताने और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

जिलाध्यक्ष ग्रामीण महेंद्र यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी गरीब, मजदूर की पार्टी है। भाजपा सरकार ने पूरे प्रदेश का बेड़ा गर्क कर दिया है। सामाजिक समरसता को नष्ट करने का काम किया है भाजपा सरकार ने जबकि सपा शासनकाल में सभी धर्म वर्गों का सम्मान किया गया। अखिलेश यादव के सीएम बनते ही प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर हो जाएगा। सपा ग्रामीण जिला महासचिव राघवेंद्र दुबे ने कहा कि सपा सरकार में नोएडा में ऐतिहासिक विकास कार्य किये गए।

सार्वजनिक सूचना

ये आम जनता को सूचित किया जाता है की आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड द्वारा सचिन को आई कार्ड जारी किया गया था जो दिनांक 29.12.2021 से लापता है जिनका क्रमांक 2145078 है यदि किसी व्यक्ति को यह कार्ड मिलता है तो कृपया इसे The Manager Debt Services & Management Group, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, Debtor Analysis, को वापस कर दिया जाये। आईसीआईसीआई बैंक के सभी ग्राहको को ये सूचित किया जाता है की यदि कोई व्यक्ति जो इस क्रमांक 2145078 का आई कार्ड प्रयोग कर आप से भुगतान मांगता है तो वह अनाधिकृत होगा। कृपया यह सुनिश्चित कर ले की अगर कोई भी व्यक्ति इस आई कार्ड धारक को किसी भी प्रकार का भुगतान करता है तो वह अपने जोखिम पर करेगा तथा इस के लिए आईसीआईसीआई बैंक उतरदायी नही होगा।

हस्ता0/-
दिनांक: 30.12.2021
स्थान: दिल्ली
For आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

कोरोना जांच करती स्वास्थ्यकर्मी।

सदर बाजार में कोविड-19 नियमों की उड़ी धज्जियां

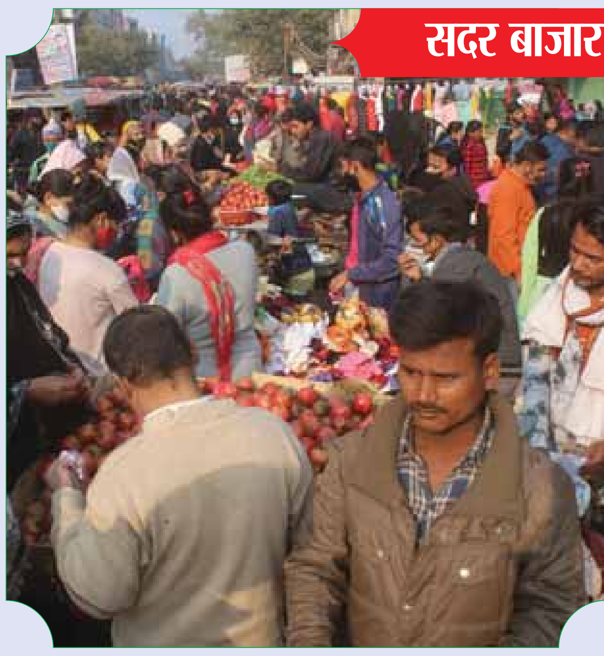

फोटो: रंजन डिमरी

राजधानी में 150 केंद्रों पर होगा बच्चों का टीकाकरण

● 15 से 18 साल की उम्र के करीब 10 लाख बच्चों को लगेगी वैक्सीन

संजय राय। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में 15 से 18 आयु वर्ग के बच्चों के लिए वैक्सीनेशन सेंटर सजधज कर तैयार हैं। किशोरों का टीकाकरण 150 केंद्रों के करीब 315 बूथों पर सोमवार यानी 3 जनवरी से शुरू होगा। तिलक नगर के कोविड सेंटर पर बच्चों को वैक्सीनेशन के बाद गिफ्ट देने की तैयारी की गयी है।

इतना ही नहीं, ऑब्जरवेशन एरिया में किताबें और म्यूजिकल का भी इंतजाम किया गया है। टीकाकरण के लिए कोविन एप पर बच्चों का पंजीकरण भी किया जा रहा है।

कई सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर अगले दो तीन दिनों के लिए आनलाइन स्लाट की बुकिंग पूरी हो गई है। ऐसे में उम्मीद है कि पहले दिन बड़ी संख्या में लोग अपने बच्चों को टीका दिलवाने टीकाकरण केंद्रों पर पहुंचेंगे।

स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में 15 से 18 साल की उम्र के करीब 10 लाख बच्चे हैं, जिन्हें कोविड-19 महामारी से बचाने के लिए टीका लगाया जाना है। यह आंकड़ा आरजीआइ (रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया) ने दिल्ली सरकार को भेजा है। अस्पतालों, डिस्पेंसरियों व स्कूलों में बच्चों के लिए टीकाकरण केंद्र बनाए गए हैं। ज्ञात हो कि राजधानी में कोरोना संक्रमण काफी तेजी से फैल रहा है। दिल्ली सरकार ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण करने के प्रयास में लगी हुई है।

एक केंद्र पर 150 बच्चों को लगेगा टीका

एक टीकाकरण केंद्र पर करीब 150 बच्चों के वैक्सीन लगाने योजना है। ताकि टीकाकरण केंद्रों पर अधिक भीड़भाड़ न हो। इसलिए कोविन एप पर दो सप्ताह के लिए आनलाइन स्लाट जारी किया गया है। टीका लगवाने वाले लोग अपने सुविधा के अनुसार टीकाकरण के लिए आनलाइन स्लॉट बुक करा सकते हैं।

बगैर ऑनलाइन पंजीकरण के भी लगेगी वैक्सीन

एम्स, सफदरजंग, आरएमएल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज, सीजीएसएस पुष्प विहार, सीजीएसएस मालवीय नगर, सीजीएसएस एबी रोड, ईएसआई डिस्पेंसरी मेहरौली, एमसीडब्ल्यू सेंटर देवली, एमसीडब्ल्यू सेंटर हौज खास, ईशानी एसकेवी ब्लॉक-जी साकेत, कौटिल्य सर्वोदय स्कूल ग्रेटर कैलाश सहित करीब सभी बड़े अस्पतालों में भी बच्चों का टीकाकरण होगा। बगैर अप्वाइंटमेंट के भी टीकाकरण केंद्रों पर पहुंचकर बच्चों को टीका लगवाया जा सकता है। इस बीच बच्चों में वैक्सीन के डर को दूर करने के लिए टीका केंद्रों पर खास तैयारी की गई है। सेंटरों को गुब्बारों से सजाने के साथ बच्चों के बैठने का खास इंतजाम किया गया है। बच्चों के वैक्सीनेशन के लिए बड़ी संख्या में

स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को भी कोविड वैक्सीन सेंटर्स के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं डॉक्टरों ने माता-पिता से अपने बच्चों का जल्द से जल्द वैक्सीनेशन कराने का अनुरोध किया है। ताकि कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर की आशंका के बीच उन्हें सुरक्षा प्रदान की जा सके। मालूम हो कि 15 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए 1 जनवरी से कोविन पोर्टल पर पंजीकरण शुरू हो चुका है। बच्चों को केवल कोवैक्सीन लगेगी।

विधानसभा सत्र आज, शराब और कोरोना के मुद्दे होंगे हावी

● शीतकालीन सत्र में दो विधेयकों को मिलेगी मंजूरी

संजय राय। नई दिल्ली

विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। दो दिन तक चलने वाला यह सत्र हंगामेदार होने के आसार है।

सदन में भाजपा विधायक कोरोना के बढ़ते मामलों, बसों की कमी, नई आबकारी नीति सहित अन्य मुद्दों पर दिल्ली सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। इसे लेकर भाजपा विधायकों की बैठक नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी की अध्यक्षता में हुई।

उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान आम लोगों से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे। सरकार को जवाब देना होगा। विपक्ष ने जिन मुद्दों पर चर्चा का नोटिस दिया है उनमें कोरोना के बढ़ते मामले, नई आबकारी नीति, सार्वजनिक परिवहन, मोहल्ला क्लीनिकों में गलत दवा देने से बच्चों की मौत और दिल्ली के किसानों के साथ हुई वादा खिलाफी शामिल है। सदन में दो विधेयक पेश होंगे और उन्हें अनुमति दी जाएगी। जो विधेयक सदन में पेश होंगे उनमें दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय विधेयक 2022 शामिल है।

उसे उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सदन के पटल पर रखेंगे। दिल्ली कैबिनेट ने कुछ दिन पहले ही शिक्षा विभाग के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस बारे में घोषणा कर चुके हैं। इसके अलावा दूसरा विधेयक दिल्ली सिख गुरुद्वारा (संशोधन) विधेयक 2022 है। इसे गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय मंत्री राजेंद्र पाल गौतम सदन में रखेंगे। विधेयक के अनुसार दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के प्रतिवेधन पर समिति में श्री तख्त दमदमा साहिब तलवंडी साबू बठिंडा (पंजाब) को पांचवें तख्त को शामिल करने के लिए दिल्ली सिख गुरूद्वारा अधिनियम 1971 में संधोधन किया जाएगा। अभी तक समिति में चार नामित सदस्य हैं। जिनमें श्री अकाल तख्त साहिब अमृतसर, श्री तख्त केशवगढ़ साहिब आनंदपुर, श्री तख्त पटना साहिब पटना और श्री तख्त हजूर साहिब नांदेड़ से शामिल हैं।

रानी झांसी के चित्र का किया जाएगा अनावरण

विधानसभा परिसर में इस दौरान रानी झांसी के चित्र का भी अनावरण किया जाएगा। इस चित्र को दीवार पर बनाया गया है। इसी चित्र के साथ जलियांवाला बाग का चित्र भी बनाया गया है।

विधानसभा की इमारत में मिले फांसीघर को पुन: विकसित करने के लिए विधानसभा ने कंपनी को काम दे दिया है। कंपनी जल्द ही इसके लिए काम शुरू करेगी। फांसीघर पहली मंजिल पर मिला है। इसके मिलने वाले भाग के भूतल पर भी निर्माण को हटाया जाएगा तथा यह देखा जाएगा कि विधानसभा सदन की ओर से आ रही सुरंग का फांसीघर से जुड़ने का कोई संबंध है या नहीं।

अस्पताल की जर्जर हालत पर आप ने मांगा मेयर का इस्तीफा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी नगर निगम स्थित राजन बाबू अस्पताल की जर्जर इमारत पर राजनीति तेज हो गई है।

आम आदमी पार्टी ने इस संबंध में उत्तरी नगर निगम के मेयर राजा इकबाल सिंह का इस्तीफा मांगा है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष विकास गोयल ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित किया।वहीं आप ने राजा इकबाल सिंह को नैतिकता के आधार पर तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने की मांग करते हुए कहा है कि अगर मेयर अपने वॉर्ड के अंतर्गत आने वाले राजन बाबू अस्पताल की देखभाल नहीं कर पा रहे हैं तो पूरी नॉर्थ एमसीडी की देखभाल कैसे करेंगे। खुद भाजपा की स्टैंडिंग कमेटी ने माना इमारत खतरनाक फिर भी मरीजों का इलाज जारी है।

एलओपी विकास गोयल ने थाने में लिखित तौर पर इसकी शिकायत दर्ज कराई है। आम आदमा पार्टी के नेताओं ने कहा कि इससे पहले एमसीडी के अंतर्गत करोलबाग के अर्पित होटल हादसे में 17 मासूमों की, चांदनी चौक में एक इमारत गिरने से 2 लोगों की मौत हुई।

बर्फीली हवाओं से बढ़ी ठिठुरन, प्रदूषण का कहर जारी

● अगले हफ्ते बारिश होने का पूर्वानुमान : आईएमडी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी समेत पूरा उत्तर भारत इस समय पहाड़ी इलाकों से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण शीतलहर की चपेट में हैं। रविवार को सर्द हवाओं के साथ ठंड में इजाफा हो गया है, तो राजधानी की वायु गुणवत्ता एक बार फिर जहरीली हो गई है।

रविवार सुबह बहुत खराब श्रेणी (एक्यूआई 398) दर्ज किया गया लेकिन शाम होते-होते गंभीर श्रेणी (एक्यूआई 402) में पहुंच गया। मौसम विभाग ने 3 जनवरी तक शीत लहर जारी रहने और 5 से 7 जनवरी के बीच मध्यम से तेज बारिश का

पूर्वानुमान जताया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, रविवार सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम पांच डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आईएमडी ने 3 जनवरी तक उत्तर-पश्चिमी भारत में तीव्र शीतलहर की स्थिति का अनुमान व्यक्त किया है। तीव्र शीतलहर की स्थिति तब होती है जब न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है या सामान्य के मुकाबले गिरावट 6.4 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो जाती है। मौसम विभाग ने सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण 4 जनवरी से न्यूनतम तापमान में वृद्धि का अनुमान जताया है, जिसके कारण 4 से 7 जनवरी के बीच जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी वर्षा और बर्फबारी हो सकती है।

जहांगीरपुरी में एक्यूआई 456

जहांगीरपुरी का एक्यूआई 456 दर्ज किया गया जो कि एनसीआर में सबसे अधिक है। वहीं, राजधानी के अधिकांश इलाके रेड जोन में हैं। नोएडा, ग्रेनो में फरीदाबाद प्रदूषण की मार कम हुई है। गाजियाबाद में संजय नगर में एक्यूआई 384 दर्ज किया है वहीं ग्रेटर नोएडा 330, नोएडा 379 में बहुत खराब श्रेणी में आते है।

एक साल बाद फिर बढ़ी बिजली की मांग

● शहर में 2019 में थी सर्वाधिक 7,409 मेगावाट की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में वर्ष 2021 में सबसे व्यस्त समय के दौरान बिजली की मांग 7,323 मेगावाट तक पहुंच गई जो राष्ट्रीय राजधानी के इतिहास में 2019 में अबतक की सबसे अधिक मांग 7,409 मेगावाट से मामूली रूप से कम है। हालांकि वर्ष 2020 की 6,341 मेगावाट की मांग से यह कहीं अधिक है।

यह खुलासा राष्ट्रीय राजधानी में बिजली की मांग को लेकर आए आंकड़ों से हुआ है। बिजली वितरण कंपनियों के अधिकारी बिजली की बढ़ी हुई इस मांग के लिए कोरोना वायरस की दूसरी लहर और लंबे समय तक कठोर मौसम को जिम्मेदार मानते हैं। दैनिक आधार पर दिल्ली में वर्ष 2020 के दिनों की तुलना में वर्ष 2021 के 227 दिन बिजली की मांग में वृद्धि देखी गई जो वर्ष 2021 के कुल दिनों का 61 फीसदी है।दिल्ली में वर्ष 2020 के मुकाबले पिछले साल अधिक बिजली की जरूरत रही।

मासिक आधार पर जारी किए गए आंकड़ों के विश्लेषण के मुताबिक दिल्ली में दिसंबर 2021 में दिसंबर 2020 के मुकाबले बिजली की 58 प्रतिशत या 18 दिनों तक अधिक मांग रही। नवंबर 2020 के मुकाबले नवंबर 2021 में बिजली की मांग 50 प्रतिशत अधिक रही। अक्टूबर में 58 प्रतिशत, जुलाई में 68 प्रतिशत, जून में 77 प्रतिशत,अप्रैल में 93 प्रतिशत रही।

नई आबकारी नीति के खिलाफ भाजपा का चक्का जाम आज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आबकारी नीति के खिलाफ भाजपा राजधानी के प्रमुख एक दर्जन से अधिक स्थानों पर चक्का जाम करेगी।

चक्का जाम की जानकारी देते हुए प्रदेश भाजपा महामंत्री हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि सोमवार को केजरीवाल सरकार की नई आबकारी नीति के खिलाफ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता की अगुवाई में 15 स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ता चक्का जाम करेंगे। नई आबकारी नीति से हर व्यक्ति और हर महिला परेशान है क्योंकि उसके घर के निकट शराब के ठेके खुल रहे हैं।

हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि आदेश गुप्ता अक्षरधाम क्रॉस आल रोड, सांसद गौतम गम्भीर विकास मार्ग स्थित कार बाजार, सांसद रमेश बिधूड़ी दयाराम चौक में होने वाले विरोध प्रदर्शन में मौजूद रहेंगे। इसके अलावा अन्य भाजपा विधायक भी होने वाले चक्का जाम में शामिल होंगे।

आरटीवी के परमिट एक साल के लिए बढ़े

● कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के प्रभावों को देखते हुए दी गई राहत

पायनियर समचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के प्रभावों को देखते हुए दिल्ली के परिवहन विभाग ने आरटीवी मिनी बसों के परमिट को एक साल और बढ़ा दिया है। यह बस सेवा शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का अहम हिस्सा हैं। विभाग की ओर से हाल में जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि रैपिड ट्रांजिट व्हिकल्स (आरटीवी) को यह विस्तार एक जनवरी से 31 दिसंबर 2022 के लिए दिया गया है। मिनी आरटीवी बसों के मालिक और संघ पिछले कई महीनों के दौरान विभाग से परमिट की वैधता 10 से बढ़ाकर 15 साल करने का अनुरोध कर रहे थे।

उन्होंने कहा है कि ये गाड़ियां लॉकडाउन के दौरान चली नहीं हैं। परिपत्र के मुताबिक, आरटीवी बसों के मालिकों के आग्रह पर विभाग ने विचार किया और कोविड महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन समेत सभी कारकों पर विचार किया है।

इसके बाद परिवहन विभाग के सचिव एवं आयुक्त ने आरटीवी बसों के परमिट की वैधता को एक साल का विस्तार देने को मंजूरी दे दी है जो सिर्फ एक वर्ष के लिए ही है। परिपत्र के मुताबिक, यह विस्तार इस शर्त के तहत होगा कि परमिट की कुल वैधता 11 वर्ष से अधिक नहीं होगी और वाहन के पास 'फिटनेस' का वैध प्रमाण पत्र होना चाहिए।

देश के मेंटर कार्यक्रम से जुड़े 37000 युवा

राजधानी के सरकारी स्कूलों के 1.5 लाख बच्चों का कर रहे मार्गदर्शन : सिसोदिया

● सरकार का फोकस शिक्षा पर, भारत को बनाएंगे दुनिया का टॉप देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार के देश के मेंटर कार्यक्रम से जुड़ चुके हैं 37 हजार युवा। ये लोग सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 1.5 लाख छात्र-छात्राओं का मार्ग दर्शन कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को देश के मेंटर कार्यकक्रम के मेंटरों से संवाद। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम दिल्ली की शिक्षा में अभूतपूर्व बदलाव ला रहा है। उनकी सरकार का विजन शिक्षा को जनांदोलन बनाना है। मेंटर इस बदलाव के बने हैं कर्णधार। जिस देश ने शिक्षा व्यवस्था पर काम किया वो देश आगे बढ़ा। भारत को भी बनाएंगे दुनिया का अव्वल देश।

मनीष सिसोदिया ने पटपड़गंज के वेस्ट विनोद नगर स्कूल में देश के मेंटर कार्यक्रम के मेंटर से बात करते हुए कहा कि जिस देश ने अपनी शिक्षा पर काम किया वो देश आगे बढ़ा है। जापान और अमेरिका आज विकसित देशों की श्रेणी में इसीलिए खड़े हैं क्योंकि इन देशों ने अपनी

शिक्षा पर काम किया। दिल्ली सरकार का फोकस भी शिक्षा पर है।

इस दौरान देश के मेंटर ने अपने अनुभव साझा किए। मेंटर के साथ संवाद के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह से देश के मेंटर सरकारी स्कूलों के बच्चों का मार्ग दर्शन कर रहे हैं वो दिन दूर नहीं जब दिल्ली का एक एक बच्चा बेहतर शिक्षा पाएगा और देश को विकसित राष्ट्र बनाने में सहायक होगा। उन्होंने मेंटर के लगन और जज्बे की सराहना करते हुए कहा कि बिना किसी स्वार्थ के मेंटर देश निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं।

जिन बच्चों को कोई गाइड करने वाला नहीं था आज उनको एक बड़ा भाई या एक बड़ी बहन मिल गई है जो उसके साथ सहज तरीके से बात कर रहे हैं और करियर को लेकर आ रही अपनी समस्याओं को साझा कर रहे हैं। मेंटर अपने अनुभवों के आधार छात्र-छात्राओं का मार्ग दर्शन कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

लक्ष्मी नगर में निशुल्क चिकित्सा शिविर

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस के तत्वावधान में रविवार लक्ष्मी नगर स्थित ललिता पार्क में एक निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में करीब 500 रोगियों की मुफ्त जांच की गई व उनको दवाइयां दी गईं। शिविर का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सैयद अहमद खान ने बताया कि शिविर का उद्देश्य लोगों को रोग मुक्त बनाना है। इस शिविर में डॉ. शमसुल आफाक, डॉ. बदरुल इस्लाम, डॉ. लाल बहादुर, डॉ. हबीबुल्लाह, डॉ. शकील अहमद खां, डॉ. सादिका परवीन, हमीम अताउर रहमान, हकीम मुर्तजा देहलवी, डॉ. तबस्सुम खानम, डॉ. मोहसिन देहलवी, हकीम मोहम्मद रिजवान, डॉ. मोहम्मद अरशद ग्यास, के अलावा ललिता पार्क आरडब्ल्यूए के सदस्य नरेंद्र पाल, अजय नागपाल, अफजल खां, हाजी मोहम्मद यूसुफ, एडवोकेट शकील सैफी, रजा, मोहम्मद शाहिद आदि ने अपनी सेवाएं दी।

ओमिक्रॉन से भी निपटने की तैयारी पूरी : विधायक सिंगला

सेक्टर-4 में बैडमिंटन कोर्ट व शॉपिंग कॉम्पलेक्स का किया शिलान्यास

मेयर मधु आजाद, प्रमिला कबलाना, सुनीता यादव समेत कई पार्षद रहे उपस्थित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विधायक सुधीर सिंगला ने रविवार को यहां सेक्टर-4 में बैडमिंटन कोर्ट व शॉपिंग काम्पलेक्स का शिलान्यास किया। इस दौरान मेयर मधु आजाद, सीनियर डिप्टी मेयर प्रमिला कबलाना, डिप्टी मेयर सुनीता यादव, पार्षद सीमा पाहुजा समेत काफी संख्या में समाजसेवी व अन्य लोग उपस्थित रहे।

गुरुग्राम के सेक्टर-4 में बैडमिंटन कोर्ट व शॉपिंग कॉम्पलेक्स का शिलान्यास करते विधायक सुधीर सिंगला।

शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि कोविड-19 की तरह अब कोरोना का नया वेरियंट ओमिक्रॉन आ गया है। गुरुग्राम में भी इसके संक्रमित मिले हैं। साथ ही कोविड-19 के केस लगातार बढ़ रहे हैं। इस क्रम को रोकने के लिए हम सबको सांझा प्रयास करने होंगे। आपात स्थिति से सरकार, प्रशासन की अपने स्तर पर तैयारियां पूरी हैं, लेकिन आम जनता की यह जिम्मेदारी है कि आपात स्थिति होने का कारण ना बनें। या ऐसी स्थिति उत्पन्न ही नहीं होने दें। सरकार द्वारा दी जा रही गाइडलाइंस का पूरा पालन करें। एक बार फिर से सामाजिक दूरी, मास्क लगाना व हाथ धोना जरूरी और घरों से बिना काम बाहर निकलने का नियम लागू हो चुका है। इसके साथ ही जिसे दोनों वैक्सीन लगी हों, वही व्यक्ति घर से बाहर निकलकर सार्वजनिक स्थानों पर आ-जा सकते हैं। वह भी किसी आवश्यक कार्य से। अगर ठोस काम या कारण नहीं है तो उन्हें भी बाहर आने की जरूरत नहीं है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि हर नियम जनता की भलाई के लिए ही लागू किया जाता है। इसलिए सरकार और प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम समेत पांच जिलों में विशेष तौर पर नियम बनाए गए हैं। बाजार, मॉल्स बंद होने का समय सायं 5 बजे का किया गया है। इस पर सभी सहयोग करें। हम जब सुरक्षित रहेंगे, तभी आगे बढ़कर काम कर सकेंगे।

उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को इस बात के लिए जागरुक करें कि उन्हें नियमों का पालन सख्ती से करना है। अपना बचाव बहुत जरूरी है। किसी एक व्यक्ति के संक्रमित होने से वह अनेक लोगों को प्रभावित कर सकता है। इसलिए भीड़ का हिस्सा बनने से बचें। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद योगेश जोशी, विजय अग्रवाल, विनोद धर्मानी, मुकेश शर्मा, सुनील ओम स्वीट्स, सुंदर दास अग्रवाल, ऋतु महेश्वरी, राजीव आर्य, बंटी पाहुजा के अलावा काफी संख्या में समाजसेवी उपस्थित रहे।

100 किशोरों को आज से लगेगा कोरोना का टीका

किशोरों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आरम्भ कर दी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना के नागरिक अस्पताल प्रशासन ने बच्चों को कोरोना वैक्सीन की डोज लगाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। ये वैक्सीन डोज सोमवार तीन जनवरी से लगाई जाएगी। जो 14 वर्ष से 18 वर्ष तक के बच्चों को लगेगी। विभाग पहले चरण में 100 बच्चों को वैक्सीन लगाएगा। जिसके लिए विभाग ने रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आरम्भ कर दी है। ताकि सभी को वैक्सीन की डोज लगाई जा सके।

स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों को कोविड वैक्सीन की डोज लगाने के लिए कमर कस ली है। ये डोज सोमवार तीन जनवरी से लगाई जाएगी। विभाग ने बच्चों की वैक्सीन लगाने के लिए अलग सेंटर स्थापित कर दिया है। जो राजकीय बॉयज संस्कृति स्कूल में बनाया गया है। विभाग की टीम प्रथम चरण में 100 बच्चों को डोज लगाएगी। जिसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

गर्भवती महिलाओं को लगेगी वैक्सीन: स्वास्थ्य विभाग ने गर्भवती महिलाओं को सुरक्षा कवच पहनाने के लिए वैक्सीन की डोज लगाने का निर्णय लिया है। जिनको सरकारी अस्पताल में कोरोना वैक्सीन की डोज लगाई जाएगी। जिसके लिए भी अस्पताल में अलग सेंटर की स्थापना कर दी है। ताकि उनको किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अलावा पुरुष व महिलाओं को भी नियमित रूप से वैक्सीन की पहली व दूसरी डोज लगाई जाएगी।

रजिस्ट्रेशन के बाद ही लगेगी वैक्सीन : स्वास्थ्य विभाग बच्चों को वैक्सीन की डोज लगाने की प्रक्रिया तीन जनवरी से शुरू करेगा। जिसके लिए बच्चे अपने मोबाइल पर कोविन साइड पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन अपने आप कर सकते हैं। इसके अलावा जिन बच्चों के माता-पिता को वैक्सीन लग चुकी है। उनके नम्बरों को डाल कर भी रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।

क्या कहते हैं एसएमओ : नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर नवल किशोर का कहना है कि बच्चों को वैक्सीन की डोज लगाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आरम्भ में 100 बच्चों को डोज दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

आप कार्यकर्ताओं ने कोरोना से बचाव को किया जागरुक

गुरुग्राम में मास्क के प्रति जागरुक करते आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता।

गुरुग्राम। सेक्टर-14 की मार्केट में आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने कोरोना अनुकूल व्यवहार के लिए जागरुकता अभियान चलाया। उन्होंने मास्क लगाने, भीड़भाड़ के इलाकों में ना जाना और कोरोना टीकाकरण पूरा करने की सलाह प्लेकार्ड और बैनर के जरिए दी। गुड़गांव विधानसभा महिला अध्यक्ष सुशीला कटारिया ने लोगों से अनुरोध किया कि अपना कोविड टीकाकरण पूरा करवाएं। बच्चों के लिए सोमवार से टीकाकरण शुरू हो रहा है। वह भी लगवाएं। आप नेत्री डॉ. सारिका वर्मा ने कहा कि कोविड की तीसरी लहर अब भारत में आ चुकी है। दिन प्रतिदिन केस बढ़ रहे हैं, लोगों से आग्रह करेंगे कि घर से निकलते समय नियमों का पालन करें। ओमिक्रॉन घातक साबित नहीं हुआ है, लेकिन नया वेरिएंट आने में समय नहीं लगता। जिस तरह डेल्टा वेरिएंट्स ने लाखों चिराग बुझा दिए थे। ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए।

दो दुकानों में लाखों रुपये का सामान चोरी, पुलिस जांच में जुटी

सोहना। पुलिस ने दो दुकानदारों की शिकायत पर दुकानों के अंदर हुई चोरी के मामले दर्ज किए हैं। चोरी के दौरान दोनों ही दुकानों में से लाखों रुपये का सामान चोरी हो गया। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है। शहर के वार्ड-5 की शिव कॉलोनी में रहने वाला उत्तर प्रदेश मूल निवासी सहीराम ने सिटी थाना में दुकान के अंदर हुई चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। सहीराम ने पुलिस को बताया कि उसने इंडरी मोड़ के पास हाइवा डंपर ठीक करने की दुकान की हुई है। उसके पास हाइवा डंपर में लगने वाले जैक दुकान के अंदर रखे हुए थे। 19 दिसम्बर की रात को उसकी दुकान का ताला तोड़ 11 जैक चोरी हो गए। जिनकी कीमत लाख से भी अधिक है। इसी लाइन में स्क्रैप की दुकान करने वाले वार्ड-19 के निवासी गुरमुख उर्फ संजय ने पुलिस को बताया कि 17/18 दिसम्बर की रात को अज्ञात चोर उसकी दुकान की छत में लगी लोहे की टीन को तोड़कर अंदर घुस गए। चोर उसकी दुकान में से 350 किलोग्राम लोहा चोरी करके ले गए। सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश कुमार ने बताया कि चोरी हुई दुकान के दुकानदारों द्वारा पुलिस को देरी से दी गई शिकायत के बाद मामले दर्ज कर लिए है। दुकानों के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों से चोरी को अंजाम देने वालों की पहचान की जा रही है। पहचान होने पर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

जिला स्तरीय युवा सम्मेलन का हुआ आयोजन

गुरुग्राम। नेहरू युवा केंद्र द्वारा गुरु द्रोणाचार्य महाविद्यालय सभागार में जिला स्तरीय युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। केंद्र के उपनिदेशक कृष्णलाल पारचा ने बताया कि कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवा मंडलों का पुनर्गठन व सक्रियकरण तथा उनके कर्तव्य व आत्मनिर्भरता पर पारस्परिक चर्चा करना है। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं जल प्रबंधन, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्वच्छ भारत अभियान में युवाओं की भागीदारी पर भी विचार किया गया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना स्किल इंडिया, निर्मल भारत मिशन, जन-धन योजना, बीमा सुरक्षा योजना, कौशल विकास, स्वयंसेवा एवं श्रमदान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, डिजिटल इंडिया जैसे सामाजिक विषयों पर युवाओं से विचार साझा किए गए और उनसे आग्रह किया गया कि इन योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने में वे कोई कसर न छोड़े ताकि इनका लाभ युवा वर्ग को मिल सके। वक्ताओं ने केंद्र के युवाओं से आग्रह किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन को अवश्य दें। युवा मंडलों को खेलकूद सामग्री भी वितरित की गई। कार्यक्रम में वक्ता के रुप में डा. प्रवीण सिंह फोगाट, डा. शिवालिक यादव, डा. सीमा, राजेश सहवाग, कर्मवीर शामिल हुए। आयोजन को सफल बनाने में ममता धवन, राज कुमार, विशाल, अहमद, मनीषा, रंजना, वर्षा एवं साहिल आदि का सहयोग रहा।

उपायुक्त कार्यालय के समक्ष धरना देंगे हेमा कंपनी कर्मचारी

गुरुग्राम। हेमा कंपनी श्रमिक यूनियन के सदस्यों की आम सभा का आयोजन कादीपुर स्थित सामुदायिक केंद्र में यूनियन के प्रधान नरेश कुमार की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें यूनियन के पदाधिकारी व सदस्य भी शामिल हुए। आम सभा को संबोधित करते हुए श्रमिक नेताओं राजू चौहान, सुरेंद्र काला, चंद्र हंस आदि ने श्रमिकों की समस्याओं पर खुलकर चर्चा भी की और उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष से श्रमिकों की लंबित पड़ी मांगों का समाधान कंपनी प्रबंधन ने नहीं किया है। प्रबंधन ने बड़ी संख्या में श्रमिकों को नौकरी से निकाला हुआ है, जिससे उनके सामने रोजी-रोटी की समस्या भी पैदा हो गई है और वे मानसिक व आर्थिक रुप से परेशान भी हैं। प्रबंधन जान-बूझकर समस्याओं का समाधान नहीं करना चाहती। श्रम विभाग भी स्वयं को असहाय महसूस कर रहा है। श्रमिक नेताओं ने कहा कि श्रमिक संगठन एटक का प्रतिनिधिमंडल श्रमिकों की मांगों को लेकर श्रमायुक्त व उपायुक्त से भी मिल चुका है, लेकिन फिर भी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। आम सभा में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया है कि शीघ्र ही उपायुक्त कार्यालय पर धरने का आयोजन कर सरकार को उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन भी दिया जाएगा और पुन: आंदोलन शुरु किया जाएगा। यह निर्णय भी लिया गया है कि यदि जरुरत पड़ी तो भूख हड़ताल व आमरण अनशन भी किया जाएगा।

रोटरी क्लब एनआईटी ने लगाया रक्तदान शिविर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना की दूसरी लहर में फरीदाबाद में आई रक्त की कमी को ध्यान में रखते हुए कोविड की तीसरी लहर में ऐसी स्थिति पुन: न पैदा हो, इसके लिए रोटरी क्लब एनआईटी ने अभी से ही तैयारी करनी शुरू कर दी है और लगातार रक्तदान शिविर क्लब द्वारा लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज सेक्टर-15 के कम्युनिटी सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 72 युनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस मौके पर आम जनों के साथ-साथ पुलिसकर्मियों ने भी रक्तदान कर लोगों को प्रोत्साहित किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक नरेंद्र गुप्ता मौजूद रहे।

विधायक नरेंद्र गुप्ता ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया और रोटरी क्लब एनआईटी की टीम की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले समय में कोरोना की तीसरी लहर में कोई रक्त कमी से न जूझे , इसके लिए जो प्रयास रोटरी क्लब एनआईटी ने किया है, वह बेहद प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को आगे आकर रक्तदान करना चाहिए

रोटरी क्लब एनआईटी द्वारा आयोजित शिविर में रक्तदान करता एक समाज सेवी।

क्योंकि एक यूनिट रक्त से कई लोगों की जान बच सकती है। साथ ही उन्होंने शहर के लोगों से अपील करते हुए कहा कि लोग हरियाणा में जो मिनी लॉकडाउन लगा है, उसका पालन करें ताकि संपूर्ण लॉक डाउन लगाने की नौबत न आए।

इस अवसर पर क्लब के प्रधान विपिन चंदा व सचिव वीरेंद्र मेहता तथा प्रोजेक्ट चेयरमैन प्रेम पसरीचा ने संयुक्त रूप से कहा कि रक्त की जरूरत न केवल थैलासीमिया ग्रस्त मरीजों को होती है बल्कि सर्दियों में सड़क दुर्घटनाएं अधिक होने के कारण रक्त की डिमांड बढ़ जाती है तथा कोरोना के मामले भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में जरूरत है अधिक से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित किए जाने की।

राजपूत समाज ने समाज के सभी समुदायों को किया है सहयोग : तिलकराज चौहान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सामाजिक संस्था राजपूत महासभा की बैठक का आयोजन ओल्ड दिल्ली रोड स्थित राजपूत वाटिका में रविवार को किया गया, जिसमें संस्था की आगामी गतिविधि पर भी चर्चा की गई। बैठक में सूरजपाल अम्मू को हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष चुने जाने पर सभा द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया।

संस्था के अध्यक्ष तिलकराज चौहान ने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि कोरोना महामारी से भी शीघ्र ही देशवासियों को राहत मिलेगी। राजपूत समाज सभी समुदायों के लिए एक प्रेरणा का स्त्रोत रहा है और सभी

गुरुग्राम में राजपूत महासभा की बैठक में हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष का स्वागत करते राजपूत समाज के लोग।

समुदायों को साथ लेकर चला है। सूरजपाल अम्मू को मिली नई जिम्मेदारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संस्था उन्हें पूरा सहयोग करेगी। कार्यक्रम में संस्था के सुशील चौहान, अभिनेता राज चौहान, सतीश राघव, आरपी सिंह चौहान, मास्टर गोपाल, मुकुल राघव, वीर सिंह तंवर, नरेंद्र चौहान, एम छौंकर, राजपाल, रजीत राघव आदि भी मौजूद रहे।

किसान आंदोलन के योद्धाओं का किया सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

किसान आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले किसानों का रविवार को किसान योद्धा सम्मान से सम्मानित किया गया। गुड़गांव संयुक्त किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष संतोख सिंह ने बताया कि इस आंदोलन से पूरे देश में सामाजिक भाईचारा मजबूत हुआ है। देश के किसान समाज में जागृति लाने में सफल हुए हैं।

उन्होंने कहा कि देश की अधिकांश जनता किसान और मजदूर है। किसान संगठनों ने एक साथ मिलकर देश के किसानों को जागृत करने का कार्य किया है। किसान योद्धाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर किसान नेता जसवीर सिंह भाटी, वीरेंद्र हुड्डा, रणजीत सिंह, राजू, नवनीत रोज खेड़ा, जरनैल सिंह, गुरुनाम सिंह आदि भी मौजूद रहे।

गुरुग्राम के किसान नेताओं को सम्मानित करते आयोजक।

दो चोर गिरफ्तार, 18 हजार रुपये और एक सीएनजी ऑटो बरामद

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर 85 प्रभारी की टीम ने चोरी के मामलों में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करके दो वारदात थाना तिगांव और एक वारदात थाना ओल्ड फरीदाबाद की सुलझाई है।

गिरफ्तार आरोपी अकरम फरीदाबाद के सेक्टर 56 में स्थित आशियाना फ्लैट में और सागर पलवल की गड्ढा कॉलोनी गांव असावटी के रहने वाले हैं। पुलिस प्रवक्ता सुबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों ने थाना तिगांव के क्षेत्र में दो थाना ओल्ड में एक चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपियों को फरीदाबाद के अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से 2 दिसंबर के थाना तिगांव मुकदमे में 8500रु और 29 नवंबर के मुकदमे में 9500 रु नगद

चोरी के आरोप में गिरफ्तार युवक अकरम और सागर।

बरामद किए हैं। आरोपी से चोरी का ऑटो थाना ओल्ड के मुकदमे में बरामद किया गया है। उपरोक्त आरोपी नशे करने के आदि है । नशे की पूर्ति के लिए चोरियां करते हैं। आरोपियों को आज पेश अदालत करके बंद ज्युडिशियल नीमका जेल कराया गया।

कारगिल युद्ध के जांबाज योगेंद्र सिंह को थोर समूह ने किया सेल्यूट

सूबेदार मेजर योगेंद्र क्ष्सिह यादव को मिला था परमवीर चक्र

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कारगिल युद्ध में जांबाजी के साथ पाकिस्तान सैनिकों के छक्के छुड़ाने वाले परमवीर चक्र से सम्मानित सूबेदार मेजर (ऑनरेरी कैप्टन) योगेंद्र सिंह यादव को थोर (द हार्मनी ऑफ राइडर्स, बाइक राइडर्स) समूह ने सेल्यूट किया है। श्रीयादव की सेवानिवृति पर उनके पैतृक गांव पहुंचकर थोर के दल ने उनकी शौर्यता की से पीढ़ियों को सीख लेने का संदेश दिया।

सूबेदार मेजर योगेंद्र सिंह यादव 31 दिसंबर 2021 को 24 साल की उत्कृष्ट सेवाएं सेना में देने के उपरांत सेवानिवृत हो गये हैं। रिटायर्ड कैप्टन योगेंद्र यादव की गिनती देश के सबसे बहादुर सपूतों में होती है। अदम्य साहस व वीरता को लेकर उन्हें सैनिकों के लिए सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। उनकी सेवानिवृति को

सूबेदार मेजर योगेंद्र यादव की सेवानिवृति पर उनका सम्मान करते थोर समूह के सदस्य।

यादगार बनाने के लिए उनके पैतृक गृह क्षेत्र औरंगाबाद अहीर ग्राम बुलंदशहर के लोगों ने भव्य स्वागत किया। उनकी बहादुरी के जयकारे लगाए। थोर समूह ने भी जांबाज को बाइक रैली सम्मान यात्रा निकालकर उनको सेल्यूट किया। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से पहुंचा बाइकर्स का समूह का नेतृत्व अजीत शर्मा ने किया। करीब 20 किलोमीटर लंबी बाइकर्स की यात्रा बेहद ही अनुशासित तरीके से चली। लोग भी ढोल नगाड़ों पर नाचते-गाते हुए शामिल हुए। ग्रामवासियों ने फूलों की वर्षा कर उनका सम्मान किया। बता दें कि 18 ग्रेनेडियर्स के सूबेदार-मेजर योगेंद्र सिंह यादव ने वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान घर-घर में एक जाना-पहचाना नाम बन गए थे, जब उन्होंने द्रास इलाके में टाइगर हिल पर कब्जा जमाया था।

सामाजिक व देश प्रेम का संदेश देता है थोर समूह : अजीत शर्मा के मुताबिक पहले भी उनके समूह ने देश प्रेम, सैनिकों के सम्मान में, रक्तदान के प्रति जागरुकता, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के प्रति जागरुकता समेत अनेक सामाजिक मुद्दों पर बाइक रैलियां निकाली हैं। आमतौर पर मौज-मस्ती के लिए बनने वाले बाइक राइडर्स के समूह से थोर समूह अपना एक विजन लेकर चल रहा है।

पुलिस ने 171 पव्वे अवैध शराब और दो शराबियों को पकड़ा

सोहना। पुलिस ने 31 दिसम्बर की रात को दो अवैध शराब बेचने वालों को पकड़ते हुए 171 पव्वे शराब बरामद की। दो युवकों को सड़क के बीच में शराब के नशा में हुडदंग मचाने के आरोपी में गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार चारों आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए है। सिटी थाना पुलिस ने गश्त के दौराना सोहना ढाणी में परचून की दुकान पर अवैध शराब बेचने वाले को गिरफ्तार किया। जिसकी दुकान में तलाश के दौरान दो पेटियां मिली। जिनमें 98 पव्वे शराब बरामद हुई। दुकानदार ललित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने दूसरा छापा शहर के हरीनगर मार्ग पर मारा। यहां का निवासी प्रदीप बालूदा की तरफ से प्लास्टिक के कट्टा में अवैध शराब बेचने के लिए लेकर आ रहा था। पुलिस ने शक के आधार पर प्रदीप को पकड़ लिया। कट्टा में तलाशी के दौरान 73 पव्वा अलग-अलग मार्का की शराब बरामद हुई। इसी रात सामान्य बस स्टैंड के सामने वार्ड-5 की शिव कॉलोनी निवासी नीरज व मोहित सड़क पर शराब के नशा में एक दूसरे से झगड़ा कर रहे थे।

बस स्टैंड में प्रवेश पर वैक्सीनेशन जांच नहीं

दिखावे को बैठा रहा कर्मचारी, जागरुकता को लगा दिया है बोर्ड

सरकार के नियमों को खुद ही पलीता लगा रहे कर्मचारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सरकार की सख्ती हिदायत है कि सार्वजनिक स्थलों बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व अन्य स्थानों पर बिना दोनों वैक्सीन लगवाए किसी को प्रवेश ना दिया जाए। सरकार ने तो आदेश जारी कर दिये लेकिन जिन्हें इसकी पालना करवानी है, वे इसके प्रति लापरवाही नजर आए। यहां बस स्टैंड परिसर में प्रवेश करने वाले किसी भी यात्री की जांच नहीं की गई। कहने को तो एक कर्मचारी गेट पर कुर्सी डालकर बिठाया गया था।

कोरोना महामारी के फैलने के साथ ही सरकार, प्रशासन सक्रिय हो गया है। कोरोना का फैलाव अधिक ना हो, इसलिए इस बार जनता पर और कड़े नियम कर दिए गए हैं। रविवार को एक तरफ तो मुख्यमंत्री

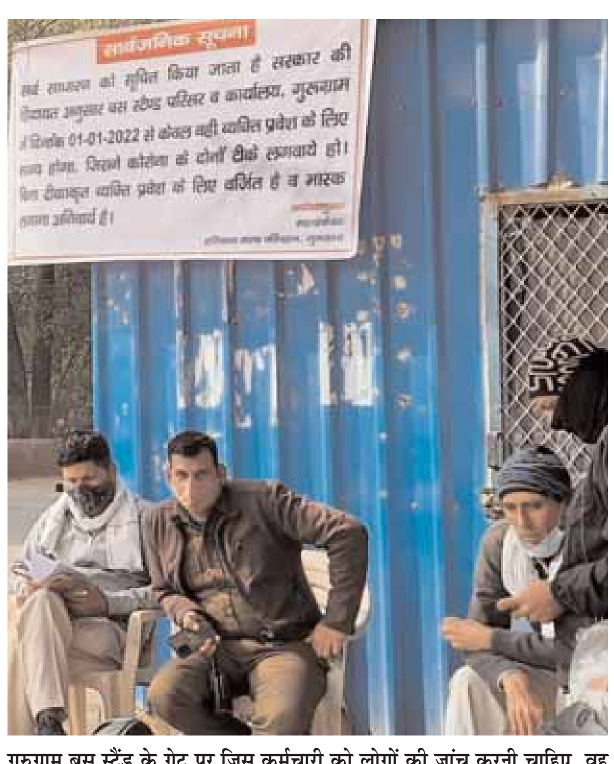

गुरुग्राम बस स्टैंड के गेट पर जिस कर्मचारी को लोगों की जांच करनी चाहिए, वह आराम से कुर्सी पर बैठा है।

मनोहर लाल अधिकारियों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बैठक में तमाम नियमों को सख्ती से लागू करने की बात कह रहे थे, दूसरी ओर यहां बस स्टैंड परिसर में नियमों को धत्ता बताया जा रहा था। दिखावे के लिए प्रवेश गेट पर एक कर्मचारी को कुर्सी डालकर बिठाया गया था। वहां कैबिन पर एक बोर्ड लगाया गया, जिस पर नियम लिखे थे। जिस कर्मचारी को लोगों की यह जांच करनी थी कि उन्हें दोनों वैक्सीन लगी है या नहीं, वह अपने काम में कोई दिलचस्पी ही नहीं ले रहा था। आराम से धूप सेंक रहा था। यह कितनी बड़ी लापरवाही और ड्यूटी में कोताही है। कर्मचारी किसी भी यात्री को कह भी नहीं रहा था कि वे मास्क लगाएं या कोई अन्य सावधानी बरतें। यात्री सामान्य दिनों की तरह आराम से आ-जा रहे थे। बस स्टैंड के दोनों गेटों से यात्रियों द्वारा प्रवेश किया जा रहा था। कुल मिलाकर बस स्टैंड परिसर में कोरोना से बचाव और नियमों के पालन को लेकर कुछ भी ऐहतियात नहीं बरती गई। यात्री तो अपनी सुविधा अनुसार मास्क लगा रहे थे, हटा रहे थे। उन्हें रोकने-टोकने की जहमत किसी ने नहीं उठाए। ऐसे कैसे कोरोना पर नियंत्रण लगेगा, यह सोचने की बात है। सरकार, प्रशासन को अपनी ड्यूटी में कोताही करने वाले कर्मचारियों के लिए भी दिशा-निर्देश देने की जरूरत है, ताकि वे ठीक से ड्यूटी करें। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो सरकार के नियम कागजों तक ही सिमटकर रह जाएंगे और कोरोना ऐसे ही फैलता जाएगा।

ऑनलाइन कंसल्टेशन को प्राथमिका दे रहे हैं मरीज

अर्थराइटिस और कमर दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ी

कविता। फरीदाबाद

जिले में जहां एक तरफ कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन के मद्देनजर एहतियात बरतते हुए मरीज ओपीड़ी में आने से बच रहे हैं और ऑनलाइन कंसल्टेशन को प्राथमिकता दे रहे हैं।

25 से 50 वर्ष की आयुवर्ग के कामकाजी लोग ऑनलाइन कंसल्टेशन ज्यादा ले रहे है। जिसमें सामने आ रहा है कि तापमान में अचानक गिरावट आने से अर्थराइटिस और कमर दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जिनमें अर्थराइटिस से पीड़ित लोगों में 30 प्रतिशत पुरूष और 70 फीसदी महिलाएं सामने आ रही है।

अर्थराइटिस के प्रकार : अर्थराइटिस एक ऐसी बीमारी है जिसमें जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या बनी रहती है। यह समस्या शरीर के किसी भी जोड़ में हो सकती है। अर्थराइटिस दो तरह की होती है। ऑस्टियोअर्थराइटिस-यह बढती उम्र में होती है और यह बहुत आम है। दूसरा, रूमेटाइड अर्थराइटिस-यह एक ऑटोइम्यून डिजीज है जिसमें इम्यून सिस्टम

डॉ. सुमित बत्रा।

शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगता है। इससे शरीर के अंगों में बहुत ज्यादा सूजन पैदा हो जाती है। इन दोनों ही अर्थराइटिस में जोड़ों में दर्द रहता है। सुबह उठने पर जोड़ों में अकडन महसूस होती है। चलने में परेशानी होती है। जोड़ों में सूजन आ जाती है। कई बार जोड़ टेढ़े भी हो जाते हैं। सर्दी बढ़ने पर अक्सर अर्थराइटिस से पीड़ित लोगों के जोड़ों का दर्द ज्यादा बढ़ जाता है क्योंकि ठण्ड की वजह से शरीर की मांसपेशियां अकड़ जाती हैं। पर्याप्त मात्रा में धूप न मिलने की वजह से हड्डियों के लिए आवश्यक विटामिन डी की कमी होने लगती है और मांसपेशियां थोड़ी कमजोर हो जाती हैं जिससे जोड़ों में दर्द बढ़ जाता है।

न करें नज़रंदाज़: किसी भी उम्र में जैसे ही जोड़ों में दर्द शुरू होता है तुरंत डॉक्टर की सलाह लें क्योंकि कुछ ऐसी अर्थराइटिस होती हैं जो शुरूआत में इलाज मिलने पर बढती नहीं हैं। साल या दो साल तक टालने पर जोड़ ज्यादा खराब हो जाते हैं। फिर ऑपरेशन तक की नौबत आ जाती है। इसलिए जोड़ों में दर्द, सुबह उठने पर जोड़ों में अकडन आना, जोड़ों में ज्यादा सूजन, जोड़ों में लालपन या जोड़ों में टेढ़ापन आ जाए, जोड़ों में कट-कट की आवाज जैसे लक्षणों को नजरंदाज़ न करें। जितना जल्दी डायग्नोसिस होगा, इलाज भी उतनी ही जल्दी शुरू होगा और उतनी ही ज्यादा संभावना बढ़ जाएगी कि विटामिन्स और दवाओं से ही काम चल जाएगा।

चिकित्सक का कथन

इस विषय में जब क्यूआरजी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल से ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट विभाग के डायरेक्टर डॉ. सुमित बत्रा से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि तापमान में गिरावट आने से अर्थराइटिस और कमर दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। किसी भी उम्र में जैसे ही जोड़ों में दर्द शुरू होता है तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और ठण्ड के मौसम में घर में हीटर लगाकर या धूप में बैठकर अपने आपको गर्म करके रखें।

जजपा में शामिल होने वालों का स्वागत किया

फरीदाबाद। असोला फार्म हाउस दिल्ली में हरियाणा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यन्त चौटाला के नेतृत्व में जननायक जनता पार्टी के प्रदेश सचिव प्रेम सिंह धनखड़ की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें जजपा नेता साकिर हुसैन के सौजन्य से समयपुर निवासी अमर सिंह वैष्णव, अल्ताफ हुसैन अधिवक्ता धौज, मुबारीक धौज, जुबेर जकोपुर, बीरपाल नम्बरदार सारन, खड़ग सिंह सारन, कृष्ण कुमार सेक्टर 56, मनोज धतीर, प्रिंस त्यागी करनेरा, महेश शर्मा, अनोखी लाल, जितेन्द्र परमार, खालिद, अरशद कुरेशीपुर, लाल सिंह मास्टर, यूसुफ खान, डा. साबिर, अल्ताफ, पवन, सलमान, नरेन्द्र, सलमान, नफीस धौज, हरीश चंद, जगजीत कुमार, हेमंत कुमार, रोहित इत्यादि ने आज जननायक जनता पार्टी में शामिल होने की घोषणा की।

अज्ञात लोगों ने हमला कर की दो लोगों की हत्या, एक हुआ घायल

निर्माणाधीन मकान में रहते दोनों मृतक और घायल मजदूर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पर्वतीय कालोनी पुलिस चौकी इलाके के नंगला एन्कलेव भाग दो में स्थित एक निर्माणाधीन मकान पर बीती रात कुछ अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। हमलावर लोहे के सरियों और अन्य हथियारों से लैस होकर आए थे। हमलावरों ने आते ही निर्माणाधीन मकान में सो रहे तीन मजदूरों के साथ मारपीट शुरू कर दी। तीनों को गंभीर रूप से घायल कर आरोपी मौके से फरार हो गए।

घायलों की चींख पुकार सुनकर आसपास के लोगों द्वारा उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान दो मजदूरों की मौत हो गई। तीसरे घायल का उपचार किया जा रहा है।

इस निर्माणाधीन मकान में हुई दो मजदूरों की हत्या।

समाचार लिखे जाने तक हत्यारों और हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पुलिस के मुताबिक नंगला एन्कलेव भाग दो में रहने वाले रविंद्र अपने मकान का निर्माण ठेके पर करवा रहे थे। यूपी के हाथरस जिले के गांव ढोला के रहने वाले 25 वर्षीय मोनू, 23 वर्षीय आकाश और 42 वर्षीय रामवीर ठेके पर उनके मकान का निर्माण पिछले तीन महीने से कर रहे थे। काम निपटाने के बाद तीनों उसी निर्माण मकान में रह रहे थे। अन्य तीनों की शनिवार को भी तीनों दिन पर निर्माण कार्य में जुटे रहे। रात को खाना खाने के बाद निर्माणाधीन मकान के एक कमरे में जाकर सो गए। रात करीब 12 और साढ़े 12 बजे के बीच कुछ हथियारबंद लोगों ने इस मकान पर हमला कर दिया। हमलावरों ने लोहे के सरियों और तेज धारदार हथियारों से तीनों पर ताबड़ तोड़ वार करने शुरू कर दिये। इस हमले में तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की चींख पुकार सुनकर जब तक आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, उससे पहले ही हमलावर मौके से फरार हो गए।

बीके अस्पताल में उपचाराधीन घायल मोनू।

बीके अस्पताल में मोर्चरी के बाहर शोकाकुल मजदूरों के परिजन।

इस निर्माणाधीन मकान के ठीक सामने रहने वाले कमल नामक व्यक्ति द्वारा तीनों घायल को बीके अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान कुछ देर बाद ही राजमिस्त्री आकाश और बेलदार रामबीर की मौत हो गई। घायल मोनू फिलहाल अस्पताल में उपचाराधीन है। सूचना मिलने पर एसीपी सुखबीर सिंह, थाना सारन प्रभारी राजेश बागड़ी एफएसएल टीम और अपराध शाखा की टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी।

ग्रेफ की समस्याओं लेकर डिप्टी सीएम को ज्ञापन सौंपा

उपमुख्यमंत्री को अपनी समस्याओं से अवगत करवाते ग्रेटर फरीदाबाद के निवासी।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद की समस्याओं को लेकर रविवार को नलिन हुड्डा, जिलाअध्यक्ष युवा जननायक जनता पार्टी की अगुवाई में ग्रेफ़ा कन्फेडरेशन के ट्रस्टी व पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के विंग कमांडर सतिंदर दुग्गल व ग्रेटर फरीदाबाद के अन्य निवासियों ने उपमुख्यमंत्री व फरीदाबाद ग्रीवेंस कमिटी के चेयरमैन दुष्यंत चौटाला से दिल्ली में मुलाकात की। मुलाकात के दौरान ग्रेटर फरीदाबाद निवासियों ने उन्हें समस्याओं के बारे में अवगत करवाते हुए ज्ञापन दिया सौंपा। इस मौके पर उन्होंने हाईराइज बिल्डिंगों के लिए फ़ायर फ़ाइटिंग के लिए हाइड्रॉलिक प्लेटफॉर्म की आवश्यकता को दोहराया।

लोगों की समस्याएं सुनने के बाद डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने एफएमडीए के अधिकारी सुधीर राजपाल से बात की व इन समस्याओं को हल करने के लिये आवश्यक निर्देश दिए। सोमवार को ग्रेटर फरीदाबाद के निवासी नलिन हुड्डा की अगुवाई में गुरूग्राम में जाकर सुधीर राजपाल से मुलाकात कर इलाके की समस्याओं से अवगत करवाएंगे।

जाट उत्थान समिति के डीआर चौधरी अध्यक्ष नियुक्त

अशोका एनक्लेव मेन में हुई बैठक में जाट उत्थान समिति के चुने गए पदाधिकारी।

फरीदाबाद। जाट उत्थान समिति फरीदाबाद की बैठक अशोका एनक्लेव मेन में आयोजित की गई। इस अवसर पर जाट उत्थान समिति की कमेटी का सर्व सम्मति से पुन-गठन किया गया।

जिसमें डी आर चौधरी को प्रेसिडेंट, सुरेंद्र सिंह को वाइस प्रेसिडेंट, सतवीर सिंह पहलवान को जनरल सेक्रेटरी, बी पी सिंह दहिया को जॉइंट सेक्रेटरी, नेमीचंद को कैशियर तथा लाखन सिंह चौधरी को प्रवक्ता नियुक्त किया गया। वही यूथ लेवल पर अशोक सहरावत को यूथ प्रेसिडेंट, प्रदीप पुनिया को यूथ सेक्रेटरी, जोगिंदर सिंह को यूथ ज्वाइंट सेक्रेट्री चुना गया। इस मौके पर नवनियुक्त प्रेसिडेंट डी आर चौधरी ने कहा कि जाट उत्थान समिति फरीदाबाद कमेटी काफी सालों से जाट उत्थान के लिय काम कर रही है अब जो पुन-गठन हुआ है ये टीम समाज के लिए दिन-रात काम करेगी और आप सब ने जो विश्वास व्यक्त करते हुए मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी है। उस पर वह खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। इस मोके पर प्रवक्ता नियुक्त हुए लाखन सिंह ने कहा कि वो अपने पद की गरिमा को बनाए रखेंगे।

रंजिश में एलएलबी के छात्र की हत्या, दोस्त की संदिग्ध मौत

दो साल पहले हुए झगड़े के बाद से आरोपी लगातार धमकियां दे रहे थे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ स्थित गांव सागरपुर-सुनपेड़ रोड पर स्थित एक ट्यूबवैल के पास पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर करीब दर्जनभर लोगों ने चाकुओं से हमला कर दिया। घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

मृतक युवक एलएलबी का छात्र था और जिला अदालत के न्यायाधीश के रीडर का पुत्र था। वहीं दूसरी तरफ मृतक के एक दोस्त का शव संदिग्ध हालत में गांव सागरपुर के पास रेलवे मिला है। दोनों मामलों को जोड़कर देखा जा रहा है। गांव सागरपुर निवासी धर्मराज ने

बीके अस्पताल की मोर्चरी पर बैठे मृतक राहुल और रिंकू के परिजन।

मृतक राहुल। फाइल फोटो

मृतक रिंकू। फाइल फोटो

बताया कि उनका बेटा राहुल एलएलबी का छात्र था। बीती शाम वह एक दोस्त से मिलने की बात कह कर घर से निकला था। कुछ देर बाद उन्हें सूचना मिली की राहुल का कुछ लोगों के साथ झगड़ा हो रहा है। वे अपने भतीजे उदयपाल और सूरजपाल के साथ कार पर सवार होकर सागरपुर- सुनपेड़ रोड पर स्थित शास्त्री के ट्यूबवैल के पास हरिओम, सागर, रणवीर, अमन, आशीष और अन्य तीन चार युवक राहुल पर चाकुओं से ताबड़ तोड़ वार कर रहे थे। राहुल को गंभीर रूप से घायल कर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। राहुल को तुरंत सर्वोदय अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान कुछ देर बाद ही राहुल की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। वहीं दूसरी तरफ इसी गांव में रहने वाले राहुल के दोस्त रिंकू का शव गांव के पास रेलवे लाइन के किनारे संदिग्ध हालत में मिला है।

चोरी का तीसरा आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम ने चोरी के मुकदमें में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की गई सोने की चेन बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अभिषेक निवासी गांव मलेरणा बल्लभगढ़ के रूप में हुई है।

पुलिस प्रवक्ता सुबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 28 दिसम्बर रात को आदर्श नगर के एक मकान में चोरी हुई थी। जिसमें क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को एक जनवरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जिसमें फरार एक आरोपी की सूचना के आधार पर बल्लभगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस टीम ने बताया कि तीन आरोपियों ने 28 दिसम्बर की रात के समय करीब 2 बजे आदर्श नगर के एक मकान मे चोरी की घटना को अंजाम दिया था। आरोपियों से 3 जोड़ी पाजेब चांदी, 3 अंगूठी चांदी, 1 नग अंगूठी, 5 लक्षा चांदी,1 गुच्छा चांदी,1 सोना अंगूठी, 2 पैन कार्ड, 1 आधार कार्ड,पहले ही बरामद किए गए है।

महामारी अलर्ट : स्कूल, कॉलेज मॉल्स और बाजार 12 तक बंद

रात्रि 11 बजे से सुबह 5 बजे तक रात्रि कर्फ्यू लागू,आम आवाजाही रहेगी बंद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा सरकार ने आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत राज्य के 5 जिलों फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत, अंबाला और पंचकूला में 10 दिन के लिए लॉकडाउन बढ़ाने का निर्णय लिया है जो 2 जनवरी रविवार से लेकर 12 जनवरी सुबह 5 बजे तक लागू रहेगा।

निर्देशों के अनुसार में सभी नागरिक घरों में ही रहें। किसी भी नागरिक को इस अवधि में पैदल या किसी वाहन से सड़क पर या सार्वजनिक स्थान पर घूमने की अनुमति नहीं होगी। रात्री क्फ्यु 11 बजे से सुबह 5 बजे तक रहेगा, रात्रि 11 बजे के बाद आम आवाजाही बन्द रहेगी। पुलिस आयुक्त विकास

एनएच वन की मार्केट में खरीददारी करते लोग।

कुमार अरोड़ा ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान जिन सेवाओं की अनुमति दी गई है उसमे कोविड नियमों का पालन करना अति आवश्यक है। पालना न करने की सूरत में उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। सभी के लिए कोरोना के टीकाकरण की पहली व दूसरी डोज लगवाना अनिवार्य की गई है। जिन व्यक्तियों और सेवाओं को छूट दी गई है। ऐसे व्यक्ति जो कानून व्यवस्था या आपात सेवाओं में तैनात हैं। जिनमें म्यूनिसिपल सेवाएं, पुलिस, सेना/सीएपीएफ के वर्दीधारी कर्मचारी, स्वास्थ्य, बिजली, अग्नि शमन, मान्यता प्राप्त मीडियाकर्मी, कोविड-19 के अंतर्गत काम कर रहे सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। इस अवधि के दौरान पहचान पत्र दिखाकर इन्हें आने-जाने में छूट मिल सकेगी। आपातकालीन/आवश्यक सेवाओं को छोड़कर कार्यालयों (सरकारी और निजी) को 50फीसदी कर्मचारियों की उपस्थिति के लिए निर्देशित किया गया है।

मृत मिले सात मोर जांच में जुटा विभाग

फरीदाबाद। गांव शाहपुर खुर्द और प्याला की सीमा पर रजवाहे के किनारे सात मोर मरे हुए मिले हैं। वन्य प्राणी विभाग ने मरे हुए मोरों को जांच के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भेजा है। जांच रिपोर्ट में जो भी आएगा, उसके अनुसार आगे कार्रवाई की जाएगी। गांव प्याला के सरपंच टेकचंद डबास को किसी ने सूचना दी कि जंगल में मोर मरे हुए पड़े हैं।

वे स्वयं मौके पर गए। वहां पर कुछ गेहूं, ज्वार के दाने भी पड़े हुए मिले। आशंका व्यक्त की जा रही है कि इन दानों में किसी ने कीटनाशक दवा मिलाई हुई है और इनके चुगने से मोर मरे हैं। सरपंच ने इन मोरों के मरने के बारे में वन्य प्राणी विभाग को सूचना दे दी। वन्य प्राणी विभाग के इंस्पेक्टर जयदेव मौके पर पहुंचे और मोरों को उठाकर ले गए। मरे हुए मोरों का उन्होंने पशु पालन विभाग की उपनिदेशक डा. नीलम आर्य से मिलकर पोस्टमार्टम कराने के बाद जमीन में दबा दिया। पशु पालन विभाग के डा.विनोद दहिया का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट बाद में आएगी।

सीएम ने कोरोना वीसी से समीक्षा बैठक की

सेक्टर 12 लघु सचिवालय में बैठक को संबोधित करते डीसी जितेंद्र यादव।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि जिला में बूथ लेवल कमेटियों को सक्रिय करना सुनिश्चित करें। सरकार द्वारा जारी कोविड-19 की सम्भावित तीसरी लहर के संक्रमण से बचाव के लिए पुख्ता इंतजाम करना सुनिश्चित करें।

उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने यह दिशानिर्देश अधिकारी को मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा विडियों कान्फ्रेंसिंग के जरिये कोरोना के संक्रमण के बचाव के लिए प्रबन्धों की समीक्षा में देने बाद अधिकारियों को बैठक में दिए। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के सभी

उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने दी फरीदाबाद में प्रबन्धों की जानकारी

उपायुक्तों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये कोरोना-19 समीक्षा बैठक कर दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कोरोना नियमों का सभी उपायुक्त सख्ती से पालन करवांए। इसके अलावा सभी उपायुक्त जिलों में ऑक्सीजन प्लांट, अस्पताल एवं अन्य आवश्यक उपकरण की समीक्षा करना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

ऑटो चालकों को पढ़ाया यातायात नियमों का पाठ

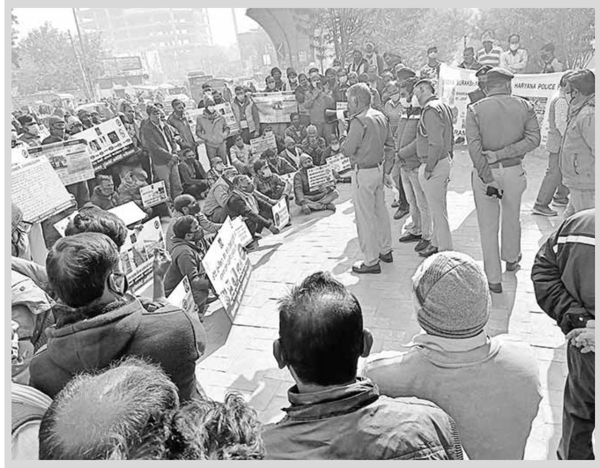

आटो चालकों को यातायात के नियमों की जानकारी देते एसीपी ट्रैफिक पृथ्वी सिंह।

फरीदाबाद। सड़क सुरक्षा सप्ताह के दूसरे दिन सहायक पुलिस आयुक्त यातायात के नेतृत्व में एसएचओ ट्रैफिक, एडिशनल एसएचओ ट्रैफिक, तथा ट्रैफिक ताऊ वीरेंद्र की अगुवाई में ट्रैफिक पुलिस की टीम द्वारा वाहन चालको ने धुंध के कारण होने वाली सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगावाने की हिदायत दी,ऑटो चालकों तथा आने जाने वाले लोगों को को ट्रेफिक नियमों से अवगत कराया गया। इस वर्ष ट्रैफिक पुलिस फरीदाबाद 33वां सड़क सुरक्षा सप्ताह मना रही है यह 1 जनवरी 2021 से 7 फरवरी 2021 तक मनाया जाएगा। सहायक पुलिस आयुक्त यातायात ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे पहले में सभी ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को इस बात के लिए बधाई देता हूं कि ड्यूटी के दौरान आपका ट्रन आउट भी अच्छा होता है और आप दुरुस्त मिलते हैं। हमें मालूम है कि ट्रैफिक ड्यूटी बहुत कठिन है इस दौरान समय की बहुत कमी होती है लेकिन फिर भी जितना समय मिले उसको योगा मेडिटेशन में इस्तेमाल करें ताकि तनाव को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि इंसान को लालच और भय से दूर रहना चाहिए। यह दोनों ही चीज इंसान को तनाव की तरफ लेकर जाती है। ट्रैफिक पुलिस कर्मियों से कहा कि कोई भी ट्रैफिक पुलिसकर्मी अपने व्यवहार और ड्यूटी का अनुभव साझा करें।

कोरोना: 83 पॉजिटिव मिले और 9 ठीक, एक्टिव 333

फरीदाबाद। जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को जिले में 83 नए कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए हैं। वहीं दूसरी तरफ नौ मरीजों ने रविवार को कोरोना की जंग जीत ली है। जिसमें अस्पतालों में भर्ती तीन मरीज भी शामिल हैं। इससे जिले में एक्टिव केसों की संख्या का आंकड़ा 333 पर पहुंच गया है। जिसमें 330 मरीज होम आईसोलेशन में है और शेष तीन मरीज अस्पतालों में भर्ती है। पिछले 24 घंटे में विभाग के द्वारा 2661 लोगों के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। जिसमें फिलहाल पुराने नमूनों में 3115 की रिपोर्ट आनी शेष है। वहीं जिले में रिकवरी रेट भी 99.2 से घटकर 98.95 प्रतिशत पर पहुंच गया है।

ब्रांडेड शराब के नकली लेबल बनाने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम ने नकली शराब बनाने वाले वालों की धरपकड़ के संबंध में क्राइम ब्रांच को निर्देश दिए थे। जिस पर एसीपी क्राइम सुरेंद्र श्योरान के मार्गदर्शन में करवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 65 प्रभारी रविंद्र की टीम ने ब्रांडेड शराब के नकली लेबल बनाने वाले आरोपी दीपक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी दीपक जैन दिल्ली के पंचशील गार्डन नवीन शाहदरा हाल भजनपुरा का रहने वाला है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी प्रिंटिंग प्रेस का काम दिल्ली में करता है। जिसकी अपनी प्रिंटिंग मशीन है। आरोपी पलवल के धतीर गांव में ब्रह्मपाल नाम के व्यक्ति को नकली शराब के मार्का व लेवल सप्लाई करता था। आरोपी ब्रह्मपाल धीरज, जीतू और अजीत बल्लभगढ़ के छायंसा और सदर के गांव में नकली शराब सप्लाई करते थे। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। आरोपी दीपक को थाना छायंसा के मुकदमे में गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर दिल्ली से गिरफ्तार कर प्रिंटिंग मशीन बरामद कर प्रिंटिंग मशीन को फरीदाबाद लाया गया है। आरोपी को आज पेश अदालत कर जेल भेज दिया गया हैं।

दिल्ली से फरीदाबाद लाई गई प्रिंटिंग मशीन जिस पर छापते थे शराब के लेबल।

ढोल नगाड़ों के साथ इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में मना जश्न

फरीदाबाद। महिला जागरूकता मंच की महिलाओं ने ढोल नगाड़ों के साथ शनिवार को देर शाम नव वर्ष का स्वागत किया। महिला जागरूकता मंच ने इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में धूमधाम से नूतन वर्ष का पूरे जोश के साथ स्वागत किया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद अजय बैसला उपस्थित रहे और लोगों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर उन्होंने महिला ग्रुप की सभी सदस्यों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी और महिला जागरूकता मंच की प्रधान सीमा शर्मा ने अपने ग्रुप के सभी सदस्यों की तरफ से अजय बैसला को सम्मानित किया। महिला जागरूकता की सदस्य कमलेश नागर ने इस पार्टी को सफल मनाने में सराहनीय योगदान रहा और उन्होंने अपने घर विराजे भगवान कृष्ण का जन्मदिन भी मनाया। ग्रुप की सदस्य सारणी कुलश्रेष्ठ, सुषमा चौहान, सुनीता सिंह, मीनू सहगल, वैशाखी गौड़, रितु भाटिया, तनुश्री आदि सभी महिलाओं ने नृत्य और संगीत के द्वारा इस आयोजन को सफल किया।

दो चोर गिरफ्तार, नौ वारदात सुलझी

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम के निर्देश पर एसीपी क्राइम सुरेंद्र स्योराण के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेंट्रल की टीम ने चोरी के आरोपियों पर कार्रवाई करते हुए 9 वारदातों को सुलझाते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की 7 बाईक और 1 स्कूटी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अर्जुन और ओमप्रकाश उर्फ उमेश उर्फ पव्वा निवासी गांव सल्लागढ़ नयी बस्ती पलवल के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता सुबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि दोनों आरोपी नशे के आदी हैं नशे की पूर्ति के लिए आरोपी उमेश उर्फ पव्वा पिछले 3 महीने से और आरोपी अर्जुन पिछले 5 महीने से चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। आरोपी उमेश उर्फ पव्वा ने दो चोरी की वारदातों को और आरोपी अर्जुन ने 7 चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। जिसमें थाना सिटी बल्लभगढ़ में 5, सेक्टर 58 में 2 और सेंट्रल और आदर्श नगर में 1-1 चोरी की घटना को अंजाम दिया है। आरोपी अर्जुन को बल्लभगढ़ बस स्टैंड से व आरोपी उमेश उर्फ पव्वा को सेक्टर 62 -65 चौक से चोरी की मोटरसाइकिल सहित गुप्त सूत्रों के आधार पर गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 7 मोटरसाइकिल और एक स्कूटी एक्टिवा बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया।

ओमीक्रान समस्या

अर्थव्यवस्था पर जोर

सरकार को ओमीक्रान नियंत्रण योजना तथा अर्थव्यवस्था पर जोर देने में संतुलन की जरूरत है। आखिरकार कोरोना मामलों में नया उभार दिखने लगा है। अब अनुमान लगाने का समय बीत गया है तथा नव वर्ष में दावत के आयोजनों पर नए नियंत्रण लगे हैं। ओमीक्रान मामलों में तेजी से वृद्धि को देखते हुए सुरक्षा व्यवहारों पर जोर देना जरूरी है क्योंकि यही अस्थिर अर्थव्यवस्था को सुधार की ओर ले जा सकता है। चिन्ता की बात है कि लोग ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं, सप्लाई श्रृंखलाओं पर दबाव है तथा अर्थव्यवस्था में सुधार धीमा है। इसके अलावा मुद्रास्फीति चिन्ताजनक बनी हुई है तथा अतीत के श्रम संकट से मुक्ति नहीं मिली है। ऐसे में कठोर नियंत्रणों से सप्लाई व मांगमें बाधा पैदा होगी, उत्पादक क्षमतायें बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं, जनता को आर्थिक गतिविधियों से डर लगेगा तथा खासकर शारीरिक निकटता वाले क्षेत्रों पर संकट गहरा होगा। सरकार ने अब तक वाणिज्यिक व औद्योगिक उत्पादन पर नियंत्रण से बचने के प्रयास किए हैं। इसके साथ ही यात्रा, पर्यटन व अतिथि सत्कार क्षेत्र जो पहले से बहुत बुरी हालत में हैं, चाहते हैं कि सरकार अतिरिक्त क्षमता निर्माण योजनाओं में सहयोग दे। वैज्ञानिक अध्ययनों से पुष्ट होता है कि ओमीक्रान तेजी से फैलता है, पर इससे मौत का खतरा नहीं है। ऐसे में भारत समेत दुनिया भर की सरकारें ऐसी स्थिति का सामना कर रही हैं जहां सावधानी के कारण लगे नियंत्रणों से आर्थिक बाधाओं से बचा जा सके। अमेरिका में सेंटर फार डिजीज़ कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने बिना लक्षण वाले संक्रमितों के लिए एकान्तवास का समय 10 दिन से घटा कर 5 दिन करने का सुझाव दिया है ताकि वे काम पर जल्दी लौट सकें।

अन्य देशों में महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्रों में पूर्ण टीकाकृत कर्मचारियों के लिए हल्के लक्षण होने पर एकान्तवास दिशानिर्देशों में रियायत दी जा रही है। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्यरक्षा, परिवहन, किराना दूकानें व सफाई शामिल हैं। स्पेन भी एकान्तवास का समय घटा रहा है, जबकि इटली ने संक्रमित लोगों से संपर्क में आने वालों के लिए इसे घटाया है। ब्रिटेन ने नव वर्ष में नए नियंत्रण जारी करने की अनिच्छा प्रकट की है। भारत जैसे उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों में सरकारों को ओमीक्रान संक्रमण पर लगाम के साथ ही अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना होगा। ऐसे में 2020 जैसे लाकडाउन का तब तक सवाल नहीं उठता है जब तक स्थिति बिल्कुल असहनीय न हो जाए। हालांकि, उपभोक्ता विश्वास सूचकांक अभी महामारी-पूर्व वाली स्थिति में नहीं लौटा है तथा इसमें सुधार अधिकांशत: उत्पादकता में अबाध गति पर निर्भर है, पर गरीबों की अर्थव्यवस्था भी तुलनात्मक रूप से अमीर कामगारों की अर्थव्यवस्था की तरह नियंत्रणों से व्यथित है। सार्वजनिक परिवहन से यात्रा पर नियंत्रणों के कारण विरोधाभास पैदा हुआ है क्योंकि फैक्ट्रियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। रात्रि कर्फ्यू का असर होटलों तथा खाद्य सप्लायरों पर पड़ रहा है। सरकार को इन समस्याओं को दूर करते हुए ऐसा नीतिगत बयान जारी करना चाहिए जो तीसरी संभावित लहर से निपटने के लिए कारगर हो। कठोर नियंत्रणों से बचने का अर्थ टीकाकरण में तेजी के साथ टेस्टिंग को बढ़ावा देना, ज्यादा टीकाकरण केन्द्र खोलना, टीमों की आपात प्रतिक्रिया मजबूत करना तथा अस्पताल में भर्ती होने की दर पर गहरी नजर रखना है। टेस्टिंग क्षमता का विस्तार होने पर कुछ बच्चे स्कूल लौट सकते हैं। ऐसे में सभी बच्चों को अनिश्चित काल तक घर पर रखने के बजाय पाजिटिव बच्चों को अलग करना ज्यादा आसान होगा। अब हमारी तैयारी 2020 की तुलना में बहुत अच्छी है और यह हमारे दृष्टिकोण से दिखनी चाहिए।

ओटीटी मंचों की बढ़ती लोकप्रियता

ओटीटी की सफलता पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करती है कि कंटेंट नया स्टार है। छोटे फिल्म निर्माता, समृद्ध सामग्री और उपन्यास कहानियां इन मंचों के शिखर हैं।

प्रसन्ना के ओझा
(लेखक वित्त पेशेवर हैं)

80 के दशक के दौरान, फिल्मों की गुणवत्ता में एक स्पष्ट गिरावट आई थी। भारत में उस समय के आसपास रंगीन टीवी पेश किया गया था और धारावाहिक युग की शुरुआत बॉलीवुड की बड़ी कंपनियों को आकर्षित करते हुए हुई थी। हमने तब सोचा था कि फिल्मों के लिए अंतिम खेल शुरू हो गया था। केवल 90 के दशक में फिल्म निर्माण के लिए स्थिति और खराब हो गई और स्मार्ट धारावाहिक निर्माताओं ने मनोरंजन दर्शकों के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। लेकिन वे अभी भी औसत भारतीय नागरिक के लिए आराम के दिन थे। हम पर समय का दबाव नहीं पड़ा और जैसे-जैसे नए फिल्मी सितारे मंच पर आए, ताजगी लाते हुए हमने उन्हें और साथ ही उनकी फिल्मों को भी समायोजित किया।

नई सहस्राब्दी में चीजें वास्तव में होने लगीं और नए जमाने के फिल्म निर्माताओं जैसे फरहान अख्तर, के-जो, आशुतोष गोवारिकर, अनुराग कश्यप, नए जमाने के मल्टीप्लेक्स द्वारा समर्थित, दर्शकों को बेहतर सिनेमा अनुभव के साथ अच्छी फिल्में देना शुरू कर दिया। और एक ड्रीम रन के बाद, टेलीविजन लड़खड़ाने लगा। कारणों को देखना मुश्किल नहीं था। बालाजी टेलीफिल्म्स, सीरियल की दिग्गज कंपनी अपने के के साथ हमारे पास वापस आती रही, समाचारों के तुच्छीकरण की प्रक्रिया ने बड़े समय में निर्धारित किया था, और पिछले कुछ वर्षों से, समाचार चैनल बेतुके थिएटरों की तरह दिख रहे हैं।

लेकिन तब तक एक औसत नागरिक का समय भी निचोड़ने लगा था। फिल्म देखने के लिए तराशने के लिए समय की मात्रा कम होती जा रही थी। औसत व्यक्ति के लिए, 10-15 साल पहले की तुलना में पिछले 5 वर्षों में सिनेमाघरों में जाने की वार्षिक आवृत्ति में कमी आई है। इसी पृष्ठभूमि में ओटीटी (ओवर-द-टॉप मीडिया सर्विस) की घटना हुई। यह तो होना ही था क्योंकि कुछ अलग देखने की जरूरत थी। बॉलीवुड, विशेष रूप से सितारों और ज़ारों ने दर्शकों को हल्के में लेना शुरू कर दिया।

आइए कुछ कारणों की जाँच करें कि ओटीटी वास्तव में ओवर द टॉप क्यों चला गया है। जैसा कि पहले बताया गया है, औसत दर्शकों के लिए संकुचित समय के कारण एक फिल्म के लिए बाहर निकलना मुश्किल होता जा रहा है, जिसमें 4 घंटे का समय लगता है। कोरोनावायरस महामारी के लिए धन्यवाद, हम में से बहुत से लोग घर से काम कर रहे हैं, और ओटीटी उन्हें एक अलग घर से काम करने, वॉच फ्रॉम होम करने के अवसर दे रहा है। टेलीविजन देखना हमारे समय के अनुकूल हो गया है। और आज के दर्शक बीते जमाने के सोफ़ा-आलू नहीं हैं। घर पर व्यस्तताओं को देखने के साथ अच्छी तरह से संतुलित किया जा रहा है क्योंकि ओटीटी हमें शुरू करने और रोकने, किश्तों में देखने, बेहतर समझ के लिए अनुक्रमों को फिर से चलाने, हमारी घड़ी को एक बार या आंशिक रूप से योजना बनाने की अनुमति देता है।

ऐसी कहानियां थीं जिन्हें बताने के लिए 7-8 घंटे की जरूरत होती थी और जाहिर तौर पर ये थिएटर की चीजें नहीं थीं। ओटीटी ने इन कहानियों को वेब श्रृंखला के रूप में बताए जाने की अनुमति दी है और स्मार्ट निर्माताओं ने दर्शकों के समय के साथ स्मार्ट सीक्वल बनाए हैं। इन वेब सीरीज की शुरुआत होती है और ओपन एंडेड होने पर भी बंद होती है। वे अंतहीन रूप से नहीं चलते हैं, लक्ष्यहीन रूप से टीवी सोप ओपेरा की तरह। ओटीटी लघु फिल्मों (जिनके पास रिलीज के लिए अन्य प्लेटफॉर्म नहीं हैं) पर भी एक झलक देता है। यह हमें विशाल कैनवास के साथ प्रस्तुत करता है जो पुरानी फिल्मों, वृत्तचित्रों, इंफोटेनमेंट सामग्री को संग्रहीत करता है।

ओटीटी की उपयोगिता, सुविधा, कंटेंट की विविधता और वहनीयता फिल्म निर्माताओं और थिएटर मालिकों के लिए एक बड़ी चुनौती है। टीवी ने उन्हें दूसरा मौका जरूर दिया, लेकिन उन्होंने इसे गंवा दिया। वे जो नहीं समझ पाए हैं वह यह है कि फिल्म में कोई कितना भी बड़ा स्टार लगा ले, दर्शक घटिया सामग्री को पसंद नहीं करेंगे। बॉलीवुड को गंभीरता से रियलिटी चेक और कंटेंट चेक करना होगा। उन्हें हाल ही में थके हुए जार द्वारा किए गए भूलने योग्य प्रयासों पर फिर से विचार करने की आवश्यकता है जिसके परिणामस्वरूप बंटी-बबली -2, सड़क -2, हंगामा -2 हुआ। धरती पर वे कैसे उम्मीद करते हैं कि लोग इन फिल्मों को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी देखेंगे, अकेले थिएटर में प्रति 400 रुपये छोड़ दें।

मल्टीप्लेक्स के लिए यह खतरनाक समय है। तारा बाजार पिघल रहा है। ओटीटी की सफलता पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करती है कि कंटेंट नया स्टार है। छोटे फिल्म निर्माता, सामग्री से भरपूर, उपन्यास कहानियां सुनाना इन प्लेटफार्मों के लिए सबसे अच्छा है। 80 के दशक के टीवी सीरियल बूम ने हमें बेहतरीन कहानियां और ओम पुरी, अनुपम खेर, इरफान खान, रघुबीर यादव, सतीश शाह, केके रैना, एमके रैना जैसे कई अच्छे कलाकार दिए। ओटीटी बूम ने हमें कई नए कलाकार भी दिए हैं, जिन्होंने वेब सीरीज और कई गुणवत्ता वाली फिल्मों में काम किया है। अगर वे अपने पुराने, सूत्र ट्रिक्स के साथ जारी रखते हैं, तो सभी के लिए जगह है, सिवाय सितारों के।

बिजनेस मॉडल में व्यापक बदलाव की जरूरत है। ओटीटी पर पार्क होने से पहले, हाल ही में रिलीज़ हुई एक फिल्म में सिनेमाघरों से अधिकतम दूध निकालने के लिए सिर्फ 3-4 सप्ताह का समय होता है। सितारों को खुद का फिर से आविष्कार करना होगा या बॉलीवुड को अपने उपक्रमों में चमक लाने के लिए नए सितारों का आविष्कार करना होगा। अभी, उनमें से कुछ झुंड की मानसिकता के बाद सामान्य वेब श्रृंखला को खत्म करने में खुद को तसल्ली देने में व्यस्त हैं। यहाँ भी, उनके पहले के कार्यों में दिखाए गए शुरुआती वादे फीके पड़ गए हैं और नवीनतम पेशकशें बेकार हैं। श्रृंखला के बिंदु में एक मामला - इनसाइड एज; सीज़न -3 जो हमारे सामूहिक दिमाग के बाहरी किनारे से चूक गया। बॉलीवुड के बड़े लोगों को सही कंटेंट और सही पैमाना खोजने के लिए अपने अभिनय को एक साथ लाना होता है। बड़ा प्रोडक्शन निश्चित रूप से जानता है कि बड़ा मुल्ला केवल थिएटर रिलीज में है और हमारे पास लाभ उठाने के लिए मल्टीप्लेक्स का एक बहुत बड़ा नेटवर्क है। सब ने कहा और किया, ऐसा नहीं हो सकता कि लोग सिनेमाघरों में फिल्में देखना छोड़ दें। हम में से बहुत से लोग बाहर निकलने की इच्छा रखते हैं, और सिनेमाघरों में सिनेमाई अनुभव का अनुभव करते हैं, भले ही यह कभी-कभार ही क्यों न हो। आउटिंग प्लस सिनेमा एक मनगढ़ंत कहानी है जिसने हमेशा अतीत में काम किया है और भविष्य में भी काम करेगा, किसी भी प्रतिकूल महामारी प्रभाव के लिए ऑफ-कोर्स को समायोजित करना। लेकिन निराशाजनक किराया सिनेमाघरों में जाने की इच्छा को कम कर देगा। सवाल यह है कि क्या बॉलीवुड ऐसी सामग्री बना सकता है जो हमें वर्तमान परिस्थितियों में सिनेमाघरों में अधिक बार आकर्षित करे, इस तथ्य को देखते हुए कि हमारी उंगलियों पर अच्छी, भरोसेमंद और समझने योग्य सामग्री उपलब्ध है।

स्टार + कोई भी कंटेंट = अच्छी ओपनिंग + शानदार रिटर्न का यह फॉर्मूला अब काम नहीं करता। और यह ओटीटी पर भी काम नहीं करेगा। वे सूर्यवंशी के साथ दूर हो गए क्योंकि दर्शकों ने सिनेमाघरों को लंबे समय के बाद खोला था। लेकिन एक ऐसे ही चंद्रवंशी को सजा मिलने वाली है। अब हमारे पास दंड देने की शक्ति है और यह ओटीटी होने का सबसे बड़ा लाभ है- इसने बाजार की ताकतों को मजबूत किया है।

अधिक वास्तविक रूप से, वे यह जांच सकते हैं कि भारतीय सिनेमा के दक्षिण विस्तार ने दिलचस्प सामग्री (जैसे जय भीम, पुष्पा) के साथ स्टार पावर को कैसे जोड़ा, जिसने सभी मंचों पर बड़े पैमाने पर काम किया है और अधिक महत्वपूर्ण रूप से पैन-इंडिया में काम किया है। इसलिए, जब 5 में से 4 व्यक्ति, जिनसे आप बात करते हैं, बॉलीवुड के बारे में निराशावादी लगते हैं, तो संबंधित को यह महसूस करने की आवश्यकता है कि कुछ गड़बड़ है।

लेकिन हम, दर्शक शिकायत नहीं कर रहे हैं। हमारी थाली में पर्याप्त विविधता और मात्रा है। और इसके बाद बॉलीवुड को भी शिकायत नहीं करनी चाहिए। उन्हें पर्याप्त चेतावनी दी गई है।

ममता के विवादास्पद चुनाव सुधार

> चुनाव प्रक्रिया प्रबंधन में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के चुनाव-पूर्व गठबंधनों पर भी ध्यान देना चाहिए।

अमिताभ सेना
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आक्रामक शैली तथा पश्चिम बंगाल की सामाजिक-राजनीतिक पहचान के बीच एक संतुलन स्थापित हो गया है। इसके चलते तृणमूल कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी को राज्य विधानसभा में किसी सीट पर चुनाव जीतना बहुत कठिन बना देती है। इससे उनको भाजपा तथा देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के बीच राष्ट्रीय स्तर पर स्थान बनाने का अवसर मिल गया है। याद करें तीन दशक पहले उन्होंने पश्चिम बंगाल कांग्रेस समिति अध्यक्ष बनाने के मामले पर गुप्त मतदान के खिलाफ विद्रोह किया था और इसके परिणामस्वरूप 1992 में उनकी पराजय हुई थी। तब उन्होंने इसे स्वीकार किया तथा अनेक लालचों के बावजूद पार्टी में बनी रहीं। 'जन्मजात विद्रोही' शब्द उनके लिए पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने उस समय गढ़ा था जब उनको 22 दिसंबर, 1997 को कांग्रेस से बाहर का रास्ता दिखाया गया और उन्होंने 1 जनवरी, 1998 को अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस शुरू की। जैसा कि प्रणव मुखर्जी ने अपनी आत्मकथा में लिखा है, उनके प्रभामंडल को न समझा जा सकता था और न उसे अनदेखा किया जा सकता था। पश्चिम बंगाल की समकालीन राजनीति तथा अपने दशकों लंबे राजनीतिक अनुभव को देखते हुए 2002 में ममता ने देश की राजनीतिक व्यवस्था में कुछ व्यापक व मूलभूत परिवर्तनों का सुझाव दिया। 2012 में पश्चिम बंगाल की सत्ता में वापस आने के बाद अपनी पुस्तक अशुभ संकेत में ममता ने एक परिवर्तनकारी व समग्र राजनीतिक दृष्टिकोण का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव के पहले राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए तथा निर्वाचन आयोग-ईसी को निर्णायक अधिकारी के

रूप में चुनाव पूर्व व चुनाव पश्चात स्थिति पर नजर रखने का पूर्ण अधिकार होना चाहिए। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के अन्य उपायों के साथ ईसी को पहली तथा सर्वोच्च जिम्मेदारी दी जानी चाहिए कि वह बिना संबंधित सत्तारूढ़ पार्टी से सहायता मांगे चुनाव में आत्मनिर्भर हो सके। चुनाव प्रक्रिया के प्रबंधन में मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों के चुनाव-पूर्व गठबंधन पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उनका सुझाव था कि राष्ट्रपति चुनाव के दो महीने पहले निर्वतमान सरकार को भंग कर दें तथा ईसी राजनीतिक पार्टियों के लिए समग्र चुनाव संहिता लागू करे। संहिता के उल्लंघन पर पार्टी को चुनाव प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाना चाहिए। काले धन का उपयोग पूरी तरह रोकने तथा मुद्रा प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए चुनावों की पूरी तरह फंडिंग राज्य द्वारा की जानी चाहिए।

यदि आवश्यक हो तो राष्ट्रहित में जनता पर एक प्रतिशत तथा राजनीतिक पार्टियों पर पांच प्रतिशत सरचार्ज लगाया जा सकता है। वित्तीय सहायता के बजाय राज्य फंडिंग अथारिटी सभी ईसी-मान्यता प्राप्त पार्टियों को चुनाव सामग्री प्रदान करे। ममता बनर्जी ने राज्य फंडिंग के बारे में अपने प्रस्ताव भारत के राष्ट्रपति को भेजे थे जिनको बाद में तत्कालीन प्रधानमंत्री के पास भेज दिया गया। लेकिन इन पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। एक महत्वपूर्ण सुझाव कुल मतों के 75 प्रतिशत तक मतदान को सीमित रखना था। ममता ने कहा था कि 35 से 65 प्रतिशत के बीच मतदान को वास्तविक मतदान प्रवृत्ति के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। बाकी मतदान अधिकांशत: फर्जी होता है। ऐसे में मतदान का केवल एक निश्चित प्रतिशत ही वास्तविक मतदान माना जा सकता है। उनका विश्वास है कि चुनाव में धांधली के लिए प्रशासनिक अधिकारियों से खुली सांठगांठ होती है, पर ईसी इस मामले में चुप रहता है। पार्टियों के बीच नेताओं के राजनीतिक पालाबदल के बारे में ममता का कहना है कि इसका अर्थ 'धोखाधड़ी' है। उनका प्रस्ताव है कि किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को दूसरी पार्टी में जाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए और इसके लिए पहले उसे अपनी सीट से इस्तीफा देना चाहिए। ममता ने राज्यसभा चुनावों के संबंध में भी सुधार के सुझाव दिए हैं। उनका कहना है कि जोड़तोड़ से बचने के लिए गुप्त मतदान के बजाय खुले चुनाव कराए जाने चाहिए। फर्जी मतदान रोकने के लिए उनका कहना है कि यदि कोई वास्तविक मतदाता पता लगाता है कि उसके बजाय फर्जी मतदान किया गया है तो उसके मत तथा फर्जी मत, दोनों को खारिज किया जाना चाहिए। चुनाव सुधारों पर ममता बनर्जी के प्रस्तावों पर भारतीय लोकतंत्र के हित में राष्ट्रीय बहस कराई जानी चाहिए।

आप की बात

उचित निर्णय ले सरकार

क्रिप्टो करेंसी एक बार फिर चर्चा में है। आम आदमी और सरकार के बीच मतैक्यता के कारण अभी इस पर स्वस्थ बहस नहीं हो पाई है मगर इसकी आड़ में कर चोरी का जो मामला पकड़ा गया है वह देश हित में नहीं है। सरकार को जल्द ही इस दिशा में सार्थक कदम उठाकर इसका समाधान करना चाहिए ताकि कर चोरी के चुने से देश को बचाया जा सके। क्रिप्टो करेंसी के जरिए देश में जारी बड़े पैमाने पर आर्थिक लेनदेन बिटक्वाइन एक्सचेंज के रूप में सामने आया है। करोड़ों के इस लेनदेन से उस संस्था का कार्य प्रभावित नहीं हुआ मगर इससे देश को एक बड़ी राशि का चुना टैक्स न चुकाने की वजह से लगा है। वजीरएक्स पर छापे के बाद जो जानकारी सामने आई है उससे पता चलता है कि करोड़ों रुपए की कर चोरी इस मामले में हुई है। 70 करोड़ के टैक्स चोरी के आंकड़े के बाद अब मामला संदिग्ध लगता है जिसमें गहराई से जांच जरूरी है। चुंकि इस सेवा का दायरा बड़े पैमाने पर देश भर में फैला हुआ है ऐसे में जरूरी यह हो जाता है कि सरकार इससे जुड़े तमाम तार खंगाले और टैक्स की पाई पाई को वसुलने के साथ ही कर चोरों को कड़ी सजा भी दे जिससे देश के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचना बंद हो।

- **अमृतलाल मारू,** दसई, मप्र

महामारी से प्रभावित विद्यार्थी

बीता एक साल हर विद्यार्थी के लिए काफ़ी कठिन रहा। दरअसल जब कोरोना महामारी के दौरान सरकार द्वारा सभी आकादमिक संस्थानों को बंद करने के आदेश दे दिए गए; ऑनलाइन कक्षाएं शुरू हुई और विधार्थी ऑनलाइन कक्षाएं अटेंड करने लगे, अब हुआ क्या कि ऑफलाइन कक्षाओं के अभाव में विधार्थी पाठ्यक्रम को समझने में दिक्कतों का सामना करने लगे। दरअसल, एक असमंजस्य सा भरा माहौल बच्चों के इर्द-गिर्द घूमने लगा और विद्यार्थी अपने आप को परेशानियों में देखने लगे थे। उसके बाद जब स्थिति थोड़ी सुधरने लगी तब कोरोना की दूसरी लहर का आगमन हुआ और कारणवश सब लोग खासकर विद्यार्थी शारीरिक, और मानसिक रूप से प्रभावित होने लगे। अब ऐसी स्थिति फिर बन रही है जब ओम्रीकॉन और डेल्टा वेरिएंट के मामले सामने आ रहे हैं, अब डर इसी बात का है कि कहीं इस बार पिछले बार की तरह विद्यार्थीयों को घर के दरवाज़े न देखना पड़े। अगर ऐसा होता है तो स्थिति का बद से बद्तर होना लाज़मी होगा। अत: हम बस प्रार्थना कर सकते हैं की स्थिति में जल्द सुधार आएं ताकि विद्यार्थी अच्छे रहे और फिर उन्हें किसी तरह की परेशानियों का सामना ना करना पड़े।

- **निखिल रस्तोगी,** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा

प्रशंसनीय पहल

एक जानकारी के मुताबिक मानसिक रोगी का कराया इलाज,परिवार से भी मिलवाया खबर पढ़ने को आई। इंदौर के एम वाय अस्पताल के सामने मिले लावारिस मानसिक रोगी बलराम जो अब ठीक हो चुका है। कुछ समाजसेवियों और अधिकारियों की मदद से इलाज करवाया साथ ही स्वस्थ्य होने पर उसके स्वजन से मिलवाया। कहने का तातपर्य ये है कि अब समाजसेवियों ओर अधिकारियों का ध्यान उस और ज्यादा केंद्रित हुआ। ये एक प्रशंसनीय पहल है। एक जानकारी के डब्लूएचओ के अनुसार आधुनिक जीवन शैली,भागदौड़ भरी जिंदगी,रातों रात शिखर पर पहुंचने की आंकाक्षा और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण विश्व में 45 करोड़ लोग मानसिक बिमारियों जैसे तनाव, मानसिक अवसाद और असुरक्षा की भावना से ग्रस्त है। मानसिक रोगियों के संख्या बढ़ती दिखाई देने लगी है। मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति के चिंताजनक पहलू के हिसाब से इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाए जाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को गति देने की आवश्यकता है।

- **संजय वर्मा,** मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

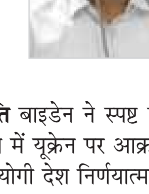

धर्मांतरण विरोधी कानूनों जैसे बनावटी मुद्दों से अब जनता प्रभावित होने वाली नहीं है।

- **रणदीप सुरजेवाला**
कांग्रेस नेता

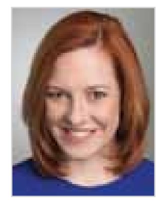

राष्ट्रपति बाइडेन ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि रूस भविष्य में यूक्रेन पर आक्रमण करता है तो अमेरिका व सहयोगी देश निर्णयात्मक प्रतिक्रिया करेंगे।

- **जेन साकी**
व्हाइट हाउस प्रेस सचिव

अखिलेश को कल्याण सिंह को नहीं बल्कि जिन्ना को याद करते हैं। क्या आप जिन्ना का महिमामंडन करने वालों को वोट देंगे।

- **अमित शाह**
केंद्रीय गृहमंत्री

दो करोड़ श्रमिकों को आज मिलेगा भरण-पोषण भत्ता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

असंगठित कामगारो-निर्माण श्रमिकों की जीवन और जीविका को सुरक्षित रखने के संकल्प के मद्देनजर कल सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो करोड़ श्रमिकों को एक हजार रुपये की राशि उनके खाते में सौंपेंगे। प्रदेश में कुल पंजीकृत कामगारों की संख्या 50908745 करोड़ (पांच करोड़ 90 लाख आठ हजार 745) है। इसमें से ई श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगठित कामगारों की संख्या 38160725 और बीओसी डब्लू बोर्ड के अंतर्गत कुल पंजीकृत कामगारों की संख्या 12748020 है।

पहले चरण में कुल दो करोड़ कामगारों के खाते में भरण पोषण भत्ता भेजा जाएगा। योगी सरकार ने पहले भी श्रमिकों, स्ट्रीट वेंडरों, रिक्शा चालकों, कुलियों, पल्लेदारों आदि को भरण पोषण भत्ता ऑनलाइन उपलब्ध कराया है। श्रमिकों को भरण पोषण भत्ता देकर

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक हजार रुपये की राशि प्रत्येक श्रमिक के खाते में भेजेंगे

देश में प्रदेश को पहले पायदान बैठाने का काम किया था क्योंकि योगी सरकार से पहले देश के किसी प्रदेश ने इस व्यवस्था पर काम नहीं किया था। हालांकि इसके बाद कई राज्यों ने इस व्यवस्था को अपने यहां लागू किया। योगी सरकार एक बार फिर कोरोना काल में श्रमिकों और वंचित तबके की जीवन और जीविका बचाने का काम फिर शुरू करने जा रही है। वैश्विक महामारी कोरोना की मार से समाज का हर तबका प्रभावित रहा। चूंकि दूसरी लहर पहले की तुलना में 30 से 50 गुना अधिक संक्रामक थी, लिहाजा इसका असर भी उसी अनुसार रहा। इसके साथ यह भी सच है कि समाज का सबसे वंचित तबका

जिसके परिवार का गुजारा उसकी मुखिया की रोज की कमाई पर निर्भर करता है, वह इस अभूतपूर्व और अप्रत्याशित महामारी से सर्वाधिक प्रभावित रहा। इसमें सड़क के किनारे रेहड़ी, खोमचा लगाने वाले, रिक्शा और ठेला चालक, नाई, धोबी, दर्जी, मोची, फल और सब्जी विक्रेता आदि शामिल हैं। इसके अलावा एक बड़ा वर्ग उन श्रमिकों का है जो निर्माण कार्य से जुड़े हैं।

कोरोना के पहले संक्रमण के दौरान भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे आकर समाज के इस सबसे वंचित वर्ग की हर संभव मदद की थी। दूसरे चरण में भी यह सिलसिला जारी रहेगा। कोविड महामारी के बीच जीवन और जीविका को सुरक्षा को सुनिश्चित करने के प्रयासों के क्रम में शहरी क्षेत्रों में दैनिक रूप से कार्य कर अपना जीविकोपार्जन करने वाले ठेला, खोमचा, रेहड़ी, खोखा आदि लगाने वाले पटरी दुकानदारों, दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा ई.रिक्शा चालक, पल्लेदार सहित नाविकों, नाई, धोबी, मोची, हलवाई आदि जैसे परम्परागत कामगारों को एक माह के लिए 1,000 का भरण.पोषण भत्ता प्रदान किया। योगी सरकार ने विगत वर्ष कोविड काल में रिक्शा चालकों, पटरी व्यवसायियों, निर्माण श्रमिकों, अंत्योदय श्रेणी के लोगों व अन्य गरीब परिवारों को भरण पोषण भत्ता व परिवार के प्रत्येक सदस्य को राशन प्रदान किया था।

योगी आज पुरुषोत्तम दास टंडन हाल में तैलीय चित्र का करेंगे लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने कहा कि भारत को शक्ति सम्पन्न, ज्ञान सम्पन्न और समृद्धिशाली बनाने के लिए वास्तविक ज्ञान से युक्त इतिहास बोध से जोड़ना चाहिए। हमारा इतिहास गौरवशाली दर्शन और व्यापक सामाजिक संगठन व राष्ट्रीय एकता का प्रेरक अध्याय है लेकिन अंग्रेजी राज के दौरान अंग्रेजी सत्ता के लिए सुविधाजनक इतिहास लेखन किया गया। यह भारतीय हितों के विरूद्ध था लेकिन इसी इतिहास दृष्टि को आगे बढ़ाया गया।

श्री दीक्षित ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा 3 जनवरी को प्रात: 9.30 बजे राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन हॉल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, विधिवेत्ता डॉ भीमराव आम्बेडकर व पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद के तैल चित्रों का अनावरण किया जायेगा, तदोपरान्त गेट नं 9 स्थित विधान मण्डल प्रकाशन विक्रय केन्द्र का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री के लोक भवन आगमन पर संसदीय कार्यमंत्री द्वारा स्वागत भाषण एंव 9.50 बजे लोक भवन सभागार में अध्यक्ष विधान सभा द्वारा अब तक लिखित एवं प्रकाशित समग्र साहित्य के संकलन व उनके मार्गदर्शन में विधान मंडल पुस्तकालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों के विमोचन के उपरान्त डॉ. इन्दीवर पाण्डेय साहित्यकार, उपाध्यक्ष विधान सभा नितिन अग्रवाल, सभापति विधान परिषद कुँवर मानवेन्द्र सिंह के उद्बोधनोपरान्त पूर्व राज्यपाल उ़प्र राम नाईक पर लिखित पुस्तक कर्मयोद्धा राम नाईक का विमोचन के पश्चात डा अम्मार रिजवी का उदबोधन होगा।

योगी सरकार के काम से कांग्रेस भूली अपना ही नारा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीते विधानसभा चुनावों में कांग्रेस, सपा से गठबंधन कर 27 साल यूपी बेहाल के नारे के साथ चुनाव मैदान में उतरी थी। अब कांग्रेस अपना यह नारा भूल चुकी है। इसकी वजह है योगी सरकार द्वारा अपने काम से यूपी की बदली गई तस्वीर। बीते पौने पांच वर्षो के दौरान यूपी में शिक्षा, स्वास्थ्य, कारोबार और रोजगार सहित सभी क्षेत्रों में बेहतर कार्य हुआ है। यूपी पर पिछड़े राज्य होने का लगा तमगा भी प्रदेश सरकार द्वारा कराए गए कार्यों के चलते हट गया है। इन सबको ध्यान में रखते हुए ही प्रियंका गाधी से लेकर कोई कांग्रेसी नेता यूपी बेहाल का नारा लगाने की हिम्मत नहीं कर रही है। और अब कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी मैं लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ, के नए नारे के साथ लोक लोभावन घोषणाएं कर कांग्रेस के लिए अच्छे दिन आने का सपना देख रही हैं।

लंबे समय से यूपी की राजनीति में सक्रिय रहने वाले तमाम नेताओं का कुछ ऐसा ही मानना है। इन जानकारों के अनुसार बीते तीन दशक से कांग्रेस पार्टी यूपी के हर चुनाव में इमरजेंसी सरीखी हार का झेल रही है। तीन दशक पहले कांग्रेस को यूपी में 269 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। इसके बाद से अब तक छह विधानसभा चुनाव हुए हैं। इन छह चुनावों में कांग्रेस को महज 242 सीटों पर ही जीत हासिल हुई है। तीन दशक पहले यूपी में कांग्रेस ने आखिरी बार नारायण दत्त तिवारी की अगुवाई में सत्ता का स्वाद चखा था। 5 दिसंबर 1989 को नारायण दत्त तिवारी ने मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ी और इसके बाद कांग्रेस कभी भी यूपी की सत्ता में वापसी नहीं कर पाई। रोचक तथ्य तो यह है कि इसके बाद हुए हर विधानसभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव और मायावती का ता कद बढ़ता गया लेकिन कांग्रेस पिछड़ती गई। ऐसे में पार्टी की स्थिति में बदलाव के लिए कांग्रेस ने वर्ष 2016 में 17 साल यूपी बेहाल का नारा बुलंद किया और राहुल गांधी ने यूपी पर ध्यान केंद्रित किया। राहुल अपने इस अभियान को आगे तक ले नहीं जा

● अब यूपी बेहाल का नारा नहीं लगाते कांग्रेसी नेता और प्रियंका

● योगी सरकार ने बदली यूपी की तस्वीर, यूपी 44 योजनाओं में नंबर वन

सके क्योंकि कांग्रेस का संगठन जर्जर हो चुका था। इस वजह से कांग्रेस ने वर्ष 2017 सपा से चुनावी गठबंधन किया। फिर भी उसके अच्छे दिन नहीं आ सके। कांग्रेस ने सपा के साथ गठबंधन कर 114 सीटों पर चुनाव लड़ा था। तब सिर्फ6.2 प्रतिशत वोट हासिल कर कांग्रेस को सात सीटों पर ही जीत मिली थी। इन चुनावों में कांग्रेस पर राज्य के 5416324 लोगों ने ही विश्वास कर उसे वोट दिया था। यूपी के कांग्रेस की इस स्थिति का आकलन करने के बाद ही कांग्रेस पार्टी ने अपनी राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर दांव लगाया है। वैसे प्रियंका इस चुनावी वैतरणी से पार उतरने के लिए, लोकलुभावन राजनीति का जुआ खेल रही हैं। उन्होंने यूपी विधानसभा की 403 सीटों पर 40 फीसद महिला उम्मीदवार लड़ाने की घोषणा के साथ इसकी शुरुआत की। राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने पर किसानों की कर्जमाफी की घोषणा की। तीसरी घोषणा लड़कियों को स्मार्टफोन और स्कूटी देने की और चौथी घोषणा नागरिकों को 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा देने की है। प्रियंका गांधी की इन घोषणाओं से एक सवाल यह भी उठ रहा है कि उनकी पार्टी ये घोषणाएं पंजाब, उत्तराखंड, गोवा या मणिपुर जैसे अन्य चुनावी राज्यों में क्यों नहीं कर रही है? क्या वहां की महिलाओं, किसानों और गरीबों को इसकी जरूरत नहीं है? फिलहाल राज्य में प्रियंका की इन घोषणाओं का असर दिख नहीं रहा है क्योंकि बीते पांच वर्षों में योगी सरकार ने यूपी को शून्य से शिखर तक ले जाने के तमाम ऐसे कार्य किए हैं जिनसे यूपी में हर वर्ग को लाभ मिला है।

भाजपा और सपा के चेहरे अलग लेकिन आत्मा जुड़ी हुई हैं: सतीश चंद्र मिश्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्र ने प्रदेश सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि प्रदेश के मुखिया हिटलर और मुसोलिनी के रास्ते पर चल रहे हैं। बसपा ने सभी विपक्षी पार्टियों को यह दिखाया था कैसे सरकार और प्रदेश को संभाला जाता है। भाजपा-सपा बसपा शासनकाल की नकल करके सरकार चलाना चाहती है, लेकिन ये दोनों नकल करने में भी फेल साबित होते है।

रविवार को सरोजनी नगर

● हिटलर और मुसोलिनी के रास्ते पर चल रहे हैं प्रदेश के मुखिया

विधानसभा सीट पर बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की नीतियों पर आधारित सरकार बनाने हेतु क्षेत्र स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मिश्र ने कहा कि भाजपा और सपा मिलीभगत से कराती है प्रदेश में हिन्दू-मुस्लिम दंगे। भाजपा और सपा के चेहरे अलग हैं लेकिन आत्मा जुड़ी हुई है। महिलाओं का शोषण सपा और भाजपा शासनकाल में सबसे ज्यादा हुआ। बहन जी ने सबसे पहले पूरे प्रदेश में महिलाओं के लिए महिला थाना का निर्माण करवाया था। मिश्र ने कहा कि युवाओं का वोट खरीदने के लिए उनको मोबाइल और टेबलेट दिया जा रहा है। चुनाव करीब है तो कांग्रेस और भाजपा को महिलाओं की फिर से याद आ रही है। आज से कई दशक पहले बहन मायावती महिलाओं को सशक्त आवाज बनी थी और महिलाओं को लड़ना सिखाया था। श्री मिश्रा ने कहा कि बीते चुनाव के दौरान भाजपा ने बेरोजगार युवकों को नौकरी, किसानों की आय दो-गुनी और महिला को सुरक्षा देने का वादा किया था। लेकिन शिक्षित युवा वर्ग को रोजगार के नाम पर पकौड़ा बेचने, किसानों को आय दोगुनी करने के बजाए तीन काले कानून ले कर आ गए।

भाजपा की जनविश्वास यात्रा के लखनऊ में प्रवेश करने पर स्वागत करते कैबिनेट मंत्री आशुतोष टंडन व अन्य नेता गण

अखिलेश यूपी को फ्री में गुंडाराज ही दे सकते हैं: धर्मेंद्र प्रधान

लखनऊ। बीजेपी के प्रदेश चुनाव प्रभारी व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यूपी में केवल गुंडाराज ही फ्री में दे सकते हैं। अपनी सरकार में इन्होंने केवल रामपुर और सैफई को ही बिजली दी थी पूरे प्रदेश को इन्होंने अंधेरे में रखा था। अपने ट्वीट में उन्होंने सपा, बसपा और कांग्रेस तीनों को आड़े हाथों लिया। कहा किए चालीस साल कांग्रेस सत्ता में रही बसपा रही, तीन-तीन बार सपा ने शासन किया, अखिलेश खुद पांच साल मुख्यमंत्री रहे। क्यों नहीं बिजली फ्री कर दी जब सत्ता में रहे तो आजम खान के रामपुर और खुद के गांव सैफई के अलावा पूरे प्रदेश में बिजली की हालत आई नहीं कि गयी वाली थी। गुंडाराज देने वाले अब बिजली फ्री देने की बात कर रहे हैं। अब तो अखिलेश जी राम मंदिर बनाने के भी दावे कर रहे हैं जबकि सबको पता है कि रामभक्तों पर गोली सपा ने ही चलवाई थी। झूठ का ढोल पीटने वालों की विश्वसनीयता शून्य है। लाल टोपी वालों को इस बार भी जोर का झटका लगने वाला है।

अखिलेश ने की नवनिर्मित भगवान परशुराम मंदिर में पूजा अर्चना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के गोसाईगंज के पास स्थित महुराकलां गांव में नवनिर्मित भगवान परशुराम मंदिर में पूजा अर्चना के साथ आरती की। मंदिर में पूजा-आरती के बाद उपस्थित साधु-संतों, आचार्यों ने अखिलेश यादव का तिलक कर विजयी होने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि श्री यादव ही प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री बनेंगे और समाजवादी पार्टी को प्रचंड बहुमत मिलेगा।

मंदिर परिसर में रंगीन रंगोली जहां अपनी छटा बिखेर रही थी वहीं शंखध्वनि, वेदमंत्रोच्चार और डमरूवादन से वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंग गया था। इस अवसर पर प्रदेश के कोने कोने से आए ब्राह्मणों के साथ आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में स्त्री पुरुष और बच्चे अखिलेश यादव को देखने के लिए, एकत्र थे। मंदिर तक उनके समाजवादी विजय रथ यात्रा के आगे बग्घियां चल रहीं थीं। परशुराम भगवान की जय और नमः शिवाय के नारों के बीच अखिलेश यादव ने परशुराम मंदिर में पूजा और आरती की। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व विधानसभाध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय, पूर्व मंत्री मनोज पाण्डेय, के साथ कार्यक्रम के मुख्य आयोजक संतोष पाण्डेय मौजूद थे। इनके साथ अखिलेश यादव ने 68 फिट

ऊंचे भगवान परशुराम के फरसे को भी पुष्पांजलि अर्पित की तथा आरती की। अपनी ऊंचाई से रोशनी बिखेरता फरसा सबका ध्यान आकर्षित कर रहा था। मंदिर के भव्य कार्यक्रम में जहां काशी के डमरू दल के 101 युवा डमरू ध्वनि कर रहे थे वहीं काशी, मथुरा, अयोध्या और प्रयागराज से आए साधु संतगण, मंत्रोच्चार कर रहे थे। 551 वेद पाठी ब्राह्मण अलग वैदिक मंत्रोच्चार कर रहे थे। साथ ही शंखध्वनि से वातावरण गुंजित था। संतोष पाण्डेय पूर्व विधायक लम्भुआ ने विशाल परिसर में स्थित मंदिर में साढ़े सात कुंतल की भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापित की है। कांसे की इस मूर्ति को जयपुर के मूर्तिकारों ने बनाया है। इस अवसर पर कार्यक्रम में माता प्रसाद पाण्डेय, गणेश शंकर पाण्डेय, मनोज पाण्डेय, जयशंकर पाण्डेय, कुशल तिवारी, सनातन पाण्डेय, प्रो बी पाण्डेय, प्रो अभिषेक मिश्रा, विनय शंकर तिवारी, आलोक तिवारी, ब्रम्हाशंकर त्रिपाठी, आशुतोष उपाध्याय, सुभाष राय, प्रदीप तिवारी, उमेश पाण्डेय, जयराम पाण्डेय सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

कार सेवकों पर गोली चलवाने वाले आज कर रहे हैं परशुराम की मूर्ति का अनावरण: स्वाती

● मंत्री ने विपक्ष की भक्ति को बताया भाजपा की सांस्कृतिक जीत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यह भाजपा की सांस्कृतिक जीत ही है कि कार सेवकों पर गोली चलवाने वाले आज भगवान परशुराम के मूर्ति के अनावरण पर जा रहे हैं। मंदिर जाने का ढोंग कर रहे हैं। कोई जनेऊ दिखाता है तो कोई संगम स्नान करने चला जाता है। छद्म रूप से जनता के सामने खुद को पुजारी साबित करने में जुटे हुए हैं लेकिन जनता जानती है। अत्याचारियों, अपराधियों की मदद करने वालों का वह साथ नहीं दे सकती। ये बातें रविवार को प्रदेश सरकार की मंत्री व सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक स्वाती सिंह ने कहीं वे अपने विधानसभा के गोदौली सहित कई क्षेत्रों में दौरा करने के दौरान लोगों से बात कर रही थीं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने महिलाओं, गरीबों, वंचित, व्यापारी सबके लिए काम किया है। कोरोना काल में एक एक जिन्दगी को बचाने के लिए सरकार ने हर कदम उठाये। एक तरफ महामारी में जहां पूरा विश्व कराह रहा था। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हम हर एक जान को बचाने का प्रयास करते हुए भी प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर रहे थे। यही कारण है कि कभी बीमारू राज्यों में गिना जाने वाला यह प्रदेश आज आर्थिक रूप से संपन्न हो गया है। यहां क्राइम कम होने से उद्योग जगत यहां आ रहा है। स्वाती सिंह ने कहा कि हमारे लिए, हमारा विधानसभा एक परिवार है। मैंने कभी यहां के लोगों को वोट बैंक नहीं माना। आप सभी के हर सुख दुख में साथ रही। आपकी सेवा में लिए कल, आज और कल भी तत्पर रहूंगी।

अखिलेश यूपी में गुंडागर्दी और माफियाराज लौटाने का सपना देख रहे हैं: स्वतंत्र देव सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई की प्रतिमा का अनावरण करने सीतापुर जिले के अटल चौक पहुंचे। वहां मौजूद सभा को संबोधित करते हुए एक तरफतो उन्होंने अटल बिहारी बाजपेई के सुशासन की याद दिलाई वहीं विपक्ष खास तौर पर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। श्री सिंह ने कहा कि सपा के शहजादे कहते हैं कि ठोको ताल, पहचान हमारी टोपी लाल, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि आज बच्चा-बच्चा जानता है कि लाल टोपी वाला आदमी गुण्डा होता है। सपा शासन के कानून-व्यवस्था की दुर्दशा की बात करते हुए उन्होंने कहा कि 2017 से पहले हर घर में माँ कहती थी कि बच्चों सो जाओ, वरना लाल टोपी वाले गुण्डे आ जाएँगे। महिलाओं के साथ बदसलूकी होती थी और सपा के मुखिया कहते थे कि लड़कों से गलती

हो जाती है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज योगी सरकार में यदि कोई बहन-बेटियों से बदसलूकी करता है तो वह सीधे जेल के अंदर जाता है या जमीन के अंदर।

श्री सिंह ने कहा कि उन्होंने अंतिम सांस तक दलित, शोषित, वंचित समाज के लिए कार्य किया। अटल जी देश की एक धरोहर थे और अटल जी के विचारों के कारण ही भाजपा आज शीर्ष पर पहुंची है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अटल बिहारी बाजपेई इस देश की मिट्टी की आत्मा में बसते हैं और मेरे जैसे कार्यकर्ताओं ने उनसे बहुत कुछ सीखा है। श्री सिंह ने कहा कि पार्टी ने हमें बस देश और देश के लोगों की सेवा में हर क्षण समर्पित करना सिखाया है। जो लोग मुझे जानते हैं, उन्हें पता है स्वतंत्र सिंह देव हर क्षण उनकी सेवा में हाजिर है। ये समर्पण हमने अटल जी से ही सीखा है। वह सिर्फ हमारे नेता ही नहीं थे वह मेरे जैसे करोड़ों कार्यकर्ताओं के अभिभावक भी थे।

भाजपा ने श्मशान बनवाए, हम स्कूल और अस्पताल बनवाएंगे

● आप की सरकार बनी तो 18 वर्ष से ऊपर की यूपी की सभी महिलाओं को हर माह एक हजार रुपये महीना सम्मान राशि दी जाएगी: केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लखनऊ के स्मृति उपवन में रविवार को हुंकार भरकर प्रदेश का सियासी माहौल गर्मा गए। अपने संबोधन में भाजपा पर तीखा वार किया तो वहीं सपा-बसपा को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने दो टूक कहा, भाजपा ने श्मशान बनवाए, मुझे मौका दो स्कूल और अस्पताल बनवाएंगे। आप संयोजक ने खुद को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का परम भक्त बताया और कहा कि बाबा साहब का सपना था इस देश के हर नागरिक को अच्छी शिक्षा मिले मैं इस सपने को पूरा करूंगा । बिजली मुद्दे पर उन्होंने कहा कि फ्री बिजली देना सिर्फ मुझे आता है।

दिल्ली में 35 लाख लोगों को फ्री बिजली दे रहे हैं। इसके साथ ही मंच से बड़ा एलान करते हुए, केजरीवाल ने कहा कि सरकार बनी तो 18 वर्ष से ऊपर की यूपी की सभी महिलाओं को हर माह एक हजार रुपये महीना सम्मान राशि दी जाएगी। स्मृति उपवन के मंच से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वर्ष 2017 में बीजेपी के सबसे बड़े नेता ने कहा था कि शमशान बनने चाहिए। प्रदेश में भाजपा सरकार आई तो योगी जी ने पांच साल केवल श्मशान बनवाए। मुझे स्कूल और अस्पताल बनवाने आते हैं। दिल्ली में बनवा कर आया हूं और उत्तर प्रदेश में भी बनवाऊंगा। अब बस देश को सुंदर स्कूल और अस्पताल चाहिए। भाजपा पर हमलावर केजरीवाल बोले, पूरी दुनिया में यूपी ही केवल ऐसा राज्य है, जहां कोरोना का सबसे ज्यादा मिस मैनेजमेंट हुआ। इससे सरकार भी नहीं संभली। इसके कारण पूरी दुनिया में थू-थू हुई। दुख की बात यह है कि पिछले 5 साल में उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने ना केवल श्मशान घाट बनवाये, बल्कि बहुत सारे लोगों को श्मशान घाट पहुंचाने का भी काम किया। इनका इतना बुरा मैनेजमेंट था कि अमेरिका की सबसे बड़ी मैगजीन में इन्हें 10 करोड़ रुपये के इश्तिहार देने पड़े। केजरीवाल ने भाजपा को प्रचार प्रेमी बताते हुए कहा कि दिल्ली में हमारी सरकार की 106 तो योगी जी की 850 होर्डिंग लगी हुई है। पता नहीं कि वह उत्तर प्रदेश का चुनाव लड़ रहे हैं या दिल्ली का चुनाव लड़ रहे हैं। योगी जी प्रचार में करोड़ों रुपए फूंक रहे हैं। ये आपकी गाढ़ी कमाई से निकले टैक्स के पैसे हैं, जिसे भाजपा अपने प्रचार में फूंक रही है। केजरीवाल ने कहा कि मुझे राजनीति करना नहीं आता ए सिर्फ और सिर्फ काम करना आता है। एक बार आम आदमी पार्टी को मौका दे दीजिए। अगर काम करूंगा तभी 5 साल बाद वोट मांगने आऊंगा। दिल्ली में भी मैंने लोगों से यही कहा था, काम किया तभी फिर सत्ता में वापस आया। केजरीवाल ने कहा कि यूपी में अगर हमारी सरकार बनी तो सभी नागरिकों को अयोध्या की मुफ्त तीर्थ यात्रा और रहने खाने का पूरा खर्च उठाएंगे।

वैष्णो देवी दर्शन को एक बार फिर उमड़े श्रद्धालु

भाषा। कटरा

भगदड़ की घटना के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन करने के लिए यहां आ रहे हैं। प्राधिकारियों ने यहां काफी संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की है जो इस जयकारे के साथ श्रद्धालुओं का स्वागत कर रहे हैं कि दर्शन करो, कटरा चलो ताकि उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित किया जाए कि मंदिर में मत्था टेकने के बाद वे अधिक समय नहीं रुकें। शुक्रवार देर रात हुई भगदड़ की उक्त घटना में 12 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। यात्रा अब सुचारू रूप से चल रही है और आगंतुकों ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। 2021 में 55.77 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन करने के लिए यहां आए जबकि कोरोना वायरस महामारी के कारण उसके पिछले वर्ष 17 लाख श्रद्धालु ही आए थे। नए साल की भीड़ के दौरान तीर्थयात्रियों के दो समूहों के बीच झगड़े के बाद शुक्रवार देर रात हुई भगदड़ में 12 लोगों की जान चली गई थी और 16 अन्य घायल हो गए थे। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लोगों की भीड़ अधिक थी क्योंकि लोग दर्शन के बाद कटरा के आधार शिविर लौटने के बजाय मंदिर परिसर में ही रुके हुए थे। जम्मू से लगभग 50 किलोमीटर दूर रियासी जिले में त्रिकुट पहाड़ियों के ऊपर स्थित इस पवित्र मंदिर में यह पहली ऐसी घटना थी। हरियाणा के पानीपत निवासी मोतिया रानी (58) ने रविवार को कहा, हमने दर्शन के लिए जैसे ही माता के गर्भगृह में प्रवेश किया, वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने हमारा अभिवादन दर्शन करो कटरा चलो जयकारे से किया। रानी अपने दो बेटों, उनकी पत्नियों और पांच पोते-पोतियों के साथ दर्शन करने के लिए माता वैष्णो देवी मंदिर पहुंची थीं। उन्होंने यात्रा सुचारू रूप से चल रही है और उन्हें कोई समस्या नहीं है। मैं कई वर्षों से हर साल के पहले दिन माता का आशीर्वाद लेने के लिए जाती रही हूं। मैं 31 दिसंबर को कटरा पहुंची और शनिवार को मंदिर जाने वाली थी, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण घटना के चलते इस बार हमारी यात्रा में एक दिन की देरी हो गई। रोज की तरह लोग दर्शन के लिए पंजीकरण काउंटरों पर कतारबद्ध होकर अपनी बारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के रहने वाले मनोज ने कहा कि दुखद घटना के बारे में सुनने के बाद तीर्थयात्रा को स्थगित करने का उनके मन में कभी ख्याल नहीं आया। जो हुआ वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। हम लंबे समय से इस दिन का इंतजार कर रहे थे ।

उपराज्यपाल ने वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की

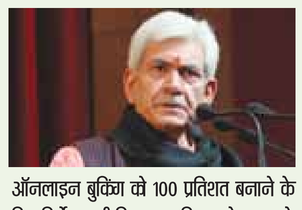

जम्मू। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को यहां श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की। अधिकारियों ने बताया कि बैठक यहां राज भवन में हुई और इसमें श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रमेश कुमार समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। यह बैठक ऐसे वक्त मे हुई है, जब एक दिन पहले मंदिर में भगदड़ में 12 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। बैठक के बाद सिलसिलेवार ट्वीट में उपराज्यपाल ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई फैसले लिए गए। उन्होंने कहा, अहम जांच के बाद आवश्यकता पड़ने पर व्यवस्थागत सुधारों, बुनियादी ढांचे का निर्माण शुरू करने, ऑनलाइन बुकिंग को 100 प्रतिशत बनाने के लिए निर्देश जारी किए गए। सिन्हा ने कहा, पूरे रास्ते पर भीड़भाड़ कम करने, भीड़ और कतारों के प्रभावी प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी के उचित इस्तेमाल, आरएफआईडी ट्रैकिंग करने समेत कई कदम उठाए गए। बोर्ड के सदस्य इसका क्रियान्वयन देखेंगे। उन्होंने घटना में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों में से प्रत्एक को पांच लाख रुपए की अतिरिक्त अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। उन्होने कहा, अनुग्रह राशि के तौर पर 10 लाख रुपए दिए जाने के अलावा इस दुर्भाग्यपूर्ण दुखद घटना में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों को पांच लाख रुपए की अतिरिक्त राशि भी दी जाएगी। इस बीच, प्रधान सचिव (गृह) शालीन काबरा के नेतृत्व में तीन सदस्ईय उच्च स्तरीय जांच समिति ने मंदिर का दौरा किया और अधिकारियों ने उन्हें जमीनी स्थिति की जानकारी दी। उपराज्यपाल द्वारा जांच करने के लिए बनाई समिति के अन्य दो सदस्य जम्मू के मंडलीय आयुक्त राजीव लंगर और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (जम्मू) मुकेश सिंह है।

रियासी जिले में माता वैष्णो देवी में दुर्घटना के बाद दर्शन के लिए लाइन लगाकर खड़े श्रद्धालु।

वैष्णो देवी मंदिर के पास भगदड़ की घटना के बारे में सूचना साझा करने के लिए नोटिस जारी

जम्मू। माता वैष्णो देवी मंदिर के पास हुई भगदड़ की जांच के लिए गठित एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने उक्त घटना के बारे में आम जनता से वीडियो, यदि कोई हो, या बयान दर्ज कराने की अपील की है। सार्वजनिक नोटिस जम्मू संभागीय आयुक्त राघव लंगर द्वारा जारी किया गया, जो घटना की जांच के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा गठित समिति के सदस्यों में से एक हैं। जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी तीर्थ क्षेत्र में मची भगदड़ में 12 लोगों की जान चली गई थी और कम से कम 16 अन्य घायल हो गए थे।

नोटिस में लिखा गया है, यह आम जनता की जानकारी के लिए है कि कोई भी ऐसा व्यक्ति जो घटना (भगदड़) के संबंध में कोई तथ्य, बयान, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य आदि प्रस्तुत करना चाहता है, उसे साझा कर सकता है...। नोटिस में कहा गया है, यदि कोई व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से मिलना चाहता है, वह 5 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न। बजे के बीच संभागीय आयुक्त, जम्मू के कार्यालय में उक्त जांच समिति के समक्ष कोई भी बयान तथ्य साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए उपस्थित हो सकता है।

प्रधान सचिव (गृह) शालीन काबरा के नेतृत्व में तीन सदस्ईय जांच समिति गठित की गई है, जिसमें अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह इसके अन्य सदस्य हैं। समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस बीच, तीनों सदस्यों ने रियासी जिले में त्रिकुट पर्वत पर स्थित मंदिर का दौरा किया और उन्हें अधिकारियों ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव अरुण कुमार मेहता टीम के साथ थे। सिंह के साथ लंगर भगदड़ के बाद की स्थिति का जायजा लेने और यह सुनिश्चित करने के लिए शनिवार को भी कटरा गए थे कि कोविड-19 दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में एसटीएफ जवान घायल

गरियाबंद (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के जंगल में रविवार को नक्सलियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई मुठभेड़ में एसटीएफ का एक जवान घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। राज्य की राजधानी रायपुर से 200 किलोमीटर दूर स्थित मैनपुर थाना क्षेत्र के देवडोंगर वन क्षेत्र में एसटीएफ के जवान नक्सल विरोधी अभियान पर निकले थे, उसी दौरान तड़के मुठभेड़ शुरू हो गई। ओडिशा की सीमा से लगते इलाके में नक्सलियों की आवाजाही को लेकर विशेष सूचना पर कार्वाई करते हुए एसटीएफ की दो टीम ने शनिवार रात वहां अभियान शुरू किया था। जब गश्त पर गई टीम में से एक पहाड़ी से आगे बढ़ रही थी तभी हथियारबंद नक्सलियों के एक समूह ने उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं, जिसके कारण मुठभेड़ हुई। कुछ देर की गोलीबारी के बाद विद्रोही ओडिशा की ओर घने जंगल में भाग गए।

कोरोना के चलते रैलियों पर प्रतिबंध लगना चाहिए: एसवाई कुरैशी

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस और इसके नए स्वरूप ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों के बीच निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। सभी दल अभी से बड़ी-बड़ी रैलियां आयोजित कर रहे हैं और इन रैलियों में भारी भीड़ भी उमड़ रही है। ऐसे में आगामी चुनावों को लेकर कई तरह के सवाल भी उठ रहे हैं। इन्हीं सब मुद्दों पर पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एस वाई कुरैशी से भाषा के पांच सवाल और उनके जवाब:

सवाल: कोरोना महामारी की तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच निर्वाचन आयोग पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने की जोरशोर से तैयारियों में जुटा है। आप इसे कितना तर्कसंगत मानते हैं?

जवाब: महामारी के दौरान कई मुल्कों में चुनाव हुए हैं। अपने यहां भी बिहार से लेकर बंगाल और केरल से लेकर तमिलनाडु तक कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो चुके हैं। कोविड-19 संबंधी दिशा-निर्देशों के मुताबिक यदि चुनाव कराए जाएं तो कोई दिक्कत नहीं है। रैलियों का आयोजन खतरनाक है। ये बंद होनी चाहिए।

सवाल: प्रश्न यही है कि दिन में नेता बड़ी-बड़ी रैलियां कर रहे हैं और रात में सरकारें कर्फ्यू लगा रही हैं। ऐसे में संक्रमण का फैलाव कैसे रुकेगा?

जवाब: सही बात है। दिन में रैली और रात में कर्फ्यू का कोई मतलब नहीं होता है। इससे तो कोई समाधान निकलने वाला नहीं है।

सवाल: निर्वाचन आयोग को ऐसा क्या करना चाहिए कि चुनाव भी संपन्न हो जाए और संक्रमण भी कम से कम फैले?

जवाब: निर्वाचन आयोग तो बाद में पिक्चर में आएगा, जब चुनावों की घोषणा हो जाएगी और आचार संहिता लागू हो जाएगी। इससे पहले तो सरकार को कदम उठाने चाहिए। अभी तो सरकार के ही नियम कानून लागू हैं। रात में कर्फ्यू तो सरकार ने ही लगाया है। सरकार को चाहिए वह इन रैलियों के आयोजन पर रोक लगाए। चुनावों की घोषणा के बाद निर्वाचन आयोग को पहला काम इन रैलियों पर प्रतिबंध लगाने का करना चाहिए।

सवाल: निर्वाचन आयोग कोरोना प्रोटोकॉल निर्धारित करता है लेकिन इसका पालन नहीं होता है। पिछले चुनावों में भी देखा गया कि इसका पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी को लेकर गेंद एक-दूसरे के पाले में डालने की कोशिश हुई। आप क्या कहेंगे?

जवाब: निर्वाचन आयोग के प्रोटोकॉल बहुत ही अच्छे हैं। इसका क्रियान्वयन अच्छे ढंग से होना चाहिए। अगर यह नहीं होता है तो कोताही है, लापरवाही है।

क्विक न्यूज

शुभेंदु अधिकारी के पत्र पर बंगाल सरकार ने बिना उचित विचार के रुख अपनाया: धनखड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने रविवार को राज्य सरकार से उन्हें यह बताने के लिए कहा कि राज्य के लोकायुक्त के चयन के संबंध में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के पत्र पर किसके आदेश पर बिना उचित विचार के रुख अपनाया गया। गत 27 दिसंबर को लोकायुक्त की नियुक्ति के लिए समिति की हुई बैठक मे अधिकारी मौजूद नही थे। बैठक में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने हिस्सा लिया था। धनखड़ ने ट्वीट किया, चूंकि लोकायुक्त की नियुक्ति के लिए समिति के सदस्य, विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के पत्र को परोक्ष तौर पर समिति में उल्लेखित किए बिना उस पर एक रुख अपनाया गया, मुद्दे को राज्यपाल ने ममता बनर्जी सरकार की प्रतिक्रिया के लिए उठाया है। राज्यपाल ने राज्य सरकार को पत्र लिखा है जिसकी प्रति ट्विटर पर पोस्ट की गई। राज्यपाल ने पत्र में सवाल किया कि अधिकारी के 22 दिसंबर के उस पत्र को समिति के समक्ष क्यो नही रखा गया जिसमें उन्होंने पद के लिए उम्मीदवारों का विवरण और उसके लिए विज्ञापन की प्रति मांगी थी। उन्होंने कहा, किसके आदेश पर विपक्ष नेता के पत्र का निस्तारण उस पर बिना उचित विचार के किया गया...। धनखड़ के पत्र में उल्लेख किया है कि अधिकारी के पत्र के जवाब में 24 दिसंबर को पश्चिम बंगाल सरकार के सहायक सचिव के हस्ताक्षर वाले पत्र में संकेत दिया गया है कि चूंकि ऐसे मामलो में कोई खुली अधिसूचना जारी नही की जाती है, इसलिए उम्मीदवारों की कोई सूची नही है और निर्णय बैठक में ही लिया जाएगा।

विदेशी चंदे पर पाबंदी के सरकारी फैसले से अहम मानवीय कार्य प्रभावित होंगे : ऑक्सफैम इंडिया

नई दिल्ली। ऑक्सफैम इंडिया ने कहा है कि विदेशी चंदा नियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत दिए जाने वाले लाइसेंस का नवीनीकरण करने से इनकार के सरकारी फैसले से देश के 16 राज्यों में संगठन के चल रहे अहम मानवीय और सामाजिक कार्य बुरी तरह से प्रभावित होंगे। ऑक्सफैम इंडिया ने एक बयान मे कहा इनमें ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करना, जीवन रक्षक दवाएं और उपकरणों की आपूर्ति करना जैसे ऑक्सीजन सिलेंडर और वेंटिलेटर, कोविड-19 से सबसे अधिक असुरक्षित समदायों को भोजन मुहैया कराने जैसे कार्य शामिल हैं जो प्रभावित होंगे। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालाय द्वारा जारी उन संगठनो की सूची मे ऑक्सफैम इंडिया भी शामिल है जिनका एफसीआरए पंजीकरण का नवीनीकरण नही किया गया है। इसका अभिप्राय है कि सूची मे शामिल संगठन एक जनवरी 2022 से अपने कार्यों के लिए विदेशी चंदा नही प्राप्त कर सकेंगे।

कांग्रेसी पार्षद हरप्रीत कौर बबला भाजपा में शामिल हुई

चंडीगढ़। चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव के नतीजे आने के कुछ दिन बाद कांग्रेस की टिकट पर जीत दर्ज करने वाली पार्षद हरप्रीत कौर बबला रविवार को भाजपा मे शामिल हो गईं। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की मौजूदगी में वार्ड संख्या 10 से पार्षद बनी हरप्रीत ने अपने पति और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता देविंदर बबला के साथ भाजपा का दाम थाम लिया। इस मौके पर स्थानीय सांसद किरण खेर, भाजपा की चंडीगढ़ इकाई के अध्यक्ष अरुण सूद और वरिष्ठ नेता संजय टंडन भी मौजूद थे। खट्टर ने हरप्रीत और उनके पति का भाजपा में शामिल होने पर स्वागत किया और कहा कि यह खुशी की बात है कि दोनो ने कांग्रेस को छोड़ दिया। चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव के नतीजे 27 दिसंबर को घोषित किए गए थे, जिसमें खंडित जनादेश सामने आया है। निगम के 35 वार्ड में से आम आदमी पार्टी ने 14 पर जीत दर्ज की जबकि भाजपा ने 12, कांग्रेस ने आठ और शिरोमणि अकाली दल ने एक सीट जीती।

13 छात्रों के संक्रमित पाए जाने के बाद वैष्णो देवी विवि बंद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी मे श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के 13 छात्रों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद अधिकारियों ने अगले आदेश तक विश्वविद्यालय बंद करने का आदेश दिया है। रियासी के जिलाधिकारी चरणदीप सिंह द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि छात्रों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय को बंद करने का निर्णय लिया गया है। यह विश्वविद्यालय वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों के आधार शिविर कटरा शहर के पास ककरियाल में स्थित है। आदेश में कहा गया है कि 31 दिसंबर, 2021 और एक जनवरी को विश्वविद्यालय में कोविड-19 संबंधी जांच की गई थी। इस दौरान कुल 13 छात्रों मे संक्रमण की पुष्टि हुई। सिंह ने अगले आदेश तक विश्वविद्यालय को तत्काल बंद करने का निर्देश देते हुए कहा, आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188, महामारी रोग अधिनियम, 1897 और आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की अन्य संबंधित धाराओ के तहत दंडात्मक कार्वाई की जाएगी। सिंह जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष भी है। जम्मू-कश्मीर में शनिवार को कोविड-19 के 169 नए मामले आए, जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,41,459 हो गई, जबकि संक्रमण से दो और लोगो की मृत्यु होने से मरने वालो की संख्या बढ़कर 4,530 हो गई।

रामेश्वर में अमावस्या के अवसर पर मन्दिर में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़।

केंद्र कोविड-19 मामलों के क्लिनिकल प्रबंधन के पहलुओं पर वेबिनार आयोजित करेगा

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण और ओमीक्रोन स्वरूप के मामलों में वृद्धि होने के मद्देनजर केंद्र ने एम्स, नई दिल्ली, के सहयोग से कोविड मामलों के क्लिनिकल प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर पांच से 19 जनवरी तक सिलसिलेवार वेबिनार आयोजित करने का फैसला किया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे एक पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने अनुरोध किया है कि सभी राज्य स्तरीय उत्कृष्टता केंद्रों और सार्वजनिक एवं निजी जिला स्तरीय कोविड-19 स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों के चिकित्सक तथा कोविड-19 उपचार केंद्रों के प्रभारियों को इन वेबिनार में शामिल होने का निर्देश दिया जा सकता है।

भूषण ने कहा, देश के कुछ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में कोविड-19 के मामलों और ओमीक्रोन स्वरूप के मामलों में वृद्धि चिंता का विषय है। उन्होंने रविवार को भेजे गए पत्र में कहा, निरूद्ध क्षेत्र घोषित करने, निगरानी करने, संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने, जांच, कोविड से जुड़े नियमों का अनुपालन करने और टीकाकरण सर्वोच्च महत्व के हैं तथा यह भी समान रूप से जरूरी है कि कोविड-19 से होने वाली मौत को एक न्यूनतम संभावित स्तर तक कम करने के लिए सभी हितधारकों द्वारा कोशिश की जाए।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से उत्कृष्टता केंद्र पहल के तहत इससे पहले कोविड मामलों के क्लिनिकल प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर राज्य स्तरीय मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के साथ सिलसिलेवार वेबिनार का आयोजन किया था। पत्र में कहा गया है, उन कोशिशों को जारी रखते हुए एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से सभी राज्य स्तरीय उत्कृष्टता केंद्रों और जिला स्तरीय उत्कृष्टता केंद्रों तथा निजी एवं सार्वजनिक कोविड स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों के लिए एक और उत्कृष्टता केंद्र वेबिनार सीरीज का आयोजन करने का प्रस्ताव किया गया है।

नक्सलियों ने मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति की मुखबिर होने के संदेह में हत्या की

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के एक गांव में नक्सलियों ने मानसिक रूप से अस्वस्थ एक व्यक्ति की पुलिस का मुखबिर होने के संदेह में हत्या कर दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। नक्सलियों के एक समूह ने बासगुडा पुलिस थानांतर्गत तिम्मापुर गांव के हेमंत बंडी को घर से बाहर निकाल कर धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। यह स्थान राज्य की राजधानी रायपुर से 400 किलोमीटर दूर है। घटना की जानकारी मिलने पर रविवार सुबह सुरक्षाकर्मियों का एक दल मौके पर पहुंचा। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बासगुडा भेजा जा रहा है। नक्सलियों का दावा है कि बंडी ने 2018 में मुठभेड़ से पहले उनकी गतिविधि की जानकारी पुलिस को दी थी। बंडी कई वर्षों से मानसिक रूप से बीमार था और ज्यादातर घर पर ही रहता था। उन्होंने पीड़ित का पुलिस के साथ किसी भी प्रकार का संबंध होने से इनकार किया।

कश्मीर के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बर्फबारी

श्रीनगर। कश्मीर के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई और तापमान जमाव बिंदु के करीब पहुंच गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार रात से घाटी के ज्यादातर इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई, जबकि श्रीनगर में हल्की बारिश हुई। कश्मीर के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान में सुधार हुआ। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि शुक्रवार रात यहां तापमान शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था। पर्यटन के लिए लोकप्रिय गुलमर्ग में तापमान शून्य से 6.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि पहलगाम में तापमान शून्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जहां शुक्रवार रात तापमान शून्य से 6.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था। घाटी के काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। वहीं दक्षिणी कश्मीर के कोकरनाग कस्बे में तापमान शून्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम कार्यालय ने कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में शनिवार शाम से रविवार सुबह तक हल्की बर्फबारी होने का अनुमान व्यक्त किया था। मौसम कार्यालय ने बताया कि चार जनवरी से छह जनवरी के बीच मध्यम से भारी बर्फबारी या बारिश हो सकती है। इस दौरान पांच जनवरी से छह जनवरी के बीच ऐसा होने की ज्यादा संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर भारी बर्फबारी की संभावना है। फिलहाल कश्मीर घाटी 40 दिनों की भयंकर सर्दी के दौर में है जिसे चिल्लई-कलां कहा जाता है। यह वक्त 21 दिसंबर को शुरू हुआ था।

प्रधानमंत्री काफिले में 12 करोड़ की कार के बाद फकीर होने का दावा नही कर सकते : राउत

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने काफिले में 12 करोड़ रुपए की कार को शामिल करने के बाद फकीर होने का दावा नहीं कर सकते। शिवसेना के मुखपत्र सामना के साप्ताहिक स्तंभ रोखठोक में राउत ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की हमेशा भारत में बनी कार का इस्तेमाल करने और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जान का खतरा होने के बावजूद अपने सुरक्षाकर्मियों को नहीं बदलने के लिए प्रशंसा की। शिवसेना नेता ने लिखा, 28 दिसंबर को मीडिया ने प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी के लिए लाई गई 12 करोड़ रुपए मूल्य की कार की तस्वीर प्रकाशित की। वह व्यक्ति जो खुद को फकीर, प्रधान सेवक कहते हैं, विदेश में बनी कार का इस्तेमाल करते हैं।

राज्यसभा सदस्य ने कहा, प्रधानमंत्री की सुरक्षा और सुविधा अहम हैं लेकिन अब से प्रधान सेवक को नहीं दोहराना चाहिए कि वह फकीर हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) ने प्रधानमंत्री के काफिले में मर्सिडीज मेबैक एस 650 नामक कार को शामिल किया है। मीडिया में इस श्रेणी की कार की कीमत करीब 12 करोड़ रुपए बताई जा रही है। नई कार प्रधानमंत्री द्वारा इस्तेमाल बीएमडब्ल्यू कार के स्थान पर लाई गई है क्योंकि जर्मन कंपनी ने उसका निर्माण रोक दिया है।

एसपीजी ने उसके द्वारा सुरक्षा प्राप्त लोगों की कारों को बदलने के लिए छह मानक तय किए हैं लेकिन मोदी ने इसको लेकर कोई पसंद जाहिर नहीं की थी कि किस कार का इस्तेमाल किया जाए। मीडिया में बताई जा रही कीमत से कार की वास्तविक कीमत करीब एक तिहाई है। राउत ने रविवार को कहा कि मोदी ने मेक इन इंडिया और स्टार्ट अप इंडिया जैसे स्वदेशी पहल की और वह विदेश निर्मित कार का इस्तेमाल कर रहे हैं। जवाहरलाल नेहरू की प्रशंसा करते हुए शिवसेना प्रवक्ता ने कहा कि देश के विभाजन के बाद सुरक्षा खतरे के बावजूद उन्होंने हमेशा भारत निर्मित एम्बेस्डर कार का इस्तेमाल किया।

उन्होंने कहा कि (पूर्व प्रधानमंत्री) इंदिरा गांधी ने जान खतरे में होने के बाद सिख सुरक्षा कर्मियों को नहीं बदला जो उनकी सुरक्षा में तैनात थे। राउत ने कहा कि (पूर्व प्रधानमंत्री) राजीव गांधी खतरे के बावजूद तमिलनाडु में भीड़ से मिले। राउत ने कहा, उन्हें (राजीव गांधी को) भीड़ के साथ नहीं मिलना चाहिए था लेकिन उन्होंने ऐसा किया। शिवसेना नेता ने कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर रात में कर्फ्यू लगाने के केंद्र के सुझाव पर कहा कि केंद्र सरकार ने रात को ऐसी पाबंदी लगाई है जिससे वित्तीय नुकसान हो रहा है। राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और सपा के प्रमुख अखिलेश यादव रैलियों को संबोधित करते हैं जिनमें लाखों लोग जमा होते हैं।

नई दिल्ली में भारत और चीनी सैनिकों ने नववर्ष के अवसर पर पूर्वी लद्दाख सहित एलएसी के साथ 10 सीमा चौकियों पर मिठाई का आदान प्रदान करते हुए जवान।

दुनिया में सबसे ऊंची वृद्धि दर्ज करने वाली अर्थव्यवस्था रहेगा भारतः आशिमा

भाषा। नई दिल्ली

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर दुनिया में सबसे ऊंची रहेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे सामान्यीकरण की ओर बढ़ रही है, लेकिन कमजोर क्षेत्रों के लिए प्रोत्साहन और समर्थन जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि आगामी बजट में सरकार द्वारा मजबूती के पथ पर कायम रहने की घोषणा से नियंत्रण और अनुकूलता को लेकर एक अच्छा संकेत मिलेगा। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री गोयल ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, भारत बेहतर वृहद आर्थिक मानदंडों के आधार पर काफी मुश्किल समय से बाहर निकल आया है। भारत की वृद्धि दर दुनिया में सबसे ऊंची रहने की उम्मीद है। इसके अलावा महंगाई दर भी संतोषजनक स्तर पर रहेगी। गोयल ने कहा कि मौद्रिक-राजकोषीय समन्वय ने अच्छा काम किया है और प्रोत्साहन पर्याप्त हैं, लेकिन इन्हें अत्यधिक नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा, हम सामान्यीकरण की दिशा में धीरे-धीरे कदम बढ़ा रहे हैं। हालांकि, कमजोर प्रदर्शन वाले क्षेत्रों के लिए कुछ प्रोत्साहन और समर्थन जारी हैं। उन्होंने कहा कि देश के वित्तीय क्षेत्र की सेहत दुरुस्त है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने 2021 में 9.5 प्रतिशत और अगले वर्ष 8.5 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। अर्थव्यवस्था के लिए कोविड-19 के नए स्वरूप के खतरे पर गोयल ने कहा कि उत्पादकता बढ़ाने के उपायों और उचित नीतिगत समर्थन के साथ पुनरुद्धार टिकाऊ होना चाहिए। उन्होंने कहा, अब देश महामारी की एक और लहर का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार है। दूसरी लहर में अर्थव्यवस्था में व्यवधान कम था क्योंकि स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन के साथ आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं सीमित रही थीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को कोविड-19 के अधिक संक्रामक नए स्वरूप क्र1.1.1.529 (ओमीक्रोन) के पहले मामले की जानकारी दक्षिण अफ्रीका से 24 नवंबर को मिली थी। राजकोषीय सुदृढ़ीकरण या आने वाले बजट में प्रोत्साहन जारी रखने के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा, घोषित सुदृढ़ीकरण के पथ पर टिके रहना नियंत्रण और पूर्वानुमान के लिए अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि अधिक पारदर्शिता जैसे सुधारों को जारी रखा जाना चाहिए। इससे बजट आंकड़ों की विश्वसनीयता और सटीकता में सुधार होता है। गोयल ने कहा कि राजस्व में वृद्धि से आवश्यक खर्चों के वित्तपोषण की गुंजाइश रहती है। व्यय की गुणवत्ता में सुधार से प्रोत्साहन में वृद्धि होती है। ऊंची मुद्रास्फीति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में आयात मूल्य विशेषरूप से जिंसों के दाम शामिल हैं, लेकिन ए सर्दियों के बाद बने नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि ईंधन कीमतों में कमी से महंगाई कुछ कम हुई है, लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति का प्रभाव भारत में अधिक रहता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा प्रोत्साहनों को वापस लिए जाने के सवाल पर गोयल ने कहा कि प्रोत्साहनों को तेजी से वापस लेने की घोषणा से वैश्विक बाजारों में कोई बड़ा व्यवधान नहीं हुआ, क्योंकि बाजार इसकी उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के मौद्रिक रुख में बदलाव से निपटने में भारत अधिक बेहतर स्थिति में है।

भारत अपनी नीतिगत दरों का घरेलू चक्र के साथ तालमेल बैठाकर आगे बढ़ सकता है। क्रिप्टोकरेंसी के सवाल पर एमपीसी की सदस्य ने कहा कि उन्हें क्रिप्टो-टोकन कहना अधिक उचित होगा। उन्हें मुद्रा के समान स्वीकार्य नहीं माना जा सकता। मुद्रा के रूप में उनके इस्तेमाल पर प्रतिबंध होना चाहिए, लेकिन टोकन में रूप में उनका नियमन किया जा सकता है।

● राजकोषीय सुदृढ़ीकरण या आने वाले बजट में प्रोत्साहन जारी रखने के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा, घोषित सुदृढ़ीकरण के पथ पर टिके रहना नियंत्रण और पूर्वानुमान के लिए अच्छा रहेगा

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.11 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

भाषा। नई दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह।,11,012.63 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और एचडीएफसी बैंक रहे। सप्ताह के दौरान सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन नीचे आया।

समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 24,635.68 करोड़ रुपए के उछाल से 13,82,280.01 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 22,554.33 करोड़ रुपए बढ़कर 8,20,164.27 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 14,391.25 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,54,444.80 करोड़ रुपए पर और इन्फोसिस का 10,934.61 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 7,94,714.60 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 9,641.77 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,68,480.66 करोड़ रुपए पर और विप्रो का 9,164.13 करोड़ रुपए के लाभ के साथ 3,92,021.38 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत सप्ताह के दौरान 8,902.89 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,13,973.22 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 7,575.11 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 4,21,121.74 करोड़ रुपए रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन भी 3,212.86 करोड़ रुपए बढ़कर 4,10,933.74 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस रुख के उलट रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण में 2,772.49 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 16,01,382.07 करोड़ रुपए रह गया। सप्ताह के दौरान शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस, एसबीआई और विप्रो का स्थान रहा। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स।,129.51 अंक या 1.97 प्रतिशत के लाभ में रहा।

● 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही

बीते साल शीर्ष सात शहरों में घरों की बिक्री 71% बढ़कर 2.36,530 इकाई पर

भाषा। नई दिल्ली

देश के शीर्ष सात शहरों में घरों की बिक्री 2021 में इससे पिछले साल की तुलना में 71 प्रतिशत बढ़कर 2,36,530 इकाई हो गई। हालांकि, घरों की मांग अब भी कोविड-पूर्व के स्तर से 10 प्रतिशत कम है। संपत्ति संबंधी परामर्श देने वाली कंपनी एनारॉक ने यह जानकारी दी।

इसके मुताबिक, वर्ष 2020 में।,38,350 आवासीय इकाइयां बिकीं थीं और 2019 में कुल 2,61,358 इकाइयों की बिक्री हुई थी।मुंबई स्थित कंपनी एनारॉक ने बताया कि गृह ऋण पर निचली ब्याज दरों, मजबूत मांग, घर के स्वामित्व की आकांक्षा में वृद्धि और महाराष्ट्र सहित कुछ राज्यों द्वारा स्टाम्प शुल्क में कटौती के साथ बिल्डरों द्वारा दी जा रही छूट के कारण आवास बिक्री में वृद्धि हो रही है। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, कोरोना वायरस महामारी काबू में रहती है, तो 2021 के प्रदर्शन के आधार पर कहा जा सकता है कि 2022 में वृद्धि संतोषजनक रहेगी। त्योहारों के मद्देनजर बढ़ी मांग और अन्य सकारात्मक कारकों के कारण, पिछले वर्ष के दौरान कुल बिक्री में चौथी तिमाही का लगभग 39 प्रतिशत का योगदान रहा।एनारॉक के वार्षिक आंकड़ों के मुताबिक, मुंबई महानगर क्षेत्र में आवासीय बिक्री 2021 में 72 फीसदी बढ़कर 76,400 इकाई रहीं, जो इससे पिछले वर्ष में 44,320 इकाई रही थी। हैदराबाद में पिछले वर्ष घरों की बिक्री तीन गुना बढ़कर 25,410 इकाई रही। 2020 में यह आंकड़ा 8,560 था।दिल्ली-एनसीआर में 2021 में 73 प्रतिशत वृद्धि के साथ 40,050 इकाइयां बिकीं, 2020 में यह आंकड़ा 23,210 इकाई का था। पुणे में 2021 में 53 फीसदी वृद्धि के साथ 35,980 इकाइयां बिकीं। 2020 में यह आंकड़ा 23,460 इकाइयां था। बेंगलुरु में 2021 में 33 प्रतिशत वृद्धि के साथ 33,080 घर बेचे गए। 2020 में 24,910 घर बिके थे। चेन्नई में 2021 में 86 प्रतिशत वृद्धि के साथ 12,530 इकाइयों की बिक्री हुई। 2020 में यह आंकड़ा 6,740 इकाइयों का था। कोलकाता में 2021 में 13,080 इकाइयां बिकीं। 2020 में यह आंकड़ा 7,150 था। पुरी ने उम्मीद जताई कि 2022 में बिक्री कोविड-पूर्व के स्तर पर पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा, लागत का दबाव और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े मुद्दों के कारण संपत्ति की कीमतों में 5-8 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

क्विक न्यूज

तेलंगाना के मंत्री ने केंद्र से आदिलाबाद में सीमेंट कारखाना फिर से खोलने का अनुरोध किया

हैदराबाद। तेलंगाना के उद्योग मंत्री के टी रामा राव ने केंद्र से राज्य के आदिलाबाद में भारतीय सीमेंट निगम (सीसीआई) की इकाई फिर से खोलने का शनिवार को अनुरोध किया। रामा राव के कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि मंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे को इस बाबत पत्र लिखे हैं। इसमें रामा राव ने कहा कि इकाई को पुनः खोलने के लिहाज से परिस्थितियां पक्ष में है और मौके भी हैं। उन्होंने कहा कि कारखाने के लिए पानी और बिजली की आपूर्ति के अलावा कच्चे माल की पर्याप्त मात्रा में चूना पत्थर और भूमि उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि सीसीआई की इकाई पुनः खोलने के लिए तेलंगाना सरकार पूरा समर्थन देगी।

दुबई एक्सपो में वैश्विक निवेशकों को निवेश का न्योता देगा जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधिमंडल

दुबई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल केंद्र शासित प्रदेश के पर्यटन और हस्तशिल्प जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश जुटाने के लिए दुबई एक्सपो में आएगा। दुबई एक्सपो में सोमवार से शुरू हो रहे जम्मू-कश्मीर सप्ताह के दौरान यह प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होगा। एक्सपो-2020 दुबई में भारतीय पवेलियन जम्मू-कश्मीर सप्ताह की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जो 13 जनवरी तक चलेगा। उपराज्यपाल सिन्हा केंद्र शासित प्रदेश के अन्य सरकारी अधिकारियों के साथ विभिन्न व्यापारिक बैठकें करेंगे और वैश्विक निवेशकों को पर्यटन, हथकरघा और हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश करने के लिए आमंत्रित करेंगे।

हुंदै को 2022 में भी एसयूवी बाजार में वर्चस्व कायम रहने की उम्मीद

नई दिल्ली। देश की दूसरी सबसे बड़ी कार कंपनी हुंदै मोटर इंडिया ने बीते साल 2.5 लाख से अधिक (स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन) एसयूवी की बिक्री कर इस श्रेणी के वाहन बाजार में अपना वर्चस्व कायम रखा है। कंपनी को भरोसा है कि इस साल यानी 2022 में भी वह एसयूवी खंड में अपना दबदबा कायम रखने में सफल रहेगी, क्योंकि क्रेटा और वेन्यू जैसे मॉडलों की मजबूत मांग बनी हुई है। हुंदै मोटर इंडिया के निदेशक (बिक्री, विपणन एवं सेवा) तरुण गर्ग ने बातचीत में कहा कि कंपनी को विश्वास है कि 2022 में भी वह इस श्रेणी में अगुवा बनी रहेगी। उन्होंने कहा, हमारे पास प्रौद्योगिकी है, डिजाइन है और उत्पाद है। कंपनी एसयूवी का बढ़िया ग्राहक आधार बना पाई है। कंपनी ने 2020 में 1.8 लाख एसयूवी की बिक्री की थी और बीते साल उसकी एसयूवी की बिक्री 2.52 लाख इकाई रही।

मेघालय बिजली इकाई को मुनाफे में लाने के लिए 2,500 करोड़ रुपए से अधिक पूंजीगत व्यय होगा: मंत्री

शिलांग। मेघालय के उप मुख्यमंत्री प्रेस्टोन तिनसोन्ग ने रविवार को कहा कि राज्य में 2,500 करोड़ रुपए से अधिक के पूंजीगत परिव्यय के साथ बिजली वितरण प्रणाली को दुरुस्त बनाने से मेघालय ऊर्जा निगम लिमिटेड (एमईईसीएल) को मुनाफे में लाने में मदद मिलेगी। राज्य मंत्रिमंडल ने 21 दिसंबर को प्रस्तावित पूंजीगत व्यय के साथ एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी दी, जिसके तहत अगले पांच वर्षों में बिजली वितरण प्रणाली को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को केंद्रीय बिजली मंत्रालय की पुनरोत्थान वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत तैयार किया गया है और केंद्र ने राज्यों के लिए तीन लाख करोड़ रुपए मंजूर किए हैं, जिनमें से मेघालय ने 2,500 करोड़ रुपए से अधिक की डीपीआर जमा करने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद मेघालय ऊर्जा निगम लिमिटेड एक लाभदायक संगठन बन जाए।

मार्च तिमाही में भी गुलजार रहेगा आईपीओ बाजार 23 कंपनियां जुटाएंगी 44,000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का बाजार चालू जनवरी-मार्च की तिमाही में भी गुलजार रहेगा। तिमाही के दौरान 23 कंपनियां आईपीओ के जरिए 44,000 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी कर रही है। मर्चेंट बैंकरों ने यह जानकारी दी। आईपीओ से राशि जुटाने के मामले में प्रौद्योगिकी आधारित कंपनियां सबसे आगे रहेंगी। इससे पहले 2021 में 63 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए रिकॉर्ड 1.2 लाख करोड़ रुपए की राशि जुटाई थी। हालांकि, इस दौरान वृहद अर्थव्यवस्था महामारी की वजह से प्रभावित रही। इन कंपनियों के अलावा पावरग्रिड इनविट (बुनियादी ढांचा निवेश न्यास) ने आईपीओ के माध्यम से 7,735 करोड़ रुपए जुटाए थे, वहीं ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट ने रीट (रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट) के जरिए 3,800 करोड़ रुपए की राशि जुटाई थी। मर्चेंट बैंकरों ने कहा कि मार्च तिमाही के दौरान जिन कंपनियों के आईपीओ के जरिए धन जुटाने की उम्मीद है... उनमें ओयो (8,430 करोड़ रुपए) और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी कंपनी डेल्हीवरी (7,460 करोड़ रुपए) शामिल हैं। इनके अलावा अडाणी विल्मर (4,500 करोड़ रुपए), एमक्योर फार्मास्युटिकल्स (4,000 करोड़ रुपए), वेदांत फैशंस (2,500 करोड़ रुपए), पारादीप फॉस्फेट्स (2,200 करोड़ रुपए), मेदांता (2,000 करोड़ रुपए) और इक्सिगो (1,800 करोड़ रुपए) के आईपीओ भी तिमाही के दौरान आने की उम्मीद है। मर्चेंट बैंकरों ने बताया कि स्कैनरे टेक्नोलॉजीज, हेल्थियम मेडटेक और सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज भी समीक्षाधीन तिमाही के दौरान आईपीओ ला सकती है।

भारतीय स्ट्रीमिंग उद्योग अगले एक दशक में बढ़कर 13-15 अरब डॉलर पर पहुंचेगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय ओटीटी स्ट्रीमिंग उद्योग के अगले एक दशक में 22-25 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़कर 13-15 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। मीडिया और मनोरंजन पर एक संयुक्त रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि ओटीटी (ओवर-द-टॉप) उद्योग लगातार बढ़ रहा है और सभी प्रकार के सामग्री मुहैया कराने वालों का प्रतिनिधित्व करने वाले 40 से अधिक खिलाड़ियों के साथ यह क्षेत्र उभरते बाजारों में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी है। सस्ते तेज रफ्तार वाले मोबाइल इंटरनेट के चलते पिछले छह वर्षों में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या दोगुनी हो गई है, जिसके चलते डिजिटल वीडियो स्ट्रीमिंग को मजबूती मिली है। इसके अलावा कोविड-19 महामारी पर काबू पाने के लिए लागू किए गए प्रतिबंधों और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलने से भी इसे बढ़ावा मिला है। भारत में नेटफ्लिक्स, प्राइम वीडियो, डिज्नी प्लस जैसे वैश्विक खिलाड़ियों की पेशकश अमेरिका की तुलना में 70-90 प्रतिशत तक सस्ती है। इसके अलावा ओटीटी क्षेत्र में भारतीय मूल की सामग्री के लिए निवेश बढ़ रहा है, जिससे उपयोगकर्ताओं का जुड़ाव बढ़ा है।रिपोर्ट में कहा गया कि 30 साल से कम उम्र की 50-55 प्रतिशत आबादी से भी इसमें मदद मिली है।

ग्रीव्ज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने दिसंबर में 10,000 से अधिक ई-वाहन बेचे

मुंबई। ग्रीव्ज कॉटन की ई-वाहन इकाई ग्रीव्ज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने दिसंबर, 2021 में 10,000 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे हैं। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि इस दौरान उसके ई-तिपहिया की बिक्री में 101 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ग्रीव्ज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के बाजार में मजबूत स्थिति है। एम्पियर (ई-स्कूटर) के राजस्व में दिसंबर, 2020 की तुलना में दिसंबर, 2021 में छह गुना वृद्धि हुई। तिपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के कारोबार में 101 फीसदी वृद्धि हुई। कंपनी ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर-2021 की तिमाही उसके लिए कई नजरियों से महत्वपूर्ण थी। इस अवधि में उसने ई-तिपहिया कंपनी ईएलई (ई-रिक्शा) में शत प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी और एक अन्य ई-तिपहिया वाहन कंपनी एमएलआर ऑटो (तेजा ब्रांड) में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की।

भारत ने चीनी सब्सिडी पर डब्ल्यूटीओ की विवाद समाधान समिति के फैसले के खिलाफ अपील की

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की विवाद समाधान समिति के फैसले के खिलाफ अपील की है। विवाद समाधान समिति ने अपने फैसले में कहा है कि भारत के चीनी और गन्ने के लिए घरेलू समर्थन उपाय वैश्विक व्यापार नियमों के अनुकूल नहीं हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

भारत ने डब्ल्यूटीओ के अपीलीय निकाय के समक्ष यह अपील की है। यह निकाय ऐसे व्यापार विवादों का अंतिम रूप से निपटान करने वाला प्राधिकरण है। भारत ने कहा है कि डब्ल्यूटीओ की विवाद समाधान समिति ने गन्ना उत्पादकों तथा निर्यात को समर्थन की घरेलू योजनाओं को लेकर अपने फैसले में कई गलत निष्कर्ष निकाले हैं, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। समिति ने 14 दिसंबर, 2021 को अपने फैसले में कहा था कि भारत को उत्पादन सहायता, बफर स्टॉक और विपणन और परिवहन योजनाओं के तहत कथित रूप से प्रतिबंधित सब्सिडी को वापस लेना चाहिए। समिति ने भारत से कहा था कि उसे इस रिपोर्ट के 120 दिन के अंदर प्रतिबंधित सब्सिडी को वापस लेना होगा। भारत की चीनी सब्सिडी के खिलाफ ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और ग्वाटेमाला की शिकायत पर समिति ने यह व्यवस्था दी थी।

समिति ने कहा था कि भारत के समर्थन उपाय डब्ल्यूटीओ व्यापार नियमों के अनुरूप नहीं हैं। अधिकारी ने कहा कि विवाद समाधान समिति का फैसला अनुचित है और यह डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुरूप नहीं है। अधिकारी ने बताया, कथित निर्यात सब्सिडी पर समिति के निष्कर्ष तार्किक नहीं हैं। भारत ने समिति के फैसले के खिलाफ अपीलीय निकाय में अपील की है। ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और ग्वाटेमाला ने 2019 में भारत को डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान समिति में घसीटा था। इन देशों का कहना था कि भारत के गन्ना उत्पादकों और चीनी के साथ निर्यात सब्सिडी के उपाय वैश्विक व्यापार नियमों के अनुकूल नहीं हैं। साथ ही ए डब्ल्यूटीओ के कृषि पर करार प्रावधानों, सब्सिडी और प्रतिपूर्ति उपायों और व्यापार और शुल्कों पर सामान्य समझौतों (गैट) के अनुरूप भी नहीं हैं। ब्राजील दुनिया का सबसे बड़ी चीनी उत्पादक और निर्यातक है। ब्राजील के बाद चीनी उत्पादन में भारत का नंबर आता है। दिसंबर, 2020 में सरकार ने विपणन वर्ष 2020-21 के लिए 60 लाख टन चीनी निर्यात के लिए चीनी मिलों को 3,500 करोड़ रुपए की सब्सिडी की मंजूरी दी थी। इससे पिछले विपणन वर्ष 2019-20 (अक्टूबर-सितंबर) के लिए सरकार ने एकमुश्त 10,448 रुपए प्रति टन की सब्सिडी दी थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मिलों ने 2019-20 के सत्र के लिए 60 लाख टन के अनिवार्य कोटा पर 57 लाख टन चीनी का निर्यात किया था। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अपीलीय निकाय भी भारत के समर्थन उपायों के खिलाफ फैसला सुनाता है तो देश को इसका अनुपालन करना होगा और समर्थन उपायों में उचित बदलाव करने होंगे। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विश्वजीत धर ने कहा कि यदि अपीलीय निकाय का निर्णय भी खिलाफ जाता है, तो राजनीतिक वर्ग को इन समर्थन उपायों को नए सिरे से डिजाइन करना होगा।

● व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अपीलीय निकाय भी भारत के समर्थन उपायों के खिलाफ फैसला सुनाता है तो देश को इसका अनुपालन करना होगा और समर्थन उपायों में उचित बदलाव करने होंगे

पेज एक का शेष

राजधानी में...

एक्टिव केस बढ़ गए हैं। केजरीवाल ने कहा कि गत अप्रैल में आई कोरोना की लहर सबसे भयानक थी, जब ऑक्सीजन की कमी हो गई थी और काफी संख्या में लोगों की मौत हुई थी। एक अप्रैल 2021 को 2700 केस एक दिन में आए थे, उस समय ऑक्सीजन के 1700 बेड भरे हुए थे। आज केवल 82 बेड भरे हुए हैं। उस समय 231 मरीज वेंटिलेटर पर थे, जबकि आज केवल 5 मरीज वेंटिलेटर पर हैं। इसलिए घबराने और चिंता करने की जरा भी जरूरत नहीं है।

संक्रमण बढ़ने...

तक ही चलेगी। दिल्ली और मुम्बई से सप्ताह में दोबार केवल सोमवार और शुक्रवार को ही उड़ानें संचालित होंगी।

पहले अपराधी...

को बढ़ावा मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के युवाओं को खेल की दुनिया में छा जाने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा, देश में खेलों को आगे बढ़ाने के लिए एक नई सोच की जरूरत है। यह जरूरी है कि हमारे खिलाड़ियों में खेल को एक पेशा बनाने का विश्वास पैदा हो। यही मेरा संकल्प भी है और यही मेरा सपना भी। मैं चाहता हूं जिस तरह दूसरे पेशे हैं उसी तरह हमारे युवा खेलों को भी देखें। प्रधानमंत्री ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए अपनी सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा, हमने 2018 में देश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मणिपुर में स्थापित की। बीते सात सालों में देश भर में खेल शिक्षा और क्षमता से जुड़े अनेक संस्थानों को आधुनिक बनाया गया और अब आज उत्तर प्रदेश में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय खेलों में उच्च शिक्षा का एक और श्रेष्ठ माध्यम बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में भी खेल को प्राथमिकता दी गई है। खेल को अब उसी श्रेणी में रखा गया है जैसे विज्ञान, वाणिज्य, गणित, भूगोल या दूसरी पढ़ाई हो। पहले खेल को अतिरिक्त गतिविधि माना जाता था लेकिन अब खेल बाकायदा एक विषय होगा और उसका भी उतना ही महत्व होगा जितना बाकी विषयों का है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 700 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय दुनिया के श्रेष्ठ खेल विश्वविद्यालयों में से एक होगा। उन्होंने कहा कि यहां युवाओं को खेलों से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय सुविधाएं भी मिलेंगी और यह एक करियर के रूप में स्पोर्ट्स को अपनाने के लिए जरूरी क्षमता का निर्माण भी करेगी और क्रांतिवीरों की नगरी खेल वीरों की नगरी के रूप में भी अपनी पहचान को और सशक्त करेगी। मोदी ने आरोप लगाया कि पूर्व की सरकारों ने खेलों के प्रति संकुचित सोच को बदलने के लिए सार्थक प्रयास नहीं किए। पहले प्रशिक्षण से लेकर टीम चयन तक हर स्तर पर भाई-भतीजावाद, बिरादरी का खेल, भ्रष्टाचार का खेल, लगातार हर कदम पर भेदभाव होता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि बदलती टेक्नोलॉजी, बदलती मांग और बदलती क्षमता के लिए देश में पहले की सरकारें बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार ही नहीं कर पाईं। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ में उत्तर प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनीवर्सिटी मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि विश्व स्तरीय अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय 91.38 एकड़ क्षेत्र में बनाया जाएगा और इसके निर्माण पर 700 करोड़ रुपए की लागत अनुमानित है। इस विश्वविद्यालय में 1080 खिलाड़ियों को एक साथ प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। इसमें खेल, खेल विज्ञान तथा खेल प्रौद्योगिकी के विभिन्न पाठ्यक्रमों के साथ प्रशिक्षण एवं शोध कार्य भी संचालित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के शिलान्यास से पहले प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद खिलाड़ियों से बातचीत की। इसके अलावा उन्होंने खेल उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय के मॉडल को भी देखा। इसके पूर्व, मोदी मेरठ के काली पलटन मंदिर गए और वहां पूजा की। उसके बाद उन्होंने शहीद स्मारक भवन में अमर जवान ज्योति पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मोदी ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के पहले शहीद क्रांतिकारी मंगल पांडे की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। वह राजकीय स्वतंत्रता संघर्षालय भी गए और वहां रखी ऐतिहासिक चीजों का अवलोकन किया।

पेगासस का...

फोन एकत्र करने का स्थान नई दिल्ली में होगा और जांचाछानबीन पूरी होने के बाद इसे वापस कर दिया जाएगा। पिछले साल इजराइली स्पाईवेयर पेगासस का इस्तेमाल भारत में कथित तौर पर जासूसी के लिए किए जाने को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया था। पिछले साल अक्टूबर में उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया था कि विशेषज्ञों की एक समिति यह जांच करेगी कि क्या सरकार ने सैन्य श्रेणी के निजी इजराइली पेगासस स्पाईवेयर का इस्तेमाल विपक्ष के नेताओं, सक्रियतावादियों, उद्योगपतियों, न्यायाधीशों और पत्रकारों की जासूसी के लिए किया है।

केंद्र ने...

होने वाली आय को विचार से बाहर रखा गया है, जबकि ईडब्ल्यूएस के लिए 8 लाख रुपए के मानदंड में खेती सहित सभी स्रोतों से आय शामिल है। समिति ने कहा, इसलिए, एक ही कट-ऑफ संख्या होने के बावजूद, उनकी संरचना अलग-अलग है और इसलिए, दोनों को समान नहीं कहा जा सकता है। ईडब्ल्यूएस और ओबीसी क्रीमी लेयर के लिए आय को कैसे परिभाषित किया जाता है, इसमें महत्वपूर्ण अंतरों का उल्लेख करते हुए, पैनल ने कहा कि ओबीसी के बीच क्रीमी लेयर के तहत योग्य होने के लिए, घरेलू सकल आय लगातार तीन वर्षों तक प्रति वर्ष 8 लाख रुपए से अधिक होनी चाहिए, जबकि ईडब्ल्यूएस आरक्षण के लिए पात्र होने के लिए, लाभार्थी की घरेलू आय पिछले वित्तीय वर्ष में 8 लाख रुपए से कम होनी चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है, विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों - ग्रामीण, शहरी, मेट्रो या राज्यों के लिए अलग-अलग आय सीमाएं होने से जटिलताएं पैदा होंगी, विशेष रूप से यह देखते हुए कि लोग नौकरियों, अध्ययन, व्यवसाय आदि के लिए देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में तेजी से बढ़ रहे हैं। अलग-अलग क्षेत्रों के लिए आय की भिन्न-भिन्न सीमाएं सरकारी अधिकारियों और आवेदकों दोनों के लिए एक दुःस्वप्न के समान होगा।

नवाब मलिक...

सिंह राजपूत की मौत से जुड़ा एक ड्रग केस) में अपील लंबित हैं। अदालत से (समीर खान के मामले से संबंधित) कागजात (सार्वजनिक पटल पर) आते तो बेहतर होता। मंत्री ने दावा किया, "लेकिन जिस तरह से जनसंपर्क एजेंसियों ने एनसीबी के अहस्ताक्षरित कागजात प्रसारित किए, वह इसके पीछे की गलत मंशा को दर्शाता है। मलिक ने बिना किसी का नाम लिए यह भी दावा किया कि राज्य के एक बहुत वरिष्ठ भाजपा नेता मुंबई में केंद्रीय एजेंसी में वानखेड़े के सेवा विस्तार के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से पैरवी कर रहे हैं। संपर्क किए जाने पर, एनसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि मैडी, जो एक एनसीबी अधिकारी (ऑडियो क्लिप में) से बात कर रहा है, मामले के गवाहों में से एक है।

मुस्लिम महिलाओं...

भरोसा है। दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करती है। बीते साल 4 जुलाई को सुली डील्स नाम के एक ऐप के बारे में कई रिपोर्टें सामने आई थीं, जिसे एक अज्ञात समूह द्वारा कोड होस्टिंग प्लेटफॉर्म-गिटहब पर बनाया गया था। ऐप ने एक मुस्लिम महिला का चेहरा और उसके नीचे एक टैगलाइन प्रदर्शित की थी जिस पर लिखा था- दिन की सुल्ली डील। सुल्ली महिलाओं के खिलाफ इस्तेमाल किया जाने वाला अपमानजनक शब्द है। इस मामले को लेकर भी सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया हुई थी।

विमान ईंधन कीमतों में 2.75 प्रतिशत की वृद्धि, वाणिज्यिक गैस सिलेंडर 102.5 रुपए सस्ता हुआ

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच विमान ईंधन (एटीएफ) के दाम 2.75 प्रतिशत बढ़ाए गए हैं। हालांकि, वाणिज्यिक इस्तेमाल वाले गैस सिलेंडर (एलपीजी) की कीमतों में 102.5 रुपए प्रति सिलेंडर की कटौती की गई है। अक्टूबर, 2021 के बाद एलपीजी के दाम पहली बार घटे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में एटीएफ का दाम 2,039.63 रुपए प्रति किलोलीटर बढ़ाकर 76,062.04 रुपए प्रति किलोलीटर कर दिया गया है। इससे पहले दिसंबर में विमान ईंधन कीमतों में दो बार कटौती की गई थी। नवंबर के दूसरे पखवाड़े और दिसंबर मध्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल कीमतों में गिरावट की वजह से एटीएफ के दाम कम हुए थे। उसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम चढ़े हैं। नवंबर मध्य में एटीएफ की कीमत 80,835.04 रुपए प्रति किलोलीटर के उच्चस्तर पर पहुंच गई थी। उसके बाद एक और 15 दिसंबर को एटीएफ कीमतों में कुल मिलाकर 6,812.25 रुपए प्रति किलोलीटर या 8.4 प्रतिशत की कटौती की गई थी। विमान ईंधन कीमतों में हर महीने की एक और 16 तारीख को संशोधन किया जाता है। वहीं वाणिज्यिक इस्तेमाल वाले गैस सिलेंडर के दाम में हर महीने की पहली तारीख को संशोधन होता है। वाणिज्यिक इस्तेमाल वाले 19 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर के दाम में 102.5 रुपए की कटौती की गई है। इन सिलेंडरों का इस्तेमाल होटलों और रेस्तरांओं द्वारा किया जाता है। यह एलपीजी कीमतों में छह अक्टूबर, 2021 के बाद पहली कटौती है। एक दिसंबर को वाणिज्यिक इस्तेमाल वाले रसोई गैस सिलेंडर का दाम 1,734 रुपए से बढ़कर 2,101 रुपए प्रति सिलेंडर पर पहुंच गया था। हालांकि, रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसे 899.50 रुपए प्रति सिलेंडर पर कायम रखा गया है। रसोई गैस सिलेंडर के दाम में छह अक्टूबर से कोई बदलाव नहीं हुआ है।

टेस्ट जीतकर इतिहास रचने उतरेगा भारत

दक्षिण अफ्रीका के साथ दूसरा टेस्ट आज से

भाषा। जोहानिसबर्ग

भारत को नए साल में इतिहास रचने का मौका मिलेगा जब कई मैच विजेताओं की मौजूदगी वाली विराट कोहली की टीम सोमवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को हराकर इस देश में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। बॉक्सिंग डे टेस्ट में सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका का किला ढहाने के बाद भारत अब जोहानिसबर्ग में जीत दर्ज करने उतरेगा जिसे देश के बाहर भारतीय टीम का घर माना जाता है।

यहीं 2018 में भारत की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में से एक की नींव रखी गई जब काफी मुश्किल पिच पर भारत ने मेजबान टीम को हराया और टीम इंडिया को शीर्ष टीमों से भिड़ने और उन्हें उन्हीं के मैदान पर पस्त करने का आत्मविश्वास मिला। भारतीय टीम लगभग चार साल से विदेशी सरजमीं पर प्रभावी प्रदर्शन कर रही है और टीम का रुकने का कोई इरादा नहीं है।

वांडरर्स में टेस्ट जीत इस पारंपरिक प्रारूप में देश के महानतम कप्तानों में से एक के रूप में कोहली के दर्जे को मजबूत करेगी जो न्यूजीलैंड को छोड़कर चार सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया) में से जीत में श्रृंखला जीत चुका होगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम कई दिग्गज खिलाड़ियों के जाने के बाद बदलाव के दौर से गुजर रही है और भारत के पास टेस्ट श्रृंखला जीतने का इससे अच्छा मौका नहीं होगा।

दक्षिण अफ्रीका की मौजूदा टीम के लिए भारत को चुनौती दे पाना आसान नहीं होगा लेकिन मेजबान टीम के पास कागिसो रबादा और लुंगी एनगिडी जैसे तेज गेंदबाज हैं जो अकेले दम पर पर विरोधी टीम के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर सकते हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के 29 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने से दक्षिण अफ्रीका को झटका लगा है और इससे टीम का बल्लेबाजी क्रम और कमजोर होगा। 25 साल के रेयान रिकलटन का दूसरे टेस्ट में पदार्पण तय है लेकिन अगर वह प्रभाव छोड़ने में सफल भी रहते हैं तो भी उनके लिए जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाजों का लाल कूकाबूरा से सामना करना आसान नहीं होगा। पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर हुए डुआने ओलिवर के वियान मुल्डर की जगह खेलने की उम्मीद है लेकिन भारत के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ उनकी राह आसान नहीं होगी।

निजी तौर पर कोहली ने पहले टेस्ट में राहत की सांस ली होगी क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली के साथ विवाद के बाद यह तय हो गया है कि वह अब बोर्ड के पसंदीदा नहीं हैं। कोहली पिछले दो साल से अधिक समय से शतक जड़ने में नाकाम रहे हैं और उनकी नजरें इस सूखे को खत्म करने पर टिकी होंगी। कोहली ने पहले टेस्ट से पहले और बाद में मीडिया का सामना नहीं किया और अब मुख्य कोच राहुल द्रविड़ एक बार फिर द वॉल की भूमिका निभा रहे हैं। द्रविड़ की भूमिका माहौल को शांत करने की है। वह पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वह टीम के आंतरिक मामलों के बारे में बात नहीं करेंगे। मुख्य कोच एक बार मामले को ठंडा कर चुके हैं और रविवार को उनके एक बार फिर प्रेस कांफ्रेंस में चर्चा को क्रिकेट तक सीमित रखने की उम्मीद है। पांच गेंदबाजों के साथ उतरने की कोहली की चाहत के कारण संभावना कम ही है कि भारत की अंतिम एकादश में बदलाव होगा। भारत ने धीमी ओवर गति के कारण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में एक अंक गंवाया था और तेज गेंदबाजी की अनुकूल पिच पर चार तेज गेंदबाजों के साथ रविचंद्रन अश्विन गेंदबाजी क्रम का अहम हिस्सा होंगे।

शारदुल ठाकुर गेंदबाजी क्रम की सबसे कमजोर कड़ी हैं। उमेश यादव उनसे अधिक प्रभावी हैं लेकिन मुंबई के आलराउंडर की अहम समय पर विकेट चटकाने की क्षमता और बेहतर बल्लेबाजी उन्हें अंतिम एकादश में जगह बनाने का प्रबल दावेदार बनाती है। वांडरर्स की जीवंत पिच पर उमेश बुरा विकल्प नहीं होंगे फिर भले ही इसके लिए अतिरिक्त बल्लेबाज खिलाना पड़ा जो कोहली का तरीका नहीं है।

अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों से चर्चा करते कोच राहुल द्रविड़

टीमें

भारत: विराट कोहली (कप्तान), लोकेश राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, रविचंद्रन अश्विन, शारदुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, अजिंक्य रहाणे, रिद्धिमान साहा, जयंत यादव, प्रियांक पांचाल, उमेश यादव, हनुमा विहारी और इशांत शमा।

दक्षिण अफ्रीका: डीन एल्गर (कप्तान), तेंबा बावुमा, कागिसो रबादा, सेरेल इर्वी, ब्युरोन हेंड्रिक्स, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, ऐडन मार्कराम, वियान मुल्डर, कीगन पीटरसन, रेसी वान डेर दुसें, काइल वेरेन, मार्को जेनसन, ग्लेंटन स्टुरमैन, प्रेनेलान सुब्राएन, सिसांदा मगाला, रेयान रिकलटन और डुआने ओलिवर।

पिछले 20 दिन में असाधारण रहे कोहली: द्रविड़

कप्तान जल्द ही रन बनाना शुरू करेंगे

जोहानिसबर्ग। भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने चैम्पियन बल्लेबाज और टेस्ट कप्तान विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा है कि उन्हें लेकर इतने शोर के बावजूद वह असाधारण रहे हैं। सीमित ओवरों की कप्तानी को लेकर कोहली और बीसीसीआई में ठनी हुई है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के बयान का खंडन करते हुए कहा था कि उन्हें टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ने पर पुनर्विचार के लिए कभी नहीं कहा गया था। कोहली ने टी-20 कप्तानी छोड़ी और वनडे कप्तानी से उन्हें हटाया गया। उसके बाद से कोहली मीडिया से मुखातिब नहीं हुए हैं। द्रविड़ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा कि पिछले 20 दिन में विराट असाधारण रहा है। उसे लेकर इतने शोर के बावजूद उसने जिस तरह अभ्यास किया, तैयारी की और टीम के साथ जुड़ा रहा, वह शानदार है। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि इस मैच से पहले से ही बाहर काफी शोर है लेकिन टीम का मनोबल बनाए रखना मुश्किल नहीं था। खुद कप्तान ने मोर्चे से अगुवाई की। यह पूछने पर कि इस दौरे पर अभी तक वह मीडिया से मुखातिब क्यों नहीं हुए, द्रविड़ ने कहा कि इसका कोई खास कारण नहीं है। मैं इस पर फैसला नहीं लेता लेकिन मुझे कहा गया है कि वह अपने 100वें टेस्ट की पूर्व संध्या पर बात करेंगे तो आप उनसे तभी सारे सवाल पूछ सकते हैं। कोहली का सौवां टेस्ट इस श्रृंखला का तीसरा और आखिरी टेस्ट होगा जो केपटाउन में 11 जनवरी से खेला जाएगा। हाल ही में मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा ने कोहली के बयान का खंडन करते हुए कहा कि उनसे अनुरोध किया गया था कि टी-20 विश्व कप खत्म होने तक फैसला रोके रहें। बतौर बल्लेबाज कोहली का फॉर्म भी एक मसला है जो पिछले दो साल में अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में बदल नहीं पा रहे हैं। द्रविड़ ने कहा कि मैच शुरू होने के बाद कोच ज्यादा कुछ नहीं कर सकता। नतीजों पर नियंत्रण नहीं हो सकता। हम अच्छी तैयारी पर जोर दे रहे हैं ताकि टीम अच्छे फॉर्म में रहे।

दूसरे टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे: एल्गर

भाषा। जोहानिसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने से स्तब्ध थे लेकिन उन्हें उम्मीद है कि उनकी टीम इस झटके से उबर कर भारत के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला को बराबर करने का प्रयास करेगी। डिकॉक ने भारत के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के के बाद महज 29 साल की उम्र में खेल के इस पारंपरिक प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी थी। उनकी टीम गुरुवार को सेंचुरियन में खत्म हुए टेस्ट मैच में 113 रन से हार गई थी।

एल्गर ने यहां ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं काफी चौंक गया था। लेकिन जब क्विनी (क्विंटन डिकॉक) के साथ बैठा तक उन्होंने अपने कारण बताए और मैं उनके फैसले का सम्मान करता हूं और पूरी तरह समझता हूं। एल्गर से जब पूछा गया कि क्या उनके संन्यास से दूसरे खिलाड़ी प्रभावित होंगे तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई भी खिलाड़ी प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की तरह पेश आए और आगे बढ़े। हमें इसे लेकर पेशेवर होने की जरूरत है। हम अभी एक टेस्ट श्रृंखला के बीच में है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि डिकॉक के संन्यास का किसी पर कोई असर होगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी परिस्थितियों का सम्मान करते हैं। हम महसूस करते हैं कि हाल के दिनों में हमें कुछ झटके लगे हैं और हमें स्पष्ट रूप से इसके बारे में समझदार होना चाहिए। इससे उबरना होगा। मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ी अभी भी संन्यास से सदमे में हैं।

पिंक टेस्ट से पहले मैकग्रा कोविड से संक्रमित हुए

सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा पिंक टेस्ट के आयोजन से कुछ दिन पहले कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। पिंक टेस्ट मैकग्रा की पत्नी जेन की याद में खेला जाता है जिनकी स्तन कैंसर से मौत हो गई थी। इस मैच के जरिए स्तन कैंसर से पीड़ित मरीजों की सहायता के लिए कोष जुटाया जाता है। इस बार पिंक टेस्ट में आस्ट्रेलिया का प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड होगा और यह मुकाबला एशेज श्रृंखला का हिस्सा है। आस्ट्रेलिया का नए साल का यह पहला टेस्ट पांच जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में खेला जाना है। एससीजी टेस्ट का तीसरा दिन जेन मैकग्रा दिवस के रूप में जाना जाता है और यह देखना होगा कि मैकग्रा तब तक कोविड परीक्षण में नेगेटिव आकर इसका हिस्सा बन पाते हैं या नहीं।दोनों टीम के खिलाड़ियों को हालांकि जब उनकी बैगी पिंक कैप सौंपी जाएंगी तो मैकग्रा आनलाइन इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। आस्ट्रेलियाई मीडिया ने मैकग्रा फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी होली मास्टर्स के हवाले से कहा कि ग्लेन का पीसीआर परीक्षण हुआ और दुर्भाग्य से नतीजा पॉजिटिव आया।

न्यूजीलैंड 328 रन बनाकर आउट

जवाब में बांग्लादेश ने दो विकेट पर 175 रन बनाए

एपी। माउंट मोनगानुई (**न्यूजीलैंड**)

बांग्लादेश ने पिछले कुछ वर्षों में विदेशी सरजमीं पर अपना दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन अपना पलड़ा भारी रखा। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड के अंतिम पांच विकेट 70 रन पर चटकाकर मेजबान टीम की पहली पारी को 328 रन पर समेटा और फिर दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट पर 175 रन बनाए।

सलामी बल्लेबाज महमूदुल हसन जॉय (नाबाद 70) और नजमुल हुसैन शंटो (64) ने दूसरे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी की। दिन का खेल खत्म होने पर कप्तान मोमीनुल हक आठ रन बनाकर महमूदुल का साथ निभा रहे थे। शंटो ने अपने 12वें टेस्ट में दूसरा अर्धशतक जड़ा। वह दो शतक भी बना चुके हैं। दूसरा टेस्ट खेल रहे महमूदुल का यह पहला अर्धशतक है। बांग्लादेश की टीम अभी 153 रन से पीछे है जबकि उसके आठ विकेट शेष हैं। महमूदुल ने शादमान इस्लाम (22) के साथ पहले विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को सतर्क शुरुआत दिलाई। दोनों ने मेजबान टीम को 18 ओवर से अधिक तक सफलता से महरूम रखकर नई गेंद की चमक फीकी की जिसका फायदा दूसरे विकेट की जोड़ी ने उठाया।

कल न्यूजीलैंड के लिए डेवोन कॉनवे ने 122 रन बनाकर चौथे टेस्ट में अपना दूसरा शतक जड़ा था लेकिन आज निचला क्रम नाकाम रहा। हेनरी निकोल्स 75 रन बनाकर आउट होने वाले अंतिम बल्लेबाज रहे।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शरीफुल इस्लाम (69 रन पर तीन विकेट) ने आलराउंड रचिन रविंद्र (04) को पवेलियन भेजा जबकि आफ स्पिनर मेहीदी हसन मिराज (86 रन पर तीन विकेट) ने काइल जेमीसन (06), टिम साउथी (06) और नील वैगनर (00) की पारियों का अंत किया। मोमीनुल ने बाएं हाथ क स्पिन गेंदबाजी से कॉनवे और निकोल्स को आउट किया। उन्होंने छह रन देकर दो विकेट चटकाए। बांग्लादेश को लंच से पहले महमूदुल और शादमान ने झटके नहीं लगने दिए। दूसरे सत्र में भी उन्होंने पहले घंटे में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को सफलता से महरूम रखा। शादमान हालांकि ड्रिंक्स ब्रेक के बाद पहली ही गेंद पर नील वैगनर (27 रन पर दो विकेट) की गेंद पर उन्हीं को कैच दे बैठे। वैनगर ने इसके बाद महमूदुल और नजमुल की साझेदारी को भी तोड़ा। उन्होंने नजमुल को विल यंग के हाथों कैच कराया।

इंग्लैंड का ट्रेनिंग सत्र रद्द

सिडनी। इंग्लैंड की आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे एशेज टेस्ट की तैयारियों को एक और झटका लगा जब उसका एक नेट गेंदबाज कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया जिसके कारण टीम का ट्रेनिंग सत्र रदद हो गया क्योंकि अन्य नेट गेंदबाजों को उसका करीबी संपर्क माना गया।

पहले तीन टेस्ट में हार के साथ श्रृंखला गंवा चुकी इंग्लैंड की टीम को उस समय झटका लगा है जब वे पूर्व एकदिवसीय कप्तान एडम होलियोक को टीम के कोचिंग स्टाफ से जोड़ने की योजना बना रहे हैं।

डिकॉक के संन्यास से दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी और कमजोर हुई: अमला

भाषा। जोहानिसबर्ग

पूर्व स्टार बल्लेबाज हाशिम अमला का मानना है कि अनुभवी क्विंटन डिकॉक के टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने से दक्षिण अफ्रीका का पहले से ही कमजोर बल्लेबाजी क्रम और अधिक कमजोर हो गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज डिकॉक ने पिछले हफ्ते पारिवारिक कारणों से टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया था लेकिन यह 29 वर्षीय खिलाड़ी सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलता रहेगा।

अमला डिकॉक के संन्यास लेने से चिंतित हैं क्योंकि यह उस समय लिया गया जब मेजबान टीम भारत के खिलाफ तीन मैचों की मौजूदा श्रृंखला का पहला टेस्ट गंवाकर पहले ही 0-1 से पीछे चल रही है। हवाले ने कहा, मध्य क्रम में हमारे दो सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज तेंबा (बावुमा) और क्विंटन हैं। अब क्विंटन ने टेस्ट क्रिकेट में नहीं खेलने का फैसला किया है तो इससे बल्लेबाजी क्रम और कमजोर होगा, इसके कारण तेंबा को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आना होगा- तीसरे या चौथे स्थान पर, जिससे कि वह बल्लेबाजी क्रम को उबारने की जगह मजबूत करने की भूमिका निभाए।

अमला का हालांकि मानना है कि दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी वापसी कर सकती है और भारत के खिलाफ कभी घरेलू श्रृंखला नहीं गंवाने के रिकॉर्ड को बरकरार रख सकती है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर वापसी का रास्ता है लेकिन इसके लिए लंबे समय तक बेहद एकाग्रता और थोड़े भाग्य की जरूरत होगी। अमला ने कहा कि कप्तान डीन एल्गर और ऐडन मार्कराम स्तरीय खिलाड़ी हैं जिनमें शतक जड़ने की भूख है और अगर वे लय हासिल करते हैं तो इससे निश्चित तौर पर युवा खिलाड़ियों को आत्मविश्वास मिलेगा।

सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क पर पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रकी टीम 197 और 191 रन ही बना सकी थी और उसे भारत के खिलाफ 113 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। नौ हजार से अधिक टेस्ट रन बनाने वाले पूर्व कप्तान अमला ने कहा कि पहले टेस्ट का नतीजा उचित था। अपने करियर के दौरान सेंचुरियन में वेस्टइंडीज (2014) और इंग्लैंड (2016) के खिलाफ दो दोहरे शतक जड़ने वाले अमला ने कहा, यह उचित नतीजा था। सेंचुरियन कुख्यात है कि मैच आगे बढ़ने के साथ बल्लेबाजी और अधिक मुश्किल हो जाती है। इसलिए भारत ने जब टॉस जीता, बल्लेबाजी की और 300 से अधिक रन बनाए तो दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों के लिए चुनौती थी कि वे कम से कम इस स्कोर की बराबरी करें। 130 रन से पिछड़ने का उन्हें बेहद नुकसान हुआ और इससे अंतर पैदा हुआ।

नीरज चोपड़ा के कोच का अनुबंध 2024 ओलंपिक तक बढ़ा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने रविवार को पुष्टि की कि ओलंपिक चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा जर्मनी के अपने कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज के साथ अभ्यास करना जारी रखेंगे, जिनका अनुबंध 2024 में होने वाले पेरिस खेलों तक बढ़ा दिया गया है।

टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने के बाद चोपड़ा ने जर्मनी के इस बायो-मैकेनिकल विशेषज्ञ के साथ प्रशिक्षण जारी रखने की इच्छा जताई थी। एएफआई ने कहा कि हमने 2024 के पेरिस खेलों तक ओलंपिक भाला फेंक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा के कोच डॉ. क्लाउस बार्टोनिट्ज की सेवाएं हासिल कर ली हैं।

चोपड़ा की 2018 में कोहनी की सर्जरी के बाद पुनर्वास और ठीक होने की प्रक्रिया के दौरान बार्टोनिट्ज ने हमवतन और पूर्व विश्व रिकॉर्डधारी भाला फेंक खिलाड़ी उवे हॉन से चोपड़ा के कोच के रूप में कार्यभार संभाला था।

एएफआई ने यह भी कहा कि 400 मीटर की कोच गैलिना बुखारीना भी चीन के हांगझोऊ में इस साल के एशियाई खेलों के अंत तक अपना कार्यभार संभालेंगी।

मेसी सहित पीएसजी के चार खिलाड़ियों को कोरोना

एपी। पेरिस

सात बार के बेलोन डियोर पुरस्कार विजेता लियोनल मेसी पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) टीम के उन चार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो सोमवार रात टीम के फ्रेंच कप फुटबॉल मुकाबले से पहले कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए। पीएसजी टीम ने शनिवार रात बयान में कहा था कि स्टाफ का एक सदस्य भी कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया है।

उस समय किसी के नाम का खुलासा नहीं किया गया था लेकिन बाद में रविवार को टीम के चिकित्सा समाचार में क्लब ने संक्रमित खिलाड़ियों की सूची में मेस्सी, लेफ्ट बैक युआन बेर्नाट, बैकअप विकेटकीपर सर्जियो रिको और 19 साल के मिडफील्डर नाथन बिटुमाजाला के नाम की जानकारी दी। पीएसजी कोच मौरिसियो पोचेतीनो इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि मेस्सी फ्रांस में कब लौट पाएंगे। पोचेतीनो ने रविवार को मैच के पहले होने वाले संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम लगभग दो साल से वायरस के साथ रह रहे हैं और हर कोई जानता है कि संक्रमण से बचने के लिए उन्हें क्या करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि लियो (मेसी) के बारे में बात करें तो वह हमारी चिकित्सा सेवा के संपर्क में है। मुझे नहीं पता कि वह लियोन में खेल पाएंगे या नहीं। वह अर्जेंटीना में कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए है। वह जब तक जांच में नेगेटिव नहीं आएंगे तब तक फ्रांस की यात्रा करने में सक्षम नहीं होगें। हम देखेंगे कि वह कब वापस आएंगे। पीएसजी को तीसरे टीयर की टीम वेनेस से भिड़ना है। पिछले साल का उप विजेता मोनाको रविवार को दूसरे टीयर की टीम क्युविली रोवेन से भिड़ेगा।

भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए मार्को जानसेन दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल

भाषा। जोहानिसबर्ग

युवा तेज गेंदबाज मार्को जानसेन को भारत के खिलाफ 19 जनवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए 17 सदस्यीय दक्षिण अफ्रीका टीम में शामिल किया गया है।

21 वर्ष के जानसेन ने पिछले सप्ताह अपने पहले टेस्ट में पांच विकेट लिए थे। मेजबान टीम के कप्तान तेम्बा बावुमा होंगे जबकि केशव महाराज उपकप्तान होंगे। अनुभवी तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया कूल्हे की चोट के कारण वनडे श्रृंखला भी नहीं खेल सकेंगे।

टीम में पूर्व कप्तान क्विंटोन डिकॉक भी हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। दक्षिण अफ्रीका की चयन समिति के समन्वयक विक्टर एम ने कहा कि यह काफी रोमांचक समूह है। चयन समिति और मैं उनके प्रदर्शन को लेकर काफी रोमांचित हैं। उन्होंने कहा कि हमारे कई खिलाड़ियों के लिए भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से बड़ा कुछ नहीं। यह उनके लिए सबसे बड़ी श्रृंखला होगी। पहला मैच 19 जनवरी को और दूसरा 21 जनवरी को पार्ल में खेले जाएंगे। तीसरा और आखिरी मैच 23 जनवरी को केपटाउन में होगा।

टीम : तेम्बा बावुमा (कप्तान), केशव महाराज, क्विंटोन डिकॉक, जुबैर हमजा, मार्को जानसेन, जान्नेमन मालान, सिसांडा एमगाला, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एंगिडि, वेन परनेल, एंडिले फेलुक्वायो, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, रासी वान डेर डुसेन, काइल वेरेन्ने।

एटीपी कप में अमेरिका ने कनाडा, रूस ने फ्रांस को हराया

सिडनी। अमेरिका ने एटीपी कप टेनिस टीम टूर्नामेंट में रविवार को कनाडा को हराया जबकि गत चैंपियन रूस ने फ्रांस को शिकस्त दी। जॉन इसनर और टेलर फ्रिट्ज ने एकल मुकाबले में कनाडा के अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराने के बाद युगल मैच जीता जिससे टीम ने 3-0 से मुकाबला अपने नाम किया।

इसनर ने ब्राइडन शनुर को एकल मुकाबले में 66 मिनट में 6-1, 6-4 से हराकर अमेरिका को शुरुआती बढ़त दिलाई। थकान के कारण शुरुआती एकल मुकाबले से अंतिम लम्हों में हटने वाले डेनिस शापोवालोव की जगह शनुर को उतारा गया। हाल में पश्चिम एशिया में एक टूर्नामेंट के दौरान कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद शापोवालोव इससे उबर रहे हैं।

फ्रिट्ज ने इसके बाद एक सेट से पिछड़ने के बाद दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी फेलिक्स आगर एलियासिम को 6-7, (6) 6-4, 6-4 से हराकर अमेरिका को विजई बढ़त दिलाई।

क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में खेलना चहते हैं जोस बटलर

भाषा। सिडनी

एशेज श्रृंखला में अब तक लचर प्रदर्शन के बावजूद इंग्लैंड के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का टेस्ट क्रिकेट छोड़ने का कोई इरादा नहीं है और उन्होंने पांच दिवसीय प्रारूप से दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक के अचानक संन्यास लेने पर निराशा जताई।

इस समय सीमित ओवरों के क्रिकेट के शीर्ष बल्लेबाजों में से एक बलटर एशेज में आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट में अब तक सिर्फ 19.20 की औसत से रन बना पाए हैं। वह मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में हिट विकेट आउट हुए और उन्होंने श्रृंखला में विकेट के पीछे कई कैच भी टपकाए। बटलर ने हालांकि पांच जनवरी से यहां शुरू हो रहे चौथे टेस्ट से पूर्व खेल के तीनों प्रारूपों में खेलने की प्रतिबद्धता जताई। बटलर ने कहा कि निश्चित तौर पर यह मेरी महत्वाकांक्षा है। मुझे अपने परिवार का समर्थन हासिल है जिन्होंने मेरा और मेरे करियर का समर्थन किया है और इसके लिए काफी बलिदान दिए हैं। इससे आपको काफी प्रेरणा मिलती है। इससे निश्चित तौर पर खेलते रहने की मेरी इच्छा बनी रहती है।

डिकॉक के 29 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले के बारे में पूछने पर बटलर ने कहा कि वह इस फैसले से निराश हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी के कदम का समर्थन करते हैं। बटलर ने कहा कि यह (टेस्ट से संन्यास) क्विंटन की निजी स्थिति है लेकिन क्रिकेट के प्रशंसक और उनके प्रशंसक के रूप में मैं निराश हूं कि वह इस स्थिति में है। उन्होंने कहा कि मुझे उसे बल्लेबाजी करते, विकेटकीपिंग करते और टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए देखना पसंद है।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं०—13 वर्ष 2021—22

अधोलिखित कार्यो के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती है :—

1. कार्यो का विवरण : इज्जतनगर मंडल में स्थापित Efftronics मेक डाटा लॉगर सिस्टम की तीन वर्ष के लिए Comprehensive ए.एम.सी, **अनुमानित लागत :** ₹ 1,79,61,724.44, **कार्य समापन अवधि :** 36 माह, **तकनीकी शर्त :** मूल उपकरण निर्माता (OEM) अथवा RDSO अनुमोदित OEM का प्राधिकृत डीलर।

ई—निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 19/01/2022, 11:00 बजे

- पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है।
- निविदादाता के पास क्लास—III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिये।
- सभी आवश्यक दस्तावेज ई—निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।

वरि. मंडल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर

मुजाधि/सिगनल – 64

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मोबाइल नं. 09794845955 पर SMS करें।

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

बांग्लादेश पुलिस ने मंदिरों में बेअदबी को लेकर शिकायतें दर्ज की

गिरफ्तारी को लेकर किया प्रदर्शन

भाषा। ढाका

बांग्लादेश पुलिस ने तीन मंदिरों में बेअदबी के आरोप में शिकायतें दर्ज की हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय ने लालमोनीरहाट जिले में कथित बेअदबी की घटनाओं में लिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया है। इस जिले की सीमा भारत से लगती है।

लालमोनीरहाट जिले के हाटीबंध उपजिले में शुक्रवार तड़के पॉलीथीन में पैक कच्चा बीफ गेंदुकुरी गांव के तीन हिंदू मंदिरों और एक घर के दरवाजे पर लटका दिया गया। इसके बाद प्रदर्शन शुरू हुए। एक अखबार ने बताया कि घटना के सिलसिले में हाटीबंध थाने में शुक्रवार रात चार शिकायतें दर्ज कराई गईं। एक स्थानीय पत्रकार ने बताया कि इलाके के मुस्लिम निवासियों ने घटना की निंदा करते हुए कहा है कि यह उन तत्वों ने किया है जो अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच की सद्भावना को बाधित करना चाहते हैं। घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शनिवार को स्थानीय हिंदू समुदाय के सदस्यों ने गांव के श्री श्री राधा गोविंद मंदिर में विरोध प्रदर्शन किया।

हाटीबंध उपजिला पूजा उदजापन परिषद के प्रमुख दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना के बारे में सूचित किया, जिन्होंने मौके का दौरा किया। सिंह ने बताया कि पुलिस ने हमें आश्वस्त किया है कि अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घटना 26 दिसंबर को हुए स्थानीय संघ परिषद चुनावों से संबंधित हो सकती है। हाटीबंध थाना प्रभारी इरशाद-उल-आलम ने कहा कि वे घटना की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कर दिए गए हैं। आलम के मुताबिक, बदमाशों का पता लगाने के लिए खोज अभियान शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के नेता काजल देबनाथ ने कहा कि ऐसी घटनाएं पहले भी देश के अन्य हिस्सों से रिपोर्ट हुई हैं और इस तरह के जघन्य कृत्यों के अपराधी निश्चित रूप से हमारी आस्था और भावनौ को चोट पहुंचाने की मंशा रखते हैं। उन्होंने इन तत्वों को बांग्लादेश में वास्तविक अल्पसंख्यक कहा। वह 1971 के सांप्रदायिक तत्वों का जिक्र कर रहे थे, जिन्होंने पाकिस्तान से बांग्लादेश की स्वतंत्रता का विरोध किया था।

आर्चबिशप इमेरिटस डेसमंड टूटू का पार्थिव शरीर दफनाया गया

एपी। केपटाउन

नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित केप टाउन के एंग्लिकन आर्चबिशप इमेरिटस डेसमंड टूटू के पार्थिव शरीर को रविवार को शहर के एंग्लिकन कैथेड्रल में एक निजी पारिवारिक सेवा के दौरान दफनाया गया। आर्चबिशप थाबो मैकगोबा ने सेंट जॉर्ज गिरजाघर में ऊंची वेदी के सामने टूटू के पार्थिव शरीर वाला ताबूत ससम्मान गड्ढे में रखा। इस मौके पर टूटू की विधवा, बच्चे एवं परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे।

मैकगोबा ने सुझाव दिया कि नोबेल पुरस्कार प्राप्तकर्ता के सम्मान में केपटाउन के हवाई अड्डे का नाम बदलकर डेसमंड एमपिलो टूटू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रखा जाए। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लोगों से उस क्रांतिकारी बदलाव पर चलने का आह्वान किया, जिसकी टूटू ने पैरोकारी की थी।

दक्षिण अफ्रीका के संसद भवन में भीषण आग लगी, एक हिरासत में

एपी। केप टाउन

दक्षिण अफ्रीका के संसद भवन परिसर में भीषण आग लग गई जिससे कई दफ्तर जलकर खाक हो गए और इमारत की कुछ छतें ढह गईं। इसी परिसर में नेशनल असेंबली है। दमकल कर्मी केप टाउन में स्थित परिसर में आग पर काबू लाने के लिए मशक्कत कर रहे हैं। आग की वजह से आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया है। केप टाउन के दमकल एवं बचाव सेवा के प्रवक्ता जर्मेन कैरेलसे ने कहा कि आग तड़के लगी थी और तकरीबन 70 दमकल कर्मी आग पर काबू पाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। इस घटना में किसी के भी जख्मी होने की खबर नहीं है। संसद छुट्टियों की वजह से बंद है। मौके पर पहुंचे दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोस ने कहा कि आग लगने की घटना के सिलसिले में पुलिस ने एक शख्स को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। लोक निर्माण और बुनियादी ढांचा मंत्री पैट्रीसिया डी लिले ने पत्रकारों से कहा कि आग वर्तमान में नेशनल असेंबली कक्षों में लगी हुई है। यह लोकतंत्र के लिए बहुत दुखद दिन है, क्योंकि संसद हमारे लोकतंत्र का घर है। उन्होंने कहा कि हम आग को नेशनल असेंबली तक ही सीमित नहीं कर सके। छत के कुछ हिस्से गिर पड़े हैं। केप टाउन के सुरक्षा प्रभारी अधिकारी जेपी स्मिथ ने बताया कि संसद भवन कार्यालय की इमारत की कम से कम एक मंजिल जलकर राख बन चुकी है और पूरी छत ढह गई है।

उन्होंने कहा कि दमकल कर्मी नेशनल असेंबली की इमारत को बचाने पर ध्यान दे रहे हैं जहां दक्षिण अफ्रीकी संसद बैठती है। कैरेलसे ने कहा कि इमारतों के गिरने का खतरा है और उनमें रखीं ऐतिहासिक कलाकृतियों के क्षतिग्रस्त या नष्ट होने की आशंका है। कैरेलसे के हवाले से बताया है कि छत पर से तारकोल पिघलने लगा है और कुछ दीवारों में दरार पड़ने की भी रिपोर्ट है।

कैरेलसे ने बताया कि सुरक्षा कर्मियों ने सुबह छह बजे आग लगने की सूचना दी थी जिसके बाद दमकल की 35 गाड़ियों को आग बुझाने के लिए मौके पर भेजा गया। पुलिस ने परिसर की घेराबंदी कर ली है और सड़कों को बंद कर दिया है। परिसर में तीन मुख्य खंड हैं। मूल संसद भवन 1800 के दशक के अंत में पूरा हुआ और दो नए हिस्से 20 वीं शताब्दी में बने। लिले ने पहले कहा था कि आग शुरू में नेशनल असेंबली के पीछे स्थित पुराने संसद भवन तक ही सीमित थी।

टेस्ला की ऑटो पायलट टीम के पहले कर्मचारी थे अशोक एल्लुस्वामीः मस्क

ह्यूस्टन (**अमेरिका**)। सोशल मीडिया के माध्यम से भर्ती करने वाले टेस्ला के संस्थापक और सीईओ एलन मस्क ने खुलासा किया है कि उनकी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी की ऑटो पायलट टीम के सबसे पहले कर्मचारी भारतीय मूल के अशोक एल्लुस्वामी थे। अपने साक्षात्कार से जुड़े एक वीडियो को लेकर जवाब देते हुए मस्क ने ट्वीट कर कहा, अशोक पहले ऐसे व्यक्ति थे जो मेरे ट्वीट के जरिए भर्ती किए गए और इसके साथ ही मैंने कहा कि टेस्ला एक ऑटो पायलट टीम की शुरुआत कर रही है। उन्होंने कहा कि असल में, अशोक ऑटो पायलट इंजीनियरिंग के प्रमुख हैं।

मस्क ने कहा, टेस्ला की ऑटो पायलट टीम बेहद कुशल है। इसमें दुनिया के कुछ सबसे कुशल लोग शामिल हैं। टेस्ला में शामिल होने से पहले अशोक फॉक्सवैगन की इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला से जुड़े हुए थे।

उत्तर कोरिया के प्योंगयांग में नए साल के अवसर पर कम इल सुंग और किम जोंग इल की मूर्तियों का दौरा करते कोरियाई नेता

अमेरिका से बिना टीकाकरण आने वाले लोगों को रहना होगा पृथकवास में : फ्रांस

एपी। पेरिस

अमेरिका से बिना कोविड रोधी टीका लगवाए फ्रांस आने वाले यात्रियों को 10 दिनों तक स्थानीय अधिकारियों की निगरानी में स्व-पृथकवास में रहना होगा। सरकार द्वारा घोषित यह पाबंदी रविवार से प्रभावी हुई।

फ्रांसीसी सरकार द्वारा घोषित नियम के तहत अमेरिका से आने वाले यात्रियों को फ्रांस के लिए विमान में सवार होने से पहले टीकाकरण प्रमाण पत्र के अलावा कोविड जांच-आरटी-पीसीआर या एंटीजन जांच-की निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी और यह 48 घंटे से पुरानी नहीं होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अमेरिका से बिना टीकाकरण आए यात्रियों को केवल सात दिन बिना अधिकारियों की देखरेख स्व - पृथकवास में रहने की जरूरत थी।

गौरतलब है कि फ्रांस में लगातार चौथे दिन दो लाख से अधिक कोविड-19 के मामले आए हैं और ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण तेजी से बढ़ा है। फ्रांसीसी अधिकारी भी टीकाकरण नहीं कराने वालों पर दबाव बढ़ा रहे हैं।

सरकार संसद पर अगले दो सप्ताह में कानून पारित करने का दबाव बना रही है जिसमें केवल टीकाकरण कराने वाले लोगों को ही रेस्तरां, सिनेमाघर, रंगशाला, संग्रहालय और खेल के मैदान में जाने की अनुमति देने का प्रावधान किया जाएगा। फ्रांस में मौजूदा समय में हेल्थ पास व्यवस्था लागू है जिसमें कोविड-19 निगेटिव होने या संक्रमण से उबरने का सबूत देने पर लोगों को कई स्थानों पर प्रवेश दिया जा रहा है।

अगर संसद कानून पारित कर देती है तो लोगों को रेलगाड़ियों, बसों और घरेलू उड़ानों में सवार होने के लिए टीकाकरण पास दिखाने की जरूरत होगी।

नीदरलैंड में प्रदर्शन पर प्रतिबंध के बावजूद हजारों लोग एकत्र हुए

एम्सटर्डम। नीदरलैंड की राजधानी में हजारों लोगों ने प्रतिबंध की अवज्ञा की और कोरोना वायरस लॉकडाउन के डच सरकार के कदमों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए वे रविवार को एम्सटर्डम स्क्वायर पर एकत्र हुए। स्थानीय सरकार ने प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध लगाते हुए कहा था कि पुलिस को यह संकेत मिले हैं कि कुछ प्रदर्शनकारी हिंसा की साजिश रच रहे हों। नगर निकाय ने बाद में एक आपात आदेश जारी कर लोगों से म्यूजियम स्क्वायर खाली करने को कहा और दंगा रोधी पुलिस ने इलाके को खाली कराने के लिए मार्च किया तथा प्रदर्शनकारियों को आसपास की सड़कों की ओर खदेड़ दिया। अधिकारियों के प्रदर्शन स्थल पर आने से पहले प्रदर्शनकारियों ने एक बैनर लहराया, जिस पर लिखा था, कम दमन, अधिक देखभाल।

ओमीक्रोन के प्रसार के बीच इंग्लैंड के स्कूलों में मास्क अनिवार्य किया गया

लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने रविवार को कहा कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के प्रसार के मद्देनजर माध्यमिक स्कूलों में छात्रों को अनिवार्य रूप से मास्क पहनना होगा। क्रिसमस की छुट्टियों के बाद अगले सप्ताह से छात्रों के वापस स्कूलों में लौटने को ध्यान में रखते हुए अस्थाई रूप से कुछ नियम लागू किए गए हैं। साथ ही मौके पर ही एंटीजन कोविड जांच कराने के लिए भी कहा जा रहा है ब्रिटेन के शिक्षा मंत्री नदीम जहावी ने कहा कि प्रधानमंत्री (बोरिस जॉनसन) और मैं इस बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट हैं कि शिक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। इन उपायों से स्कूलों को हमारी सहायता मिल सकेगी क्योंकि हम लोग किसी भी तरह की बाधा को कम करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। कक्षाओं के लिए लागू किए गए नियम 26 जनवरी तक लागू रहेंगे, जिसके बाद हालात की समीक्षा की जाएगी। हालांकि, शिक्षकों को नियमों से छूट दी गई है। ब्रिटेन में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,62,572 नए मामले सामने आने के बाद सरकार ने ए घोषणाएं की है।

फ्रांस में संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच छह साल के बच्चों के लिए मास्क अनिवार्य

पेरिस। फ्रांस में कोविड-19 के मामलों में तेज बढ़ोतरी के बीच अधिकारियों ने शनिवार को घोषणा की कि छह साल और उससे अधिक उम्र के बच्चों को बंद सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना होगा। फ्रांस में लगातार चौथे दिन कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन से संक्रमण के 200,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। सरकार मास्क पहनने के लिए बच्चों की उम्र 11 साल से घटाकर छह साल करके स्कूलों को बंद करने से बचने की कोशिश कर रही है। फ्रांस में सोमवार से कक्षाएं फिर से शुरू होंगी और छोटे बच्चों को सार्वजनिक परिवहन, खेल परिसरों और पूजा स्थलों में मास्क पहनना होगा। मास्क पहनना अनिवार्य करने संबंधी यह आदेश पेरिस और ल्योन जैसे शहरों तक बढ़ा दिया गया है। यहां हाल में घर से बाहर निकलने पर मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है। नए साल के पहले दिन फ्रांस में संक्रमण के 219,126 नए मामले सामने आए, जो 2021 के अंतिम दिन 232,200 के दैनिक मामलों से थोड़ा कम है।

चीन के शियान शहर में कोविड के मामलों में वृद्धि

बीजिंग। चीन के शियान शहर में पिछले 10 दिनों से लॉकडाउन लगे होने के बीच वहां नववर्ष पर कोविड-19 के मामलों में वृद्धि जारी रही। लगभग तीन हफ्तों में शहर में संक्रमण के 1500 से अधिक मामले सामने आए हैं, जबकि देश के अन्य हिस्सों में 200 नए मामले सामने आए हैं। शियान, एक लोकप्रिय पर्यटन केंद्र है और वहां प्रसिद्ध टेराकोटा योद्धा संग्रहालय है।

कार में आराम कर रहे पुलिस अधिकारी को लगी गोली

एपी। न्यूयॉर्क

पुलिस पार्किंग स्थल में अपने निजी वाहन में आराम कर रहे न्यूयॉर्क सिटी के एक पुलिस अधिकारी को शनिवार को गोली मारे जाने का मामला सामने आया है।

बहरहाल अधिकारियों ने कहा कि घायल पुलिस अधिकारी के पूरी तरह से स्वस्थ हो जाने की उम्मीद है। कुछ घंटों पहले ही शपथ लेने वाली पुलिस आयुक्त कीचेंट सेवेल ने कहा कि अधिकारी के सिर में गोली लगी है और उसका न्यूयॉर्क प्रेसबिटेरियन अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वी हार्लेम में पार्किंग में सुबह करीब 6:15 बजे गोली चलने के बाद अधिकारी अपनी कार का कांच टूटने की आवाज से जाग गया और उसे उसके सिर के बाईं ओर दर्द महसूस हुआ। सेवेल ने कहा कि अधिकारी अपने वाहन से बाहर निकला और एक सार्जेंट ने उसके सिर से खून बहता देखा। सार्जेंट ने वाहन से बाहर निकलने में अधिकारी की मदद की। उसने कहा कि अधिकारी को अस्पताल ले जाया गया और गोली निकाली गई।

नेपाल में सड़क हादसे में सात लोगों की मौत

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल में तेज़ रफ्तार से जा रही एक बस सड़क से फिसल गई, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य जख्मी हो गए।

पुलिस ने बताया कि बस में कुल 22 लोग सवार थे और यह एक शव को अंतिम संस्कार के लिए रिदी लेकर जा रही थी तभी रास्ते में पल्पा जिले के रिबदिकोट में हादसा हो गया।

भारत, अमेरिका, यूएई के हिंदुओं ने पाक स्थित 100 वर्ष पुराने मंदिर में प्रार्थना की

भाषा। पेशावर

भारत, अमेरिका और खाड़ी क्षेत्र के 200 से अधिक हिंदू तीर्थयात्रियों ने पाकिस्तान स्थित 100 वर्ष पुराने महाराज परमहंस जी मंदिर में शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूजा की। एक कट्टरपंथी इस्लामी दल से संबंधित लोगों की भीड़ ने एक साल पहले इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था, जिसके बाद इसकी मरम्मत की गई है।

मंदिर आए विदेशी हिंदू तीर्थयात्रियों में भारत के करीब 200 और दुबई के करीब 15 लोग थे। शेष श्रद्धालु अमेरिका और अन्य खाड़ी राज्यों से आए थे। करक जिले के खैबर पख्तूनख्वा में टेरी गांव स्थित परमहंस जी के मंदिर और समाधि को 2020 में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल के कुछ सदस्यों ने ध्वस्त कर दिया था, जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हुई थी। इसके बाद मंदिर की मरम्मत की गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि भारतीय तीर्थयात्री वाघा बॉर्डर पार करके पाकिस्तान पहुंचे और सशस्त्र कर्मी उन्हें मंदिर तक लेकर आए।

इस कार्यक्रम का आयोजन पाकिस्तानी हिंदू परिषद ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के सहयोग से किया था। इस अवसर पर टेरी गांव की सुरक्षा में पुलिस अधीक्षक-रैंक के एक अधिकारी के नेतृत्व में रेंजर्स, खुफिया विभाग और हवाई अड्डा सुरक्षा बल के 600 जवानों को तैनात किया गया था। हिंदू परिषद के अधिकारियों ने बताया कि अनुष्ठान रविवार दोपहर तक चला। हुजरा यानी खुले में बने स्वागत कक्षों को तीर्थयात्रियों के लिए शरणस्थलों में बदला गया था। मंदिर के निकट बाजारों में पर्यटकों की खासी रौनक देखने को मिली और तीर्थयात्रियों के साथ आए बच्चों की स्थानीय बच्चों के साथ क्रिकेट खेलते हुए तस्वीरें ली गईं।

हिंदू समुदाय के कानूनी मामलों के प्रभारी रोहित कुमार ने मंदिर की मरम्मत और वहां दर्शन की व्यवस्था के लिए पाकिस्तान सरकार की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत से आए यात्रियों ने मंदिर में आज जो पूजा की, उससे भारत में एक सकारात्मक संदेश जाएगा तथा क्षेत्र में धार्मिक सद्भावना एवं शांति को बढ़ावा मिलेगा।

चीन के यून्नान प्रांत में 5.5 तीव्रता का भूकंप, 22 जख्मी

भाषा। बीजिंग

दक्षिण पश्चिम चीन के युन्नान प्रांत के निंगलांग काउंटी में रविवार को आए 5.5 तीव्रता के भूकंप के बाद कम से कम 22 लोग जख्मी हो गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने खबर दी है कि भूकंप का झटका अपराह्न तीन बजकर करीब दो मिनट पर आया था और इसका केंद्र लिजिआंग शहर में निंगलांग काउंटी से 60 किलोमीटर दूर है और योंगनिंग नगर से तीन किलोमीटर दूर है।

निंगलांग प्रचार विभाग ने बताया कि गांव में कई घरों से टाइलें गिर गई हैं। खबर के मुताबिक, प्रभावित क्षेत्र की आबादी 24,000 है। निंगलांग में दमकल विभाग ने भूकंप के केंद्र वाले इलाके में आपदा की स्थिति का पता लगाने के लिए चार गाड़ियों और 15 लोगों को भेजा है। साठ सदस्यीय खोज एवं बचाव दल को भी भेजा गया है।

अमेरिका के कोलोराडो में जंगल की आग से करीब एक हजार मकान खाक

भाषा। सुपीरियर (**अमेरिका**)

अमेरिका के कोलोराडो राज्य में उपनगर डेनवर के पास एक जंगल में लगी भीषण आग की चपेट में आने से करीब एक हजार मकान और अन्य इमारतें जलकर खाक हो गईं। अधिकारी आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश में जुटे हैं।

बृहस्पतिवार को जंगल में लगी आग के बाद तीन लोग लापता हैं। बोल्डर काउंटी के शेरिफ (काउंटी में कानूनी मामलों के अधिकारी) जो पेले ने शनिवार को बताया कि जांच अधिकारी आग लगने के कारणों का पता लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए एक निश्चित स्थान पर तलाश अभियान चलाया जा रहा है। बृहस्पतिवार से भड़की आग के कारण डेनवेर और बोल्डर शहरों के बीच के इलाकों में धुआं भर गया और आसमान में लपटें उठती दिखीं। काउंटी के एक अधिकारी ने बताया कि यह जांच की जा रही है कि कहीं सुपीरियर शहर के पश्चिम में करीब 3.2 किलोमीटर क्षेत्र में फैले घास के मैदान से तो आग नहीं फैली। अधिकारियों ने पूर्व में बताया था कि शुक्रवार तक 500 से ज्यादा मकान आग से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। आग की भयावहता को देखते हुए इलाके से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया था। अधिकारियों ने इससे पहले किसी के लापता होने की बात से इनकार किया था, लेकिन बोल्डर काउंटी की प्रवक्ता जेनिफर चर्चिल ने बताया कि विभिन्न जगहों से तीन लोगों के लापता होने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार कम से कम 991 मकान एवं अन्य भवन क्षतिग्रस्त हुए हैं। पेले ने बताया कि लुइसविले में 553, सुपीरियर में 332 और काउंटी के अनिगमित हिस्सों में 106 मकान आग में जलकर खाक हो गए।

दक्षिण कोरियाः अज्ञात व्यक्ति सीमा पार उत्तर कोरिया में घुसा

एपी। सियोल

दक्षिण कोरिया की सेना ने रविवार को बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति सख्त पहरे वाली सीमा को पार कर उत्तर कोरिया में घुस गया है। दक्षिण कोरिया को इससे पहले निगरानी उपकरण की मदद से सीमा के पूर्वी हिस्से में एक व्यक्ति का पता चला था और उसे पकड़ने के लिए सैनिक भेजे गए थे। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अधिकारियों ने बताया कि सैनिकों को वहां व्यक्ति नहीं मिला, हालांकि निगरानी उपकरणों ने उसके सीमा पार जाने का संकेत दिए।

अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि दक्षिण कोरिया ने रविवार सुबह उत्तर कोरिया को व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक संदेश भेजा, लेकिन उत्तर कोरिया ने कोई जवाब नहीं दिया। सितंबर 2020 में उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के मत्स्य विभाग के एक अधिकारी को गोली मार दी थी और व्यक्ति का शव सियोल की सीमा से लगते जलक्षेत्र में मिला था। उत्तर कोरिया में कोरोना वायरस को लेकर सख्त नियमों के कारण अवैध रूप से सीमा पार करने वाले किसी भी व्यक्ति को गोली मारने का निर्देश है।

सिंगापुर में भारतीय ने एक हमवतन की लकड़ी के तख्ते से हमला कर जान ली

सिंगापुर। सिंगापुर में एक भारतीय को कील लगी लकड़ी के तख्ते से अपने हमवतन की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मीडिया में रविवार को इस बारे में खबर आई। 26 वर्षीय पनीर वेट्रीवेल पर आरोप है कि उसने 37 वर्षीय राजेंद्रन षणमुगसुंदरन पर 31 दिसंबर की देर रात हमला किया था। क्रिमिनल मेंशन कोर्ट की विशेष सुनवाई में वेट्रीवेल पर प्रवासी श्रमिकों के आवास में खतरनाक हथियार से जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप लगाया गया। खबर में कहा गया है कि पनीर पर नए साल के पहले दिन व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। खबर के अनुसार दोषी पाए जाने पर वेट्रीवेल को आजीवन कारावास और बेंत की सजा दी जा सकती है।

ड्राइ जनवरी को कैसे बनाएं कामयाब

अभियान के 10 साल पूरे

भाषा। न्यूयॉर्क

जनवरी के महीने में लोगों को बिना शराब पीए रहने की चुनौती देने के लिए एल्कोहल चेंज यूके (ब्रिटेन) की अगुवाई में शुरू किए गए ड्राइ जनवरी अभियान को अब 10 साल हो गए हैं। वर्ष 2013 में चार हजार लोगों ने इस चुनौती के लिए पंजीकरण कराया था जिसकी तादाद पिछले साल बढ़कर 1,30,000 को पार कर गई। हालांकि इस बात की संभावना है कि बड़ी संख्या में लोगों ने आधिकारिक रूप से पंजीकरण कराए बिना ही इस अभियान में हिस्सा लिया। ड्राइ जनवरी में यह आपकी पहली कोशिश हो या आप मौसमी प्रतिभागी हों, लेकिन ऐसे तरीके हैं जिनसे आप बिना शराब पिए जनवरी के अंत तक पहुंचने की संभावना को अधिकतम कर सकते हैं। व्यवहार विज्ञान कुछ अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

इस पर प्रभावशाली परिवर्तन मॉडल के चरण नाम का अध्ययन उपयोगी है जो दो अमेरिकी मनोवैज्ञानिकों - जेम्स प्रोचस्का और कार्लो डिक्लेमेंटे ने किया था। यह अध्ययन मूल रूप से धूम्रपान करने वालों को ध्यान में रखकर किया गया था लेकिन परिवर्तन मॉडल के चरण का व्यापक उपयोग शराब के सेवन को कम करने या शराब का सेवन छोड़ने जैसे काम में लोगों की मदद के लिए किया गया है।

परिवर्तन मॉडल के चरण बदलाव को दोहरी प्रक्रिया के तौर पर नहीं देखते हैं जैसे शराब का सेवन करने या नहीं करने, बल्कि यह प्रक्रिया के पांच चरण बताते हैं। इसमें से पहला चरण है, सोचने से पूर्व का- जहां बदलाव करने की कोई मंशा नहीं होती है और परिवर्तन की जरूरत को लेकर जागरूकता की कमी रहती है। इसके बाद आता है विचार जहां बदलाव की जरूरत को पहचाना जाता है लेकिन कोई अमल नहीं किया जाता है। इसके बाद तैयारी के चरण में पहुंचा जाता है जहां शराब के सेवन को कम करने की योजना बनाई जाती है। इसके बाद शुरू होता है अमल और बनाए रखने का चरण लेकिन हम यहां तैयारी पर तवज्जो देंगे।

तैयारी अहम है: पहली जनवरी तक का इंतजार करने के बजाय फायदेमंद यह होगा कि इस बारे में पहले से ही सोचना शुरू कर दिया जाए। शराब पीने जैसे नियमित व्यवहार के पैटर्न को अचानक से रोकना शारीरिक और मनोवैज्ञानिक रूप से मुश्किल होगा। जो लोग शराब पर निर्भर करते हैं, यह उनके लिए घातक साबित हो सकता है। अगर आप जनवरी से पहले ही शराब का सेवन कम कर देते हैं तो आपकी सफलता की संभावना बढ़ जाती है, क्योंकि यह आपको शारीरिक और मानसिक रूप से अनुकूल बनने का समय देता है। चुनौती यह है कि जनवरी से पहले क्रिसमस का त्यौहार और नव वर्ष की पूर्व संध्या आती है जहां आमतौर पर शराब का सेवन किया जाता है। भले ही आप इस अवधि के दौरान शराब के उपयोग में कटौती नहीं करते हैं। लेकिन आप कितनी मात्रा में पी रहे हैं, और इसकी जानकारी आपको है तो यह शराब के सेवन के बारे में बता सकता है और आप बाद में कैसा महसूस करते हैं, इसके बारे में सोचना भी शराब के सेवन को कम करने या रोकने की तैयारी में मददगार हो सकता है। किसी को बताना कि आपका इरादा ड्राई जनवरी में हिस्सा लेने का है तो इससे एक तरह का अनुबंध हो जाता है और फिर उस पर वापस जाना अधिक कठिन हो जाता है, भले ही आप शराब पीना बंद करने का इरादा रखते हों। कुछ लोगों के लिए घर पर शराब का होना मोहक हो सकता है। भले ही आपको यह एक समस्या नहीं लगती हो, लेकिन इसे हटाना बेहतर है।

मध्य पश्चिमी अमेरिका में बर्फबारी के साथ सर्दी ने दी दस्तक

शिकागो (**अमेरिका**)। मध्य पश्चिमी अमेरिका में नव वर्ष के पहले दिन बर्फबारी के साथ सर्दी की शुरुआत हो गई है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बताया कि शनिवार को बर्फबारी आरंभ हुई और रविवार सुबह तक छह इंच बर्फ गिरने की संभावना है।

मिशिगन में मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि शनिवार रात को भारी बर्फबारी हुई और पश्चिमी मिशिगन के इंटरस्टेट 94 में छह इंच और राज्य के दक्षिणपूर्वी हिस्से में तीन से पांच इंच तक बर्फ गिरने का पूर्वानुमान है।

शिकागो और आसपास के उपनगरों में दक्षिण-पश्चिम से आने वाली सर्द हवाएं और मिशिगन झील से आने वाली उत्तरपूर्वी हवा चल रही है। मौसम वैज्ञानिक ब्रेट बोरचर्ड ने कहा कि अंततः सर्दी आ गई है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने वाहन चालकों को सचेत किया है कि बारिश और बर्फबारी के कारण सड़कों पर फिसलन पैदा हो सकती है।

2021 : शिक्षा और कोविड-19

समीक्षा का समय

गिरीश सिंहानिया
सीईओ एडूब्रिज

महामारी के दौरान शिक्षार्थियों व पेशेवरों ने जो नौकरी की अनिश्चितता देखी, वह अब कर्मचारियों के लिए बीएसएफआई सेक्टर और तकनीकी डोमेन में भूमिकाओं की एक श्रृंखला को निर्बंधित करने के बढ़ते अवसर में बदल गई है। भले ही शिक्षार्थियों के लिए स्वास्थ्य सेवा तेजी से एक आशाजनक डोमेन के रूप में उभर रही है, मगर प्रौद्योगिकी और बीएसएफआई स्थिति पर राज करते हैं।

अंतर को पाटने के लिए, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म भविष्य के पाठ्यक्रमों के साथ शिक्षार्थियों व पेशेवरों को तैयार कर रहे हैं जो उनकी कॉर्पोरेट उपस्थिति को बढ़ाने में मदद करेंगे। बिजनेस इंटेलिजेंस व डेटा एनालिटिक्स में पोस्टग्रेजुएट कोर्स, गैर-आईटी से आईटी डोमेन में करियर स्विच करने के बारे में सोचने वाले पेशेवरों के लिए बेहतरीन कोर्स है। 21वीं सदी में निवेश बैंकिंग एक और अग्रणी विकल्प के रूप में उभरा है। यह देखते हुए कि यह प्रोफाइल अब खुद को प्रमुख बैंकिंग संस्थानों के साथ जोड़ती है, यह संख्या-संकटग्रस्त लोगों के लिए खोज करने के लिए एक बढ़िया प्रोफाइल है!

हाल के दिनों में, स्मार्ट अकाउंटिंग एक अग्रगामी रास्ता है! लेखांकन पर एक विहंगम दृश्य जो भारतीय वित्तीय प्रणाली की जानकारी को शामिल करता है, कर ढांचे पर विस्तृत जानकारी वाला एक और कोर्स है जो पेशेवरों व शिक्षार्थियों के बीच चलन में है।

उपर्युक्त जॉब प्रोफाइल में कौशल व ज्ञान अब केवल उस अंतर को पाटेगा जो कार्यबल हाल के दिनों में अनुभव कर रहा है, बल्कि प्रमुख कॉर्पोरेट सर्कल में शिक्षार्थी या पेशेवर की पुन:शुरुआत और स्थिति को ऊपर उठाने में भी मदद करेगा।

-लेखक एडूब्रिज के सीईओ हैं।

उथल-पुथल भरा साल

-विनय शर्मा

वर्ष 2021 आशा, भय, शोक और आशावाद के बीच उतार-चढ़ाव वाला वर्ष रहा है, और संभवतया एक अत्यंत वांछित सामान्य 2022 में परिवर्तित हो जाएगा। यह व्यवधान जो 2020 में कोविड के साथ शुरू हुआ था, हालांकि दुनिया ने इसके साथ रहना सीख लिया है। इसने कुछ रुझानों को पुख्ता किया है जो अनिश्चितता से निपटने के नए तरीकों का निर्माण करते हुए तथा व्यवधानों के अनिश्चित वातावरण में शिक्षा आपूर्ति को जारी रखते हुए कोविड के साथ तेज हो गए हैं।

दूसरी लहर के दौरान बंदियों के बावजूद, शिक्षण संस्थानों द्वारा अपने शिक्षण और अध्यापन को जारी रखने के लिए प्रौद्योगिकी को बड़े पैमाने पर अपनाया गया है। शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों ने प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में 2020 में प्राप्त अपनी सीखों के अनुसार निर्माण किया है, और न केवल प्रत्यक्ष कक्षाओं की कमी को पूरा करने के लिए नवाचार किया है, बल्कि शिक्षण और जुड़ाव को बढ़ाने के नये तरीके भी खोजे हैं। साथ ही, स्कूलों व छात्रों के महत्वपूर्ण प्रतिशत के साथ डिजिटल विभाजन काफी स्पष्ट बना रहा, जिनकी उपकरणों तक पहुंच नहीं थी वे और हाशिए पर चले गए थे। नवीनतम एएसईआर रिपोर्ट से पता चलता है कि स्मार्टफोन का उपयोग 67 प्रतिशत छात्रों तक है।

शुक्र है कि दूसरी छमाही में कोविड लहर में कमी देखी गई, जिससे छात्रों के कक्षाओं में वापस आने से धीरे-धीरे संस्थान खुल गए। यद्यपि यह स्थिति विभिन्न क्षेत्रों और संस्थानों में भिन्न-भिन्न है, मगर शिक्षा पूर्णतया दूरस्थ से पूर्णतया प्रत्यक्ष रूप में एक दायरे में वितरित की जाती है, ज्यादातर यह हाईब्रिड रूप में रही है। यहां तक कि विदेश-अध्ययन के बाजार में भी पिछले साल की तुलना में उछाल देखा है जिसमें छात्रों व अभिभावकों में योजनाओं के साथ आगे बढ़ने में अधिक सहजता देखी गई है।

शिक्षण और अध्यापन को जारी रखने में प्रौद्योगिकी ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसका सबसे अधिक प्रभाव घर पर पढ़ने, दूरस्थ कक्षाओं, उच्च शिक्षा, कौशल उन्नयन, पाठ्येतर यानी कोडिंग, शौक के स्थलों पर स्पष्ट नजर आया है। ऑनलाइन शिक्षण की सुविधा और आसानी ने नए शिक्षार्थियों के एक बड़े समूह को अपने साथ जोड़ा है जो इन पाठ्यक्रमों को समय, स्थान और वित्त की बाधाओं के भीतर प्रबंधित कर सकते हैं। इसने विभिन्न ऑनलाइन शिक्षा प्रस्तावों के लिए संभावना और समाधानयोग्य बाजार का विस्तार किया है।

एक क्षेत्र के रूप में एडटेक ने वास्तव में इस वर्ष के दौरान अब तक 4 बिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग और अपग्रेड और एमेरिटस जैसे नए यूनिकॉर्न के गठन से आकर्षण प्राप्त किया है। विलय और अधिग्रहण के साथ समेकन की ओर भी रुझान है, जिसके कारण कुछ बड़े खिलाड़ी के12, प्रतियोगिता, एचई, स्किलिंग और विदेशों में अध्ययन जैसे बड़े क्षेत्रों पर हावी होने की कोशिश कर रहे हैं।

लेखक कन्वर्जिया के सीईओ-निदेशक हैं।

नन्हें कदम उठाना

मनिंदर सिंह बाजवा

हालांकि भारत जैसे देश में, सरकार और जनता द्वारा समान रूप से शिक्षा को हमेशा प्रमुख महत्व दिया गया है, मगर समान संसाधनों की कमी जैसे कुछ कारकों के अस्तित्व ने हमेशा शैक्षिक संसाधनों की एक समान उपलब्धता को बाधित किया है। दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता यह है कि नए, नवीन शिक्षण संसाधन जो आज रोजगार उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं, अपेक्षाकृत कम विकसित क्षेत्रों की कक्षाओं तक शायद ही कभी पहुंचते हैं। ऑनलाइन संसाधनों और ई-लर्निंग ने टियर 2 और टियर 3 शहरों में शिक्षण परिदृश्य को बदलने वाले कुछ तरीकों को इस प्रकार सूचीबद्ध किया है :

संसाधनों की समान उपलब्धता : सबसे बड़ा तकनीकी आविष्कार, जिसने मानव जीवन को सबसे सामान्य तरीके से प्रभावित किया है, वह है इंटरनेट। इंटरनेट कुछ ही सेकंड में डेटा को एक स्थान से दूसरे स्थान तक अंतहीन मात्रा में प्रसारित करने का अवसर देता है। इसके अलावा, चूंकि सेलुलर डेटा और स्मार्टफोन ने देश की अधिकांश आबादी के बजट ब्रैकेट में फिट होने के लिए नवाचार किया है, इंटरनेट एक समान रूप से प्रयोग किया जाने वाला उपकरण बन गया है। शिक्षा क्षेत्र ने वास्तव में इस उपकरण का लाभ उठाया है ताकि सभी शहरों में अद्यतन पाठ्यक्रम और नई पीढ़ी के शिक्षण उपकरण उपलब्ध कराये जा सकें।

जागरूकता और अवसरों को बढ़ाना : एडटेक प्लेटफॉर्म, जिन्होंने टियर 2 और टियर 3 शहरों पर अपनी छाप छोड़ी है, वास्तव में शैक्षिक संसाधन प्रदान करने के अलावा बहुत कुछ करते हैं। वे बाजार में उपलब्ध विभिन्न आजीविकाओं के संबंध में और उनमें से प्रत्येक से छात्र क्या उम्मीद कर सकते हैं, उनके ज्ञान में भी इजाफा करते हैं। विभिन्न क्षेत्रों के अस्तित्व और मांगों के बारे में छात्र जागरूकता बढ़ाकर, एडटेक प्लेटफॉर्म उसके लिए तैयारी की सुविधा प्रदान करते हैं। ये मंच पाठ्यक्रम के दायरे से बाहर विषयों और कौशल से संबंधित शिक्षण अवसर भी प्रदान करते हैं।

केरीकुलम का हाइपर लोकलाइजेशन : कुछ भी तकनीकी भावी नवाचारों और विकास के साथ उन्नयन और सुधार के लिए बाध्य है। एडटेक प्लेटफॉर्म भी अपने प्रस्तावों और सामग्री को तेजी से मददगार बनाने में लगातार लगे हुए हैं। नवीनतम प्रवृत्ति हाइपरलोकलाइजेशन की है। हाइपरलोकलाइजेशन अनिवार्यतया किसी स्थान के मूल मानदंडों व संस्कृति के अनुकूल कुछ अनुकूलित करने के लिए संदर्भित करता है। इस प्रकार, जब शैक्षिक सामग्री क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होती है और स्थानीय उदाहरणों का उपयोग करती है, तो छात्रों के लिए सीखना बहुत आसान और अधिक सहज हो जाता है। इस तरह, जटिल व विदेशी भाषाओं को जानने की आवश्यकता को दूर करके, एडटेक प्लेटफॉर्म शिक्षा को सुलभ बनाते हैं।

बेहतर सरकारी नीतियां : आज की राज्य सरकारें मिश्रित शिक्षण मॉडल को उत्तरोत्तर अपना रही हैं। ये मॉडल उन्हें अपने राज्यों में टियर 2-3 शहरों तक बेहतर ढंग से पहुंच बनाने में मदद करेंगे। इन मॉडलों से एकत्र किए गए आंकड़े राज्यों को बेहतर नीतिगत निर्णय लेने में सक्षम बनाएंगे, जैसे कि स्कूलों के लिए तकनीकी हार्डवेयर की खरीद।

लेखक आईस्कूइला के सीईओ-संस्थापक हैं।

गेमचेंजर

जनता की प्रत्याशा के विपरीत, सहस्राब्दी को पूर्व-निवारक उपायों और आपदा को टालने वाले प्रोग्रामर्स द्वारा अच्छी तरह से संबोधित किया गया था। बल्कि वाई2के समस्या ने अकेले भारत में बड़े अवसर पैदा किए हैं। इससे बीपीओ में उछाल आया और इससे कई भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों ने इस मुद्दे को ठीक करने के लिए यूएसए में नौकरी पाई। वाई 2के ने रेडियो, टेलीविजन और टेलीफोन क्षेत्र में भी क्रांति ला दी।

स्कूल पाठ्यक्रम के लिए एक मूल्यवान पूरक के रूप में एडटेक: एडटेक शिक्षा में एक बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है क्योंकि यह छात्रों को उनके स्कूल पाठ्यक्रम के लिए प्रासंगिक अतिरिक्त ज्ञान एकत्रित करने का चैनल प्रदान करता है, पाठ्येतर गतिविधियों को

सीखने की अनुमति देता है, कर्मचारियों के कौशल और पुनर्कौशल में मदद करता है, और घर से सीखने की सुविधा पर चीजों की एक श्रृंखला पेश करता है। साथ ही, लोगों को यह समझ में आ गया है कि अब अधिक से अधिक कौशल हासिल करने के लिए आगे बढ़ने का समय है। एडटेक पारंपरिक स्कूली पाठ्यक्रम को भले ही मिटा न पाए, लेकिन निश्चित रूप से निर्धारित शिक्षा मॉडल को बेहतर ढंग से पूरक करता है।

एडटेक तेजी से गेम-चेंजर बन रहा है : हम ऐसे समय में हैं जब हम आईओटी या एक्सबाक्स के बिना दुनिया की कल्पना नहीं कर सकते। प्रौद्योगिकियां इतनी तेजी से बदल रही हैं कि आज जो चलन में है वह जल्द ही पुरानी हो जाएगी। अगर हम अभी जो है उसके साथ नहीं रहते हैं, तो हम कल के खेल में शीर्ष पर नहीं हो सकते। एडटेक प्लेटफार्म अनिवार्य रूप से छात्रों को उन तकनीकों से परिचित कराने में मदद कर रहे हैं जो एक उज्जवल भविष्य के लिए आज राज कर रही हैं।

कई एडटेक कंपनियों ने यूनिकॉर्न के बीच अपना स्थान पाया, जिनकी कीमत एक अरब डॉलर से अधिक है। 'क्लाउड कैंपस' के प्रभुत्व से, बहुसंवेदी शक्तियों वाले रोबोट शिक्षकों का समावेश, अमेजॅन वेब जैसी सेवाओं द्वारा संचालित एआई-सहायता प्राप्त शिक्षा, और अब नवीनतम चर्चा के साथ कि मेटावर्स संवर्धित वास्तविकता के माध्यम से शिक्षा लेने जा रहा है, यह एडटेक उद्योगों के लिए गुंजाइश व्यापक ही बनाता है ।

दूसरे शब्दों में, एडटेक ने अपना पुनर्जागरण पा लिया है। हम शिक्षा के एक नए युग के कगार पर हैं जो शिक्षार्थियों को केवल सैद्धांतिक शिक्षा से आगे रखेगा।

-लेखक श्रीचरण ताडेपल्ली, बाइटएक्सएल के सीओओ और सह-संस्थापक हैं।

राधिका सिन्हा
प्रिंसिपल,
आदित्य बिरला वर्ल्ड अकादमी

राधिका सिन्हा कहती हैं कि तर्कसंगत कौशल के साथ-साथ मानसिक व शारीरिक कल्याण को मजबूत करने के लिए, बच्चों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना बहुत आवश्यक है। माता-पिता को अपने बच्चों के खेल के प्रति जुनून का समर्थन करना चाहिए

मानसिक शारीरिक कल्याण का मार्ग है खेलना

कम उम्र से ही खेलों में सक्रिय रूप से शामिल होना बच्चे के समग्र विकास और प्रगति में मौलिक भूमिका निभा सकता है। खेलों में भाग लेने से शरीर की शारीरिक और मानसिक शक्ति को बढ़ाने में मदद मिलती है। हालांकि, खेल गतिविधियों में शामिल होने का उत्साह काफी कम हो गया है, क्योंकि आजकल बच्चे मनोरंजन के स्रोत के रूप में वर्चुअल गेमिंग की ओर अधिक भागते हैं। इस प्रकार स्कूलों और माता-पिता के लिए आवश्यक हो गया है कि वे बच्चों को खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें, जो उन्हें विविध शारीरिक व तर्कसंगत कौशल, अनुभव प्राप्त करने और उनके आत्मविश्वास का निर्माण करने में मदद करेगा जो उनके व्यक्तित्व को विकसित करने में भी सहायता करेगा। प्रत्येक स्कूल को खेल को पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग बनाना चाहिए क्योंकि शैक्षणिक संस्थान छात्र की शारीरिक क्षमताओं के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाते हैं और अच्छी खेल भावना का भाव जगाते हैं ताकि बच्चे शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से सक्रिय हो सकें।

भारत में ऐसे महान एथलीटों का बड़ा भंडार है, जिन्होंने विभिन्न खेलों में अपने शानदार प्रदर्शन के जरिए पदक प्राप्त करके देश का गौरव बढ़ाया है, चाहे वह ओलंपिक हो या कोई अन्य राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट। ये खिलाड़ी बड़ी जीत हासिल करने में सफल रहे हैं और इन्होंने अनुशासन, दृढ़ संकल्प, लचीलापन और कड़ी मेहनत से पुरस्कार जीते हैं। विभिन्न मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम होने के लिए दृढ़ संकल्प और मनोबल बढ़ाने में वर्षों लगते हैं। यह प्रशंसनीय है कि भारत ने 228 सदस्यों के अपने सबसे बड़े दल को 23 जुलाई, 2021 को शुरू होने वाले इस साल के टोक्यो ओलंपिक 2020 में 18 खेल आयोजनों में भाग लेने के लिए भेजा। इस प्रकार यह अनुमान लगाया जा सकता है कि भारतीय खेल उद्योग में 2022 तक लगभग 18 प्रतिशत औसतन वृद्धि होगी।

इसी तरह, यदि कोई बच्चा ऐसे संकेत दिखाता है कि खेल उसका जुनून और गुण है, तो माता-पिता को उसे खेल में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए क्योंकि यह बच्चे को करियर विकल्प के रूप में अपनी पसंदीदा गतिविधि को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाता है। माता-पिता को प्रारंभिक चरण में बच्चे द्वारा प्रदर्शिइसी तरह, यदि कोई बच्चा संकेत दिखाता है कि खेल उनका जुनून और गुण है, तो माता-पिता को उन्हें खेल में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए क्योंकि यह बच्चे को करियर विकल्प के रूप में अपनी पसंदीदा गतिविधि को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाता है। माता-पिता को एक प्रारंभिक चरण में एक बच्चे द्वारा दिखाए गए कौशल को पहचानने की जरूरत है और तदनुसार उसकी क्षमता को और विकसित करने में निवेश करना चाहिए। बच्चा स्कूल स्तर या कॉलेज स्तर पर खेल में सक्रिय और गंभीर भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर सकता है और राज्य स्तर पर व उसके बाद क्षेत्रीय स्तर पर खेलना शुरू कर सकता है और फिर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसरों का पता लगा सकता है। हालांकि, ऐसा करने में सक्षम होने के लिए, व्यक्ति को बहुत मेहनत और दृढ़ता की आवश्यकता होती है और इसलिए युवाओं के लिए खेल में करियर पर विचार करते समय इन बातों को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है। एक देश के रूप में भारत राष्ट्रीय स्तर पर 'द स्पोर्ट्स अथॉरिटी' की स्थापना करके खिलाड़ियों का समर्थन करने में सबसे आगे रहा है, जिसका उद्देश्य समर्पित एथलीटों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना और साथ ही खेल में उभरती प्रतिभा का समर्थन करना है। विशेष रूप से खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योजनाओं के आयोजन हेतु साई द्वारा राज्य स्तरीय शाखाएं स्थापित की गई हैं।

चूँकि आधुनिक समय के खेलों में बहुत अधिक ऊर्जा और सहनशक्ति की आवश्यकता होती है, एक एथलीट में लगातार, ऊर्जावान और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रतिबद्धता होनी चाहिए। एक पोषक आहार योजना के साथ एक प्रशिक्षक के विशेषज्ञ पर्यवेक्षण के तहत अनुशासित प्रशिक्षण आहार का अभ्यास किया जाना चाहिए। उत्साही, दृढ़निश्चयी और खेल भावना का पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर असफलताओं और बाधाओं का सामना करने में सक्षम होना एथलीटों में एक प्रमुख गुण है।

इन समान लक्षणों को बच्चों में शामिल करने की आवश्यकता है ताकि वे किसी भी बाधा का सामना करने के लिए तैयार हो सकें और खेल प्रतियोगिता या अभ्यास के दौरान सबसे खराब स्थिति और सबसे अच्छी स्थिति के लिए तैयार हो सकें।

ध्यान में रखने योग्य एक मौलिक पहलू यह है कि खेल एक ऐसा तत्व है जो एक छात्र को बाकी खूबियों से अलग करता है, विशेष रूप से प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों से, जैसे कॉलेज प्लेसमेंट, छात्रवृत्ति प्राप्त करना, या शिक्षा के लिए धन प्राप्त करना। हमारा देश उन लोगों को प्रोत्साहित और समर्थन करता है जो अपनी पसंद के क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं और खेल में वैश्विक स्तर पर देश का नाम सुर्खियों में लाने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। जैसा कि नेल्सन मंडेला ने एक बार कहा था, ''खेल में दुनिया को बदलने की शक्ति होती है। इसमें प्रेरणा देने की शक्ति होती है। इसमें लोगों को उस तरह से एकजुट करने की शक्ति होती है जो और किसी और में नहीं होती।'' अंत में, यदि अधिक युवा भारतीय स्कूलों, शिक्षकों और माता-पिता के समर्थन से खेलों में अपना करियर देखते हैं, तो हम भारत को वैश्विक मानचित्र पर बनाए रखना जारी रख सकते हैं और हर बार इतिहास रच सकते हैं।

मानव संसाधन तकनीक : व्यापार परिवर्तन की प्रमुख सूत्रधार

विक्की जैन का कहना है कि सॉफ्ट स्किल मैनेजमेंट और पेरोल ऑटोमेशन से लेकर भर्ती और उपयोग में एआई तक शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए मानव संसाधन प्रौद्योगिकी व्यवसाय संचालन के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है ....

प्रौद्योगिकी और नवाचार में प्रगति, संगठनों द्वारा अपने व्यवसाय संचालन को बेहतर बनाने हेतु डिजिटल संसाधनों को नियोजित करने के तरीके बदल रही है। मानव संसाधन शायद एकमात्र व्यावसायिक कार्य है जहां हाल के दिनों में तकनीकी प्रगति को अद्भुत ढंग से अपनाया गया है। वर्तमान में, कंपनियां नई प्रतिभाओं को नियुक्त करने व आकर्षित करने, कर्मचारियों को बनाए रखने की दिशा में काम करने के साथ-साथ कार्यस्थल प्रशासन व प्रबंधन में सहायता प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक मानव संसाधन प्रौद्योगिकियों का लाभ उठा रही हैं।

सॉफ्ट स्किल मैनेजमेंट और पेरोल ऑटोमेशन से लेकर भर्ती में एआई तक तथा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए, एचआर तकनीक व्यवसाय संचालन के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

ऐसी तकनीकों को अपनाने से न केवल उत्पादकता बढ़ती है और संचार में तेजी आती है, बल्कि प्रशासनिक बोझ भी कम होता है और कंपनियों के लिए लागत कम होती है।

मानव संसाधन प्रौद्योगिकी कैसे व्यवसायों का समर्थन कर रही है और महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रही है

एचआर तकनीक के निवेश हेतु वांछित मूल्य प्राप्त करने के लिए, यह आवश्यक है कि प्रबंधन टीम एक संगठन के लिए 'सही' एचआर तकनीक को अपनाने के लिए एक व्यवहारिक और मेहनती दृष्टिकोण अपनाए। उपयुक्त फिट सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है और कंपनी के लिए प्रक्रिया -परिवर्तनकारी लाभ ला सकता है। यहां, हम इस बात पर एक नजर डालते हैं कि मानव संसाधन प्रौद्योगिकी प्रमुख व्यावसायिक परिवर्तन को कैसे सुगम बना सकती है :

अधिक केंद्रित और कुशल भर्ती

महत्वपूर्ण पदों के रिक्त रह जाने पर व्यवसायों को भारी नुकसान होता है। यह अन्य कर्मचारियों की जिम्मेदारी बन जाती है कि वे उस शून्य को भरें जो समग्र उत्पादकता व मनोबल को प्रभावित कर सकता है। हर एक दिन जब कोई पद खाली हो जाता है तो उत्पादकता और मुनाफे के मामले में कंपनियों को भारी नुकसान हो सकता है।

एआई-आधारित मानव संसाधन प्रबंधन प्रणालियों के आगमन से, संपूर्ण नियुक्ति चक्र बदल रहा है। एचआर टेक इनोवेशन की मदद से जॉब पोस्टिंग, आदर्श उम्मीदवारों की सोर्सिंग, इंटरव्यू प्रक्रिया का प्रबंधन और ऑफर प्रदान करने से महत्वपूर्ण रोजगार पदों को भरने का समय काफी कम हो जाता है। चैटबॉट उस समय को कम करने में मदद करते हैं जब नियोक्ताओं को आवेदनों का जवाब देने और अधिक सकारात्मक अनुभव निर्मित करने की आवश्यकता होती है।

रणनीतिक भूमिकाओं में मानव संसाधन को शामिल करें

इस तथ्य से कोई इंकार नहीं है कि कागज पर बदलाव करने या अलग-अलग प्रणालियों के बीच डेटा स्थानांतरित करने में काफी समय लगता है। और समय पैसे के समान है, विशेष रूप से एचआर प्रबंधकों द्वारा त्रुटियों को ठीक करने या मैन्युअल स्तर पर डेटा दर्ज करने में लगने वाले घंटों को देखते हुए।

प्रौद्योगिकी मानव संसाधन पेशेवरों को उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर दे रही है जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। मानव संसाधन प्रौद्योगिकी का सही उपयोग मानव संसाधन टीम को कई मैनुअल और प्रशासनिक कार्यों से मुक्त करता है। परिणामस्वरूप, उनके पास राजस्व उत्पन्न करने वाली गतिविधियों में संलग्न होने के लिए अधिक समय होता है, जैसे कि बढ़ते कार्यबल की योजना बनाना और टीम प्रबंधकों को अच्छी प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें बनाए रखने में मदद करना।

विश्लेषिकी के माध्यम से बेहतर प्रदर्शन प्रबंधन

प्रदर्शन प्रबंधन मानव संसाधन के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है। आज की दुनिया में, एचआर की क्लाउड-आधारित एचआर सॉफ्टवेयर तक पहुंच है जो प्राकृतिक भाषा निर्माण व मशीन लर्निंग का उपयोग करके कर्मचारी के प्रदर्शन में अंतर्दृष्टि को स्वचालित करता है। ये संवर्धित विश्लेषिकी प्लेटफॉर्म गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और भारी भरकम डेटा का विश्लेषण करने के आसान तरीके प्रदान करते हैं। प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली कर्मचारियों की अपेक्षाओं के स्पष्ट संचार की अनुमति देती है, और बदले में, कर्मचारियों को संगठन की दृष्टि और मिशन के साथ बेहतर ढंग से तालमेल बनाने की अनुमति देती है।

अनुपालन मसलों का समर्थन

मानव संसाधन अनुपालन हमेशा बड़ी मात्रा में कागजी कार्रवाई जैसे कर-प्रपत्र, स्वास्थ्य प्रपत्र, अनुशासनात्मक कार्रवाई और अन्य दस्तावेजीकरण पर निर्भर करता है। मानव संसाधन से संबंधित प्रौद्योगिकी की शुरुआत होने से, डेटा की इन मात्राओं का भंडारण और पुनर्प्राप्ति संगठनों के लिए आसान बन गया है। साथ ही, दस्तावेजों को मैन्युअल स्तर पर छांटने की आवश्यकता के बगैर, रिपोर्ट तैयार करने के लिए समर्पित प्रणाली होने से संगठन के काफी समय और धन की बचत होती है। जो समय-समय पर नए नियम बनाए जाने से, प्रौद्योगिकी परिवर्तनों पर नजर रखने में अमूल्य साबित हो सकती है। एचआर तकनीक का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह लोगों की जगह नहीं ले रहा है, इसके बजाय, यह संगठनों को सार्थक कार्रवाई करने, परिवर्तन लाने और सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने में मदद कर रहा है ताकि वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें और जरूरतों को बदल सकें।

- लेखक समग्रतापूर्ण ऑटोमेशन साफ्टवेयर, यूनोवा के संस्थापक हैं।